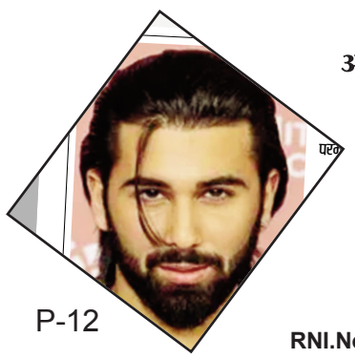

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

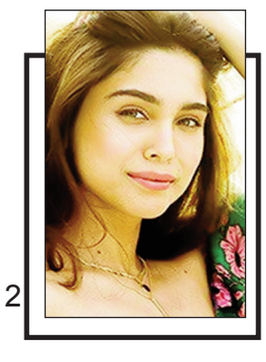

RNI.No. : DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

वर्ष : 14 | अकं: 48 | नई दिल्ली, मंगलवार, 19 मई 2026 | Email.timesofpedia@gmail.com | पृष्ठ: 12 | मूल्य : 01./-

संक्षिप्त समाचार

वीडी सतीशन बने केरल के नए मुख्यमंत्री, ली शपथ

● राहुल गांधी ने लगाया गले, खड़गे-प्रियंका भी समारोह में रहे मौजूद

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में अब सतीशन युग की शुरुआत हो गई है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की बंपर जीत के बाद वी डी सतीशन ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ले ली है। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें मलयालम भाषा में शपथ दिलाई। इसके साथ ही राज्य में पिछले 10 साल से चला आ रहा वामपंथी शासन आधिकारिक रूप से खत्म हो गया है। सतीशन के शपथ

ग्रहण समारोह में कांग्रेस के बड़े नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल शामिल हुए। इस दौरान राहुल सतीशन को गले लगाते भी नजर आए। उनके अलावा कर्नाटक के सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी और हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू भी समारोह में मौजूद रहे। वहीं वरिष्ठ नेता चेन्निथला भी शपथ ग्रहण समारोह में नजर आए। खास बात यह भी रही कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन शपथ ग्रहण के दौरान मंच पर नजर आएं। **20 सदस्यीय मंत्रिमंडल ने भी ली शपथ**- सतीशन के साथ 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल ने शपथ ली। शनिमोल उस्मान को डिप्टी स्पीकर बनाया गया है।

छग के आदिवासी युवाओं को मिलेगा 15 फीसदी आरक्षण

● बस्तर में शाह का बड़ा ऐलान, कहा- गुंडाधुर की धरती बनेगी तीर्थस्थल

रायपुर (एजेंसी)। नक्सलवाद खात्मे के बाद पहली बार बस्तर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नेतानार में कहा कि, आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि पिछले 6 महीनों के काम के बाद अब यह पूरा क्षेत्र आदिवासियों से भरा दिखाई दे रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि इसी धरा से अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ने का काम अमर शहीद गुंडाधुर ने किया था। शाह ने कहा कि एक दौर वह भी था

जब यहां एक साथ 6 पुलिसवालों की हत्या कर दी जाती थी, स्कूल उजाड़ दिए जाते थे और गरीबों का राशन तक छीन लिया जाता था। नक्सलियों का खौफ ऐसा था कि वे मासूम बच्चों को उनके बचपन में ही जबरन उठा ले जाते थे। गृह मंत्री ने आगे कहा कि अब सरकार ने कड़े कदम उठाकर बस्तर से इस गनतंत्र को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही अब इस ऐतिहासिक धरती को एक तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने का काम शुरू किया जा रहा है। यहां के आदिवासी बच्चों को अब वे तमाम आधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं, जो पहले केवल बड़े शहरों में ही मिलती थीं। अब हर गरीब परिवार तक पीने का साफ पानी पहुंचाया जा रहा है, उनके राशन कार्ड और आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं और उन्हें 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है।

● सीसीटीवी में कैद हुई घटना, खुलासे के बाद मचा हड़कंप

आरएसएस मुख्यालय के पास फायरिंग

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर से एक चौंका देने वाली घटना सामने आई है। बाइक सवार युवकों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) यानी आरएसएस के मुख्यालय की तरफ को खुलेआम फायरिंग की। फायरिंग का वीडियो सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। कुछ दिन पहले नागपुर में आरएसएस मुख्यालय के संवेदनशील जोन में विस्फोटक की बरामगी हुई थी। अब इस घटना से

सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ कर दिए हैं। सीसीटीवी के कैद हुई फुटेज में छह बाइक सवार फायरिंग करते हुए दिख रहे हैं। इस घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की है तो वहीं नागपुर के कोठी रोड इलाके में फायरिंग हुई है।

दो राउंड फायरिंग का खुलासा

नागपुर के महल क्षेत्र के कोठी रोड इलाके में दो राउंड फायरिंग की गई। पुलिस ने आगे कहा कि रवि मोहतो, गंगा काकड़े और दूसरे आरोपियों का ड्रग ट्रैफिकिंग और गैर-कानूनी सामान रखने के मामलों में पहले का क्रिमिनल रिकॉर्ड है। उनके क्रिमिनल बैकग्राउंड को देखते हुए, पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है। घटना के तुरंत बाद ही थाना कोतवाल पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आरोपियों को ढूंढने की कोशिशें जारी हैं। इसमें सीसीटीवी फुटेज की मदद ली जा रही है। सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं।

रविवार रात को हुई फायरिंग की वारदात

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार यह घटना रविवार यानी 17 मई को रात हुई, जब छह अनजान लोग तीन मोटरसाइकिलों पर आए और उस इलाके में फायरिंग शुरू कर दी, जहां से आरएसएस हेडक्वार्टर 1.5 किलोमीटर दूर है। पुलिस ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि शिकायत करने वाले सौरभ से हुए झगड़े के बाद रवि मोहतो और गंगा काकड़े ने कथित तौर पर फायरिंग की। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने इलाके में दबदबा बनाने और दहशत फैलाने के इरादे से फायरिंग की। जांच करने वालों को शक है कि आरोपियों के बीच आपसी झगड़ा भी था। रेशीम बाग में संघ मुख्यालय होने के कारण इस इलाके की सुरक्षा का काफी कड़ी रहती है।

बारामूला सांसद को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली जमानत

15 दिनों के लिए जेल से बाहर रहेंगे इंजीनियर राशिद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बारामूला सांसद अब्दुल राशिद शेख को उनके पिता के निधन के आधार पर अंतरिम जमानत दे दी है। उन्हें 2 जून तक अंतरिम जमानत दी गई है। अब्दुल राशिद शेख एनआईए के एक मामले में आरोपी हैं और तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। इससे पहले, उन्हें अस्पताल में अपने पिता से मिलने के लिए अंतरिम जमानत दी गई थी। बता दें कि इंजीनियर रशीद को आतंकवाद की फंडिंग के आरोप में यूएपीए के तहत साल 2019 में गिरफ्तार किया गया था और इस समय वो दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। इससे पहले भी दिल्ली हाईकोर्ट ने मानवीय आधार पर राहत देते हुए राशिद इंजीनियर को 5 मई से 10 मई तक अपने बीमार पिता से एम्स में मिलने के लिए सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक की कस्टडी पैरोल दी थी। अब पिता के निधन के बाद अंतिम जनाजे में शामिल होने के लिए उन्हें अंतरिम जमानत दी गई है।

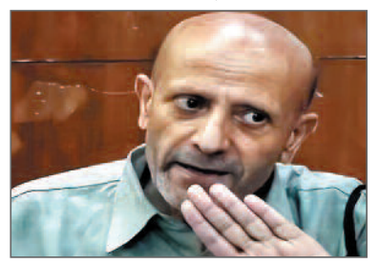

भाजपा ने अब केरल के लिए तैयार किया 13 सूत्रीय एजेंडा

● ओबीसी वोटर और अल्पसंख्यकों को लेकर बनाया है खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव में तीन सीटों पर जीत से उत्साहित भाजपा ने 13 सूत्रीय राजनीतिक एजेंडा तैयार किया है, जिसके बारे में उसका कहना है कि यह आगामी लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में उसकी रणनीति को आकार देगा। पार्टी ने इस एजेंडे में हिंदू पिछड़े समुदायों के बीच समर्थन को मजबूत करने, साथ ही अल्पसंख्यक समूहों तक पार्टी की पहुंच को भी नए सिरे से मजबूत करने पर स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित किया है। पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि यह एजेंडा शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर की अध्यक्षता में आयोजित भाजपा प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में अपनाए गए एक राजनीतिक प्रस्ताव का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव से पहले अल्पसंख्यक समुदायों (विशेष रूप से ईसाइयों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के पहले के प्रयासों के बावजूद) पार्टी के दस्तावेज में उनके प्रति नई संपर्क पहलों की स्पष्ट रूपरेखा नहीं दी गई है।

सीएम योगी का ऐलान

सड़क पर नहीं पढ़ने देंगे नमाज

● कहा-प्यार से माने तो ठीक, नहीं तो दूसरा तरीका अपनाएंगे ● बकरीद से एक हफ्ते पहले दी चेतावनी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़कों पर नमाज पढ़ने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लोग घर में नमाज करें या शिफ्ट में पढ़ें। सड़क पर नमाज नहीं होने देंगे। प्यार से मानेंगे तो ठीक है, नहीं तो दूसरा तरीका अपनाएंगे। लखनऊ में सोमवार को एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ शामिल होने आए थे।

यहां उन्होंने कहा- लोग मुझसे पूछते हैं कि क्या आपके यूपी में लोग सड़कों पर सचमुच नमाज नहीं पढ़ते। मैंने कहा कि बिल्कुल नहीं।

संख्या ज्यादा है तो शिफ्ट में पढ़ें नमाज

मुख्यमंत्री ने कहा- अगर सामर्थ्य नहीं है तो क्यों बेवजह संख्या बढ़ाए जा रहे हो। सिस्टम के साथ अगर रहना है तो नियम और कानून को मानना होगा। यहां कानून का राज होगा। अगर पढ़ना आवश्यक है तो आप शिफ्ट में पढ़िए। हम उसको रोकेंगे नहीं, लेकिन सड़क पर नहीं। सड़क चलने के लिए है। एक बीमार व्यक्ति के लिए, एक आम नागरिक के लिए, एक कामगार के लिए, एक कर्मचारी के लिए, एक व्यापारी के लिए हम सड़क को बाधित नहीं होने देंगे। हमारा काम है संवाद बनाना। आप अगर संवाद से मानेंगे तो ठीक है नहीं तो संघर्ष करके भी देख लो। बरेली में इन लोगों ने ताकत आजमाया। देख लिया इनकी ताकत।

यूपी में किसी तरह की अराजकता नहीं फैलने देंगे

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने सबको कहा कि भाई चलने नहीं देंगे। अराजकता नहीं फैलने देंगे। कानून का राज सबके लिए है। यदि आपकी संख्या अधिक है तो शिफ्ट में नमाज पढ़ें लेकिन सड़क पर मत पढ़ें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर आपको सिस्टम के साथ रहना है तो नियम और कानून को मानना शुरू करें। कानून का राज होगा, कानून का राज सबके लिए समान रूप से लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर नमाज पढ़नी आवश्यक है, आप शिफ्ट में पढ़िए, हम उसको रोकेंगे नहीं लेकिन सड़क पर नहीं होने देंगे। सड़क चलने के लिए है, एक आम नागरिक, एक बीमार व्यक्ति और एक कामगार के लिए है। उन्होंने कहा, हम सड़क को बाधित नहीं करने देंगे। सरकार का नियम सार्वभौम है, सबके लिए समान रूप से लागू होता है। हमने सबको कहा कि अब ये नहीं चलने देंगे।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई का शिकंजा

● अभिभावकों पर भी नजर, नांदेड़ से लातूर तक मची खलबली

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले का दायरा अब बढ़ते-बढ़ते छात्रों के घर तक पहुंच गया है। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की टीम ने हाल के दिनों में जांच के दौरान कई ऐसे माता-पिता से भी पूछताछ की, जिन पर कथित तौर पर लीक हुए प्रश्न पत्र खरीदने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, सीबीआई की आठ अधिकारियों वाली एक टीम ने शनिवार और रविवार को तीन से चार अलग-अलग जगहों पर तलाशी ली। इनमें नांदेड़ के विद्युत नगर इलाके में स्थित एक घर और लातूर की कुछ जगहें शामिल हैं। यह तलाशी तब ली गई, जब एजेंसी को यह जानकारी मिली कि इन परिवारों ने कथित तौर पर

अपनी बेटियों के लिए नीट के लीक हुए पेपर हासिल किए थे।

पेपर के लिए बिचौलियों को दिए 5 से 10 लाख रुपये- अधिकारियों को शक है कि परीक्षा से पहले लीक हुए पेपर पाने के लिए उन्होंने बिचौलियों को 5 से 10 लाख रुपये के बीच की रकम दी थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि यह रैकेट पेपर बनाने वालों और बिचौलियों के मुख्य नेटवर्क से भी आगे तक फैला हुआ था।

खंगाले जा रहे फोन कॉल और मैसेज का ब्योरा

सीबीआई अधिकारियों ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, दस्तावेजों और संचार से जुड़े रिकॉर्ड की भी जांच की। इनमें परिवार के सदस्यों के बीच हुई फोन कॉल और मैसेज का ब्योरा भी शामिल था। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि नांदेड़ वाले मामले में, छात्रा के पिता (जो एक व्यवसायी हैं) ने लीक हुए पेपर हासिल करने के लिए लगभग 10 लाख रुपये चुकाए थे। इसमें से 5 लाख रुपये एक बिचौलिए को और 5 लाख रुपये किसी दूसरे व्यक्ति को दिए गए थे। जांच टीम छात्रा के पुणे स्थित एक कोचिंग संस्थान से संबंधों की भी जांच कर रही हैं। बताया जा रहा है कि नीट की तैयारी के लिए वह 5 दिनों तक उस संस्थान में रुकी थी।

43 साल बाद नॉर्वे पहुंचा कोई भारतीय प्रधानमंत्री

● पीएम स्टोरे के साथ की द्विपक्षीय मीटिंग, यूरोप में नये युग की शुरुआत

ओस्लो (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिनों के दौरे पर नॉर्वे की राजधानी ओस्लो पहुंच गये हैं। करीब 43 वर्षों के बाद ये पहला मौका है जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने नॉर्वे की धरती पर कदम रखा है। इससे पहले जून 1983 में इंदिरा गांधी ने नॉर्वे का दौरा किया था। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब यूरोप एक गंभीर सुरक्षा संकट से जूझ रहा है, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में मुश्किलें आ रही हैं और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के कारण हरित प्रौद्योगिकियों और आर्कटिक क्षेत्र में लोगों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है। ओस्लो इस साल बहुप्रतीक्षित तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है जिसमें मोदी और नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड,

आइसलैंड के साथ साथ स्वीडन के नेता एक साथ शामिल हो रहे हैं। पीएम मोदी ने नॉर्वे पहुंचने के बाद कहा -नॉर्वे के ओस्लो में मेरा आगमन हुआ। हवाई अड्डे पर मेरे गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए मैं प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर का आभारी हूं। चार दशकों से भी अधिक समय में नॉर्वे की यह पहली प्रधानमंत्री-स्तरीय यात्रा है। मुझे विश्वास है कि यह भारत-नॉर्वे की मित्रता को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी। मैं महामहिम राजा हेराल्ड और महारानी सोन्या से भेंट की है और प्रधानमंत्री स्टोर के साथ वार्ता भी। कल 19 तारीख को ओस्लो में तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन आयोजित होगा जो मेरे नॉर्डिक समकक्षों से मिलने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा। **नई दिल्ली को धीरे-धीरे इस महाद्वीप का महत्व समझ आ रहा है** - आपको बता दें कि दशकों तक भारत की महाद्वीपीय यूरोपीय रणनीतियां मुख्य रूप से पेरिस, बर्लिन और मॉस्को जैसे पारंपरिक दिग्गजों पर केंद्रित रहीं। लेकिन नई दिल्ली को धीरे-धीरे इस महाद्वीप के सुदूर उत्तरी क्षेत्र की ओर रुख करने का महत्व समझ में आने लगा।

बंगाल में मौलवियों की सरकारी सैलरी होगी बंद

● महिलाओं को 3000 रुपए, सातवें वेतन आयोग को मंजूरी ● शुभेंदु अधिकारी की दूसरी कैबिनेट के लिए गए कई बड़े फैसले

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई में बनी नई भाजपा सरकार ऐक्शन में दिख रही है। सत्ता संभालने के बाद शुभेंदु कैबिनेट की हुई दूसरी मीटिंग में कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई गई है। इनमें सबसे अहम राज्य में 'अन्नपूर्णा योजना' को मंजूरी है, जिसके तहत हरेक महिला को हर महीने 3000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में अगले महीने यानी 1 जून से महिलाओं को 3,000 रुपये प्रति माह देने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त सफर करने की इजाजत देने के फैसले पर भी मुहर लगाई गई है। कैबिनेट मीटिंग के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य सरकार की मंत्री अग्निमित्र पॉल ने कहा कि जिन महिलाओं ने सीएए के तहत नागरिकता के लिए अप्लाई किया था और वोटर रोल में नाम दर्ज कराने के लिए ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया था, उन्हें भी अन्नपूर्णा स्कीम का फायदा मिलेगा।

एक जून से फ्री बस सफर का ऐलान

उन्होंने कहा, कैबिनेट ने 1 जून से महिलाओं को 3,000 रुपये हर महीने आर्थिक मदद देने वाली अन्नपूर्णा स्कीम को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा 1 जून से सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त सफर करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों, और संबंधित कानूनी सिविक बॉडीज, एजुकेशन बोर्ड और सरकारी एजुकेशन इंस्टीट्यूशन में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए 7वें वेतन आयोग के गठन को भी मंजूरी दे दी है।

जल्द ही एक पोर्टल खोला जाएगा

पॉल ने आगे कहा कि बंगाल कैबिनेट ने जून से धार्मिक कैटेगरी के आधार पर ग्रुप्स को सरकारी मदद बंद करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, बंगाल सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले के अनुरूप राज्य की मौजूदा ओबीसी सूची रद्द कर दी है और आरक्षण पात्रता तय करने के लिए एक जांच समिति का गठन करने का फैसला किया है। पॉल ने यह भी कहा कि इससे पहले लक्ष्मी भंडार योजना का लाभ लेने वाली महिलाओं को अब खुद ही नई अन्नपूर्णा योजना का लाभ मिलेगा लेकिन जिन महिलाओं ने अब तक यह लाभ नहीं उठाया है, उनके लिए जल्द ही एक पोर्टल खोला जाएगा, जहां वे आवेदन कर सकेंगी। भाजपा सरकार ने यह भी फैसला लिया है कि अब राज्य में मदरसा विभाग और सूचना एवं सांस्कृतिक विभाग के तहत चल रही धर्म आधारित सहायता योजनाओं को बंद किया जाएगा। सरकार के मुताबिक, इन योजनाओं को अगले महीने से ही बंद कर दिया जाएगा।

संपादकीय

आज के दौर की पत्रकारिता

आज के दौर की पत्रकारिता 'मिशन' से 'मार्केट' का सफर तय कर चुकी है, जहाँ सच को टीआरपी और सनसनी की भट्टी में झोंक दिया गया है। गंभीर विश्लेषण की जगह 'ब्रेकिंग न्यूज' के शोर ने ले ली है, और पत्रकारिता सत्ता से सवाल पूछने के बजाय उसकी चाटुकारिता में मशगूल है।खोजी पत्रकारिता से 'गूगल और फॉरवर्ड' पत्रकारिता तकःपहले पत्रकार खबरों की तह तक जाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाते थे। आज का दौर 'कॉपी-पेस्ट' का है। सोशल मीडिया पर तैरता कोई भी अधूरा सच या मीम, मुख्यधारा के समाचार चैनलों के लिए प्राइम-टाइम डिबेट का विषय बन जाता है। तथ्यों की पड़ताल (ऋ्रूब्ठ-ू्ै') की जगह 'सबसे पहले दिखाने की होड़' ने ले ली है।सवालों से सजी 'प्रायोजित' थालियांःपत्रकारिता का चौथा स्तंभ अब विज्ञापन और प्रायोजित खबरों (द्र्रं ठी६२) की नींव पर टिका है। सत्ता से तीखे सवाल पूछने वाले पत्रकारों को अक्सर 'राष्ट्र-विरोधी' करार दे दिया जाता है, जबकि सत्ता के गुणगान करने वालों को 'पत्रकारिता का पुरोधा' माना जाता है। स्टूडियो अखाड़े बन चुके हैं, जहाँ एंकर चिल्ला-चिल्लाकर अपनी बात थोपते हैं और मेहमानों को मूक दर्शक बना दिया जाता है।' टीआरपी' का जहर और मुद्दों से भटकावःमहंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे असल मुद्दे पीछे छूट गए हैं। इसके बजाय, स्टूडियो में 'हिंदू-मुसलमान', काल्पनिक बहसों और सनसनीखेज मामलों को परोसा जाता है ताकि दर्शकों को भावनाओं में बहाया जा सके। स्टूडियो में होने वाली चिल्ल-पों यह साबित करती है कि अब बहस का स्तर नहीं, बल्कि आवाज का डेसिबल (ड्डी') तय करता है कि कौन कितना बड़ा पत्रकार है। खोया हुआ विश्वास और भविष्यःसोशल मीडिया के इस युग में जहाँ हर व्यक्ति खुद को पत्रकार समझ रहा है, मुख्यधारा की विश्वसनीयता रसातल में जा चुकी है। निष्पक्षता का चोला ओढ़े हुए मीडिया संस्थान अब कॉर्पोरेट घरानों और राजनीतिक दलों की कठपुतली बनकर रह गए हैं।कहा जाता था कि पत्रकार समाज का दर्पण होता है, लेकिन आज के दौर में यह दर्पण बिकाऊ हो गया है, जहाँ सच भी वही दिखता है जो प्रायोजक दिखाना चाहते हैं। ऐसे समय में आम जनता के लिए सच और झूठ के बीच का फर्क पहचानना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

भीषण गर्मी की मार से झुलसता भारत

कांतिलाल मांडोत

देश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। राजस्थान से लेकर गुजरात महाराष्ट्र ओडिशा उत्तरप्रदेश बिहार झारखंड मध्यप्रदेश और आंध्रप्रदेश तक गर्म हवाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग लगातार चेतावनी जारी कर रहा है कि दिन के समय धूप और लू से बचें क्योंकि तापमान कई इलाकों में 42 से 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। राजस्थान के बाड़मेर में 48.3 डिग्री तापमान रिकॉर्ड होने के बाद पूरा पश्चिमी भारत मानो आग की भट्टी में बदल गया है।

राजस्थान इस समय देश का सबसे गर्म राज्य बना हुआ है। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। जैसलमेर फलोदी जोधपुर और बीकानेर में भी तापमान 45 डिग्री के ऊपर पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने बाड़मेर जैसलमेर और जोधपुर में रेड अलर्ट जारी कर लोगों को दोपहर में घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। हालात इतने खराब हैं कि जालोर में गर्मी के कारण ट्रांसफार्मर में आग लग गई। बिजली उपकरणों के ओवरहीट होने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। दूसरी ओर जैसलमेर में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का समय बदलना पड़ा ताकि जवानों को तेज धूप और लू से राहत मिल सके। अब पुलिसकर्मी सुबह और शाम की शिफ्ट में काम कर रहे हैं।

गुजरात में भी स्थिति कम गंभीर नहीं है। उत्तर और दक्षिण गुजरात में हीटवेव के कारण लोगों की दिनचर्या बदल गई है। अहमदाबाद सूरत राजकोट और वडोदरा जैसे शहरों में दोपहर के समय बाजार सूने दिखाई देते हैं। लोग सुबह जल्दी और शाम को ही बाहर निकलना पसंद कर रहे हैं। गर्म हवाओं के थपेड़ों ने बच्चों बुजुर्गों और मजदूरों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़कों पर ठंडे पेय पदार्थों की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है। लोग लस्सी छाछ नींबू पानी और बर्फ के गोलों से राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं।

महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में भी सूरज आग बरसा रहा है। नागपुर अकोला और विदर्भ के कई हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। खेतों में काम करने वाले किसान और निर्माण कार्यों में लगे मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। ओडिशा और आंध्रप्रदेश में समुद्री नमी के कारण उमस भी बढ़ गई है जिससे लोगों को दोहरी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बिहार झारखंड और उत्तरप्रदेश में भी लू ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई शहरों में अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

भीषण गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं बल्कि पशु पक्षियों पर भी दिखाई दे रहा है। पेड़ों के नीचे जानवर छांव तलाशते नजर आते हैं जबकि पक्षी पानी की तलाश में इधर उधर भटक रहे हैं। कई जगह सामाजिक संगठनों और छात्रों ने परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था शुरू की है। यह पहल गर्मी के इस कठिन समय में संवेदनशीलता का उदाहरण बन रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण हर साल गर्मी का स्वरूप और अधिक खतरनाक होता जा रहा है। जंगलों की कटाई बढ़ते प्रदूषण और अनियोजित शहरीकरण ने तापमान को और बढ़ाया है। शहरों में कंक्रीट और डामर की सड़कों के कारण गर्मी अधिक महसूस होती है। जल स्त्रोतों के सूखने और भूजल स्तर गिरने से समस्या और गंभीर बन रही है। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं।

लू और भीषण गर्मी से बचने के लिए सावधानी बेहद जरूरी है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो सिर को कपड़े या टोपी से ढंकना चाहिए। शरीर में पानी की कमी न हो इसके लिए बार बार पानी पीना जरूरी है। छाछ लस्सी नींबू पानी नारियल पानी और ओआरएस जैसे पेय पदार्थ शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने चाहिए ताकि शरीर को कम गर्मी लगे। खाली पेट बाहर नहीं निकलना चाहिए और अधिक तला भुना भोजन खाने से बचना चाहिए।

बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है क्योंकि उन पर लू का असर जल्दी होता है। घरों में खिड़कियों और दरवाजों को पर्दों से ढंककर रखना चाहिए ताकि गर्म हवा अंदर न आए। पशुओं और पक्षियों के लिए भी पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चक्कर आना तेज बुखार उल्टी या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए क्योंकि यह हीट स्ट्रोक के संकेत हो सकते हैं।

देश के सामने यह गर्मी केवल मौसमी संकट नहीं बल्कि पर्यावरणीय चेतावनी भी है। तेजी से बदलता मौसम यह संकेत दे रहा है कि प्रकृति के साथ लगातार हो रहे खिलवाड़ का असर अब सीधे लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। सरकारों को जल संरक्षण हरित क्षेत्र बढ़ाने और प्रदूषण कम करने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। साथ ही लोगों को भी पेड़ लगाने पानी बचाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने की आवश्यकता है। यदि अभी से गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में गर्मी का यह संकट और विकराल रूप ले सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की विदेश यात्रा के कूटनीतिक निहितार्थ भारत के लिए महत्वपूर्ण

कमलेश पांडेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच देशों के हालिया विदेश दौरे के कई बड़े कूटनीतिक, आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक मायने हैं। क्योंकि मई 2026 में उनका यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध, सप्लाई चेन अस्थिरता और नए वैश्विक ध्रुवीकरण से गुजर रही है। लिहाजा, पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

पहला, ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि भारत दुनिया का बड़ा तेल आयातक देश है। ईरान संकट और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे समय में यूएई दौरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है। लिहाजा भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण, एलपीजी (LPG) सप्लाई, ऊर्जा निवेश, समुद्री सुरक्षा जैसे अहम समझौते हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत भविष्य के किसी बड़े वैश्विक ऊर्जा संकट के लिए खुद को सुरक्षित करना चाहता है।

दूसरा, पश्चिम एशिया में भारत की रणनीतिक पकड़ बढ़ रही है, क्योंकि यूएई ने पीएम मोदी का असाधारण स्वागत किया- एफ-16 एस्कॉर्ट और राष्ट्रपति स्तर की अगवानी- यह दिखाता है कि भारत अब केवल 'तेल खरीदने वाला देश' नहीं बल्कि एक रणनीतिक साझेदार बन चुका है।

इसके मायने ये निकलते हैं कि पाकिस्तान की पारंपरिक खाड़ी पकड़ कमजोर होगी और भारत की अरब देशों में स्वीकार्यता बढ़ती जाएगी। इससे रक्षा और टेक्नोलॉजी सहयोग का विस्तार भी होगा।

तीसरा, यूरोप के साथ नई तकनीकी साझेदारी विकसित होगी, क्योंकि नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे का चयन बहुत रणनीतिक माना जा रहा है। चूंकि इन देशों से भारत सेमीकंडक्टर तकनीक, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई (AI) और रक्षा तकनीक और आर्कटिक एवं समुद्री सहयोग

को मजबूत करना चाहता है। विशेषकर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत चीन पर निर्भरता कम करना चाहता है। इसलिए इस पहल के अपने रणनीतिक मायने हैं।

चौथा, चीन और अमेरिका दोनों को संतुलित संदेश देने के लिए पीएम मोदी का यह दौरा 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति का हिस्सा भी है, इससे अमेरिका के साथ साझेदारी, रूस से संबंध, अरब देशों से सामरिक निकटता, यूरोप के साथ तकनीकी सहयोग, चीन के प्रभाव का संतुलन बढ़ेगा। चूंकि भारत यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बल्कि स्वतंत्र वैश्विक शक्ति है।

पांचवां, भारत को निवेश हब बनाने की कोशिश यूएई द्वारा भारत में 5 अरब डॉलर निवेश की घोषणा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ सकता है। यह 'मेक इन इंडिया' और 'भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब' बनाने की रणनीति से जुड़ा है।

छठा, घरेलू राजनीति के संकेत के नजरिए से दिलचस्प बात यह है कि एक तरफ पीएम मोदी जनता से ईंधन बचाने, विदेशी यात्राएं कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ खुद बड़े वैश्विक दौरे कर रहे हैं। इसका राजनीतिक संदेश यह जाएगा कि कठिन वैश्विक समय में सक्रिय नेतृत्व पीएम दे रहे हैं और भारत संकट में भी वैश्विक केंद्र बना हुआ है। इससे पीएम मोदी की व्यक्तिगत कूटनीतिक छवि मजबूत होकर चमकेगी।

सातवां, भारत की वैश्विक छवि निर्माण के दृष्टिकोण से यह दौरा यह दिखाने का प्रयास भी है कि भारत केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि ऊर्जा, तकनीक, व्यापार और सुरक्षा में निर्णायक वैश्विक खिलाड़ी बन रहा है। विशेषकर G20 के बाद भारत अपनी 'विश्व नेतृत्व' छवि को स्थायी बनाना चाहता है। इसके संभावित दीर्घकालिक प्रभाव भारत के लिए अहम साबित हो सकते हैं, क्योंकि इससे जहां ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना रहेगी।

साथ ही रक्षा-तकनीकी सहयोग विस्तार से वैश्विक

प्रभाव में वृद्धि होगी। भारत की यह नई चाल चीन के लिए यूरोप और खाड़ी में भारत की सक्रियता चीन के प्रभाव को चुनौती दे सकती है। जबकि पाकिस्तान के लिए खाड़ी देशों में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता रणनीतिक दबाव बढ़ा सकती है। वहीं, यूरोप के लिए चीन के विकल्प के रूप में भारत की अहमियत बढ़ेगी। जबकि अमेरिका के लिए भारत एक आवश्यक रणनीतिक साझेदार बना रहेगा, भले ही वह पूरी तरह अमेरिकी धड़े में न जाए।

निष्कर्ष यह निकलता है कि पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

समुद्र की बेचैनी, बाजार की गर्मी और भारत की ऊर्जा चुनौती

विनोद कुमार सिंह '

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय,उर्वरक मंत्रालय,नौवहन,वाणिज्य तथा वित्तीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति वर्तमान में सुरक्षित है,लेकिन वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल तेल संकट नहीं,बल्कि समुद्री व्यापार,गैस आपूर्ति, उर्वरक उत्पादन, महँगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा व्यापक विषय बन चुका है।भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।देश की ऊर्जा आवश्यकता लगातार बढ़ रही है।

पश्चिम एशिया संकट,तेल-गैस की बढ़ती कीमतें, उर्वरक दबाव और भारत की रणनीतिक तैयारी पर केंद्र सरकार की बड़ी तस्वीर...

विश्व की राजनीति जब युद्ध,तनाव और सामरिक प्रतिस्पर्धा के रास्ते समुद्रों तक पहुँच जाती है,तब उसका असर केवल सीमाओं और कूटनीतिक मंचों तक सीमित नहीं रहता।उसका कोप आम आदमी की रसोई, अन्नदाता किसान के खेत,उद्योगों जगत की मशीनों और देश की अर्थव्यवस्था तक महसूस होता है।आज पूरी दुनिया कुछ ऐसी ही स्थिति का सामना कर रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, समुद्री मार्गों पर मंडराते खतरे और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में जारी अस्थिरता ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई चिंता में डाल दिया है।ऐसे में पी आई बी ,भारत सरकार द्वारा आयोजित आज की अंतर-मंत्रालयी प्रेस कॉन्फ्रेंस इसी बढ़ते संकट और उससे निपटने की राष्ट्रीय तैयारी पर केंद्रित रही।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय,उर्वरक मंत्रालय,नौवहन,वाणिज्य तथा वित्तीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति वर्तमान में सुरक्षित है,लेकिन वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल तेल संकट नहीं,बल्कि समुद्री व्यापार,गैस आपूर्ति,उर्वरक उत्पादन, महँगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा व्यापक विषय बन चुका है।भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।देश की ऊर्जा आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश बन चुका है ,लेकिन विडंबना यह है कि अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल भारत आयात करता है।यही नहीं, घरेलू एलपीजी की लगभग 60 प्रतिशत जरूरत भी आयात के माध्यम से पूरी होती है।इन आयातों का बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुँचता है।इसलिए जैसे ही पश्चिम एशिया में संघर्ष या तनाव बढ़ता है,उसका सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगता है।भारत ने समय रहते ऊर्जा सुरक्षा के लिए व्यापक रणनीतिक कदम उठाए हैं।देश के पास वर्तमान में लगभग 60 दिनों का रणनीतिक कच्चा तेल भंडार उपलब्ध है।इसके अतिरिक्त लगभग 45 दिनों का एलपीजी स्टॉक तथा पर्याप्त नेचुरल गैस भंडारण भी मौजूद है।सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल,डीजल,एलपीजी और सीएनजी की कोई कमी नहीं है तथा आपूर्ति श्रृंखला सामान्य रूप से कार्य कर रही है।हालाँकि सरकार की इस आश्वस्ति के बावजूद वैश्विक बाजार की अस्थिरता का असर भारत में दिखाई देने लगा है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत 113 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुँच गई है। कुछ माह पहले तक यही कीमत 65 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच बनी हुई थी।तेल की कीमतों में इस तेज वृद्धि ने सरकार और आम उपभोक्ता दोनों की चिंता बढ़ा दी है।कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सबसे सीधा असर पेट्रोल और डीजल पर दिखाई देता है।हाल के दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई। दिल्ली में पेट्रोल लगभग 97 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 90 रुपये प्रति लीटर के आसपास पहुँच गया। यह वृद्धि केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहती।परिवहन लागत बढ़ने से खाद्यान्न,फल-सब्जियों, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें भी प्रभावित होती हैं।सबसे अधिक चिंता समुद्री मार्गों को लेकर व्यक्त की गई।पश्चिम एशिया का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज विश्व ऊर्जा व्यापार की धुरी माना जाता है।दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़े पैमाने पर एलएनजी का व्यापार इसी समुद्री मार्ग से होता है।भारत के लिए यह मार्ग और भी महत्वपूर्ण है,क्योंकि देश के तेल और गैस आयात का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है।वर्तमान तनाव को देखते हुए भारत ने अपने आयात स्त्रोतों और समुद्री मार्गों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है।आज भारत लगभग 40 देशों से कच्चा तेल आयात कर रहा है, जबकि वर्ष 2006-07 में यह संख्या केवल 27 थी।रूस,अमेरिका,कनाडा,ब्राजील, अफ्रीकी देशों और अन्य वैकल्पिक बाजारों से आयात बढ़ाकर भारत ने पश्चिम एशिया पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है।सरकार के अनुसार अब लगभग 70 प्रतिशत तेल आयात वैकल्पिक मार्गों और नए स्त्रोतों से किया जा रहा है।यही कारण है कि संकट की स्थिति के बावजूद भारत में ऊर्जा आपूर्ति बाधित नहीं हुई।भारतीय नौसेना और समुद्री सुरक्षा एजेंसियाँ खाड़ी क्षेत्र में भारतीय जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति मार्गों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।इस संकट का प्रभाव केवल पेट्रोलियम तक सीमित नहीं है।इसका बड़ा असर उर्वरक क्षेत्र पर भी दिखाई दे रहा है।भारत का उर्वरक उद्योग मुख्यतः नेचुरल गैस आधारित है।यूरिया उत्पादन में गैस प्रमुख कच्चा माल होती है। जैसे-जैसे अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतें बढ़ती हैं,वैसे-वैसे उर्वरक उत्पादन की लागत भी बढ़ जाती है।खरीफ सीजन नजदीक होने के कारण यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।उर्वरक मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि किसानों को खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी।इसके लिए सरकार ने उर्वरक संयंत्रों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित की है।सरकारी आंकड़ों के अनुसार घरेलू पीएनजी और सीएनजी उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत गैस आपूर्ति दी जा रही है,जबकि उद्योगों को लगभग 80 प्रतिशत और उर्वरक क्षेत्र को लगभग 70 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराई जा रही है।यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि घरेलू रसोई,सार्वजनिक परिवहन और कृषि क्षेत्र पर संकट का न्यूनतम असर पड़े। सरकार ने यह भी संकेत दिए कि आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त उर्वरक आयात की व्यवस्था की जा सकती है । सरकार ने जमाखोरी और कृत्रिम संकट फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिए गए हैं कि एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता पर निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अफवाहों पर तुरंत कार्रवाई हो।

ऊर्जा संकट का असर केवल घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता।इसका सीधा प्रभाव विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाता घाटे पर भी पड़ता है।भारत जितना अधिक महंगा तेल खरीदेगा,उतना अधिक विदेशी मुद्रा व्यय होगी। यही कारण है कि सरकार ने ऊर्जा आयात बिल को नियंत्रित करने के लिए कई समानांतर रणनीतियों पर कार्य शुरू किया है।भारत अब केवल आयात आधारित ऊर्जा मॉडल पर निर्भर नहीं रह सकता। देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसी सोच के तहत एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम,ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, बायो फ्यूल,सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्राथमिकता दी जा रही है।

भारत ने एथेनॉल मिश्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। कुछ वर्ष पहले जहाँ पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण लगभग 1-2 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर लगभग 20 प्रतिशत के आसपास पहुँचने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।इससे न केवल तेल आयात पर निर्भरता घटेगी,बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।इसी प्रकार सरकार ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से भारत को भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा शक्ति बनाने का प्रयास कर रही है।यदि भारत ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में सफल होता है तो भविष्य में वैश्विक तेल संकटों का असर काफी हद तक कम किया जा सकेगा।लेकिन वर्तमान संकट यह भी बताता है कि ऊर्जा केवल आर्थिक विषय नहीं है।यह राष्ट्रीय सुरक्षा,खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा विषय बन चुका है। यदि तेल महंगा होता है तो ट्रांसपोर्ट महंगा होता है।ट्रांसपोर्ट महंगा होता है तो खाद्यान्न महंगे होते हैं।गैस महँगी होती है तो उर्वरक महंगे होते हैं। उर्वरक महंगे होते हैं तो खेती की लागत बढ़ती है।जब खेती की लागत बढ़ती है,तब अंततः उसका असर देश की आम जनता पर पड़ता है।यही कारण है कि आज की यह प्रेस वार्त्ता केवल एक सरकारी ब्रीफिंग नहीं थी,बल्कि यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा,आर्थिक स्थिरता और भविष्य की रणनीति का व्यापक संकेत भी थी।किन्द्र सरकार ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि भारत स्थिति पर पूरी नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।फिर भी विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पश्चिम एशिया का तनाव लंबा खिंचता है तो भारत की चुनौतियाँ और बढ़ सकती हैं।अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत यदि 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर स्थिर रहती है तो महंगाई, आयात बिल और वित्तीय घाटे पर गंभीर दबाव पड़ सकता है।हालाँकि भारत की स्थिति कई देशों की तुलना में बेहतर मानी जा रही है।मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार,तेजी से बढ़ती रिफाइनिंग क्षमता,विविध आयात स्त्रोत और रणनीतिक भंडारण ने भारत को अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थिति में रखा है। लेकिन आने वाला समय भारत की ऊर्जा नीति और आत्मनिर्भरता की परीक्षा भी होगा।आज जब समुद्रों में तनाव है,तब भारत के सामने सबसे बड़ा प्रश्न केवल तेल खरीदने का नहीं, बल्कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का है।यह समय केवल संकट प्रबंधन का नहीं, बल्कि दूरदर्शी ऊर्जा नीति बनाने का भी है।पश्चिम एशिया का यह संकट भारत को एक बड़ा संदेश दे रहा है - ऊर्जा आत्मनिर्भरता अब विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है।आने वाले वर्षों में भारत जितनी तेजी से वैकल्पिक ऊर्जा, घरेलू उत्पादन और रणनीतिक भंडारण की दिशा में आगे बढ़ेगा,उतना ही वह वैश्विक ऊर्जा राजनीति के झटकों से स्वयं को सुरक्षित रख पाएगा।आज की अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्त्ता में यह तो स्पष्ट कर दिया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन साथ ही यह चेतावनी भी दे दी कि दुनिया की बदलती ऊर्जा राजनीति आने वाले समय में हर देश की आर्थिक और रणनीतिक दिशा तय करने वाली है।भारत इस चुनौती को अवसर में बदल पाता है या नहीं,यह तो अभी अतीत के गर्भ में है,जो आने वाले समय बताएगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

पुलिस के हत्थे चढ़ा बदमाश इंदर त्यागी, हत्या के मामले में था वांछित,

नई दिल्ली (एजेंसी) यह मुठभेड़ 17-18 अप्रैल की रात को हुई, जब पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि इंदर त्यागी भुपानी क्षेत्र में छिपा हुआ है। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की। जैसे ही पुलिस ने आरोपित को सरेंडर करने के लिए कहा, उसने पुलिस टीम पर तीन गोलियां चलाईं। हत्या और हत्या के प्रयास के मामले में कई दिनों से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी इंदर त्यागी उर्फ पंडित को अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने फरीदाबाद के थाना भुपानी क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित ने पुलिस टीम पर तीन फायर किए थे, जिसके जवाब में पुलिस की गोली लगने से वह घायल हो गया। इंदर त्यागी उर्फ पंडित, 10 अप्रैल को थाना सराय ख्वाजा के अंतर्गत मथुरा रोड पर स्थित एक होटल के सामने एक युवक की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में वांछित था। इस घटना के बाद से वह लगातार पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस कई दिनों से प्रयास कर रही थी।

भीषण गर्मी में बढ़ी एसी और कूलर की बिक्री

ग्रेटर नोएडा(एजेंसी)। रबूपुरा (संवाद) तापमान में लगातार बढ़ोतरी के साथ रबूपुरा क्षेत्र में एसी, कूलर और पंखों की मांग तेजी से बढ़ने लगी है। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग अपने बजट के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खरीद रहे हैं। बाजारों में खरीदारों की भीड़ बढ़ने से दुकानदारों के चेहरे भी खिल उठे हैं।कस्बे के मुख्य बाजार, पुराना बस अड्डा और बिजली उपकरणों की दुकानों पर कूलर, एसी और पंखों की भरमार दिखाई दे रही है। व्यापारी आने वाले दिनों में भीषण गर्मी के चलते बिक्री और बढ़ने की उम्मीद जता रहे हैं। कूलर और एसी विक्रेता नरेश गोयल ने बताया कि बाजार में दो हजार रुपये से लेकर 12 हजार रुपये तक के विभिन्न मॉडल के कूलर उपलब्ध हैं। वहीं ग्राहक भी अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से खरीदारी कर रहे हैं।

किसान संगोष्ठी व संगठन विस्तार कार्यक्रम का आयोजन

ग्रेटर नोएडा(एजेंसी)। शाहबेरी गांव में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) की ओर से किसान संगोष्ठी व संगठन विस्तार कार्यक्रम किया गया। इसमें 48 लोगों ने संगठन की सदस्यता ली। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेंद्र भाटी ने की, जबकि संचालन महेश खटाना ने किया। ग्रामीणों ने क्षेत्र की विद्युत विभाग से जुड़ी समस्याओं और मूलभूत सुविधाओं की कमी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि इन समस्याओं को संबंधित विभागों के सामने मजबूती से रखा जाएगा। जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा कि संगठन किसी भी गलत कार्य में सहयोग नहीं करेगा और किसान-मजदूरों के हितों के लिए हमेशा संघर्ष करता रहेगा। सदस्यता लेने वालों में बाबा फजर मोहम्मद, शाकिर चौधरी, फुरकान चौहान, मुस्तफा खान, पवन केसरी, साहिल चौधरी, आस मोहम्मद आदि शामिल रहे।

विधायक पंकज सिंह ने विभिन्न सेक्टरों का किया दौरा

ग्रेटर नोएडा(एजेंसी) नोएडा विधायक पंकज सिंह ने रविवार को फेज-2 के कई सेक्टरों का भ्रमण कर स्थानीय निवासियों से मुलाकात की। अमित त्यागी ने बताया कि शुरूआत सेक्टर-82 स्थित लेखिक डुप्लेक्स आरडब्ल्यूए कार्यालय से हुई, जहां आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सुखबीर सिंह और उनकी टीम ने विधायक का स्वागत किया। इस दौरान सेक्टर के विकास कार्यों और समस्याओं पर चर्चा की गई। विधायक ने सेक्टर-82 के स्वर्णिम विहार, उद्योग विहार, सेक्टर-39 स्थित सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-30, 23 और 52 का भी दौरा किया। साथ ही सेक्टर-53 में गेट नंबर-3 का उद्घाटन किया। ब्यूरो

25 लोगों की नई कमेटी संभालेगी सोसाइटी की जिम्मेदारी

ग्रेटर नोएडा(एजेंसी) सेक्टर-118 स्थित सुपरटेक रोमानो सोसाइटी में मेंटेनेंस कंपनी के अचानक हटने के बाद निवासियों ने खुद ही 25 लोगों की कमेटी बनाकर बिजली, पानी और सुरक्षा व्यवस्था संभालनी शुरू कर दी। सोसाइटी के निवासियों का कहना है कि मेंटेनेंस कंपनी के जाने के बाद रोजमर्रा की मूलभूत सेवाएं प्रभावित हो गई हैं। कई टावरों में पानी की सप्लाई बाधित रही, जिससे लोगों को पीने के पानी, बिजली और लिफ्ट की परेशानी उठानी पड़ रही थी। इस समस्या को लेकर रविवार को सोसाइटी में बैठक की गई। बैठक के बाद 25 लोगों की कमेटी बनाई गई है,वहां कमेटी एजेंसी नहीं आने तक सोसाइटी की जिम्मेदारी संभालेगी। ब्यूरो

गर्मी बढ़ी तो यमुना सिटी में बढ़ने लगी बिजली कटौती

ग्रेटर नोएडा(एजेंसी)यमुना सिटी (संवाद)। तापमान बढ़ने के साथ ही बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या से लोग फिर परेशान होने लगे हैं। यमुना सिटी के दनकौर, रबूपुरा, जेवर और बिलासपुर क्षेत्र में लगातार लोगों को बिजली कटौती की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण इन क्षेत्रों में हर दिन 6 घंटे की कटौती का शेड्यूल है। दिन में दो बाद कटौती करके इसे पूरा किया जाता है। लेकिन गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली कटौती का समय भी बढ़ गया है। अब दिन में सात से आठ घंटे की कटौती हो रही है।

महिला को शरण देने पड़ा भारी, दंपती को किया लहूलुहान

ग्रेटर नोएडा(एजेंसी) यमुना सिटी। जेवर थाना क्षेत्र की आरएंडआर कॉलोनी में पड़ोस में रहने वाली महिला और उनके बच्चों को शरण देना दंपती को भारी पड़ गया। शरण देने से नाराज महिला के पति और ससुराल के अन्य लोगों ने दंपती के साथ जमकर मारपीट की और लहूलुहान कर दिया, जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।श्रवण ने बताया कि पत्नी चंचल के साथ वह किराए के कमरे में रहते हैं। 13 मई की रात को कमलेश अपने बच्चों के साथ उनके घर आई और रात में रुकने की बात कही। इसके बाद उन्होंने कमलेश के देवर को फोन किया, लेकिन उसने महिला और बच्चों से उसके परिवार को मतलब नहीं होने की बात कही।14 मई को कमलेश अपने बच्चों को लेकर चली गई। इसके बाद 15 मई की रात उसका पति लोकेश, अजीत, अमित व राजेश के साथ आया और लाठी-डंडे से हमला कर दिया।हमले में श्रवण के सिर में काफी चोट आई है।

सीएम रेखा गुप्ता ने शुरू किया मेट्रो मंडे ईंधन बचाने की पीएम की अपील पर मेट्रो से किया सफर

नई दिल्ली (एजेंसी) सीएम रेखा गुप्ता ने शुरू किया मेट्रो मंडे ईंधन बचाने की पीएम की अपील पर मेट्रो से किया सफरदिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'मैं सभी नागरिकों से अपील करती हूं कि वे ज्यादा से ज्यादा सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। इससे न सिर्फ देश के ईंधन संसाधनों की बचत होगी बल्कि यह हमारे शहर दिल्ली के लिए भी बेहद जरूरी है।'पश्चिम एशिया संकट के बीच ईंधन बचाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली मेट्रो से सफर किया। मंत्री प्रवेश वर्मा और रविंद्र इंद्राज भी उनके साथ मौजूद थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मेट्रो मंडे शुरू किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने सुरक्षा घेरे को सीमित रखते हुए कश्मीरी गेट स्टेशन से मेट्रो में सवार होकर आईटीओ मेट्रो स्टेशन पहुंचीं। आईटीओ से उन्होंने दिल्ली सचिवालय स्थित अपने कार्यालय तक पहुंचने के लिए फीडर बस ली।'दिल्ली के लिए इसके सचमुच शानदार नतीजे सामने आएंगे'दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'मैं सभी नागरिकों से अपील करती हूं कि वे ज्यादा से ज्यादा सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। इससे न सिर्फ देश के ईंधन संसाधनों की बचत होगी बल्कि यह हमारे शहर दिल्ली के लिए भी बेहद जरूरी है। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक जाम की समस्याओं को देखते हुए, अगर हम सभी- भले ही छोटे पैमाने पर ही सही- अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में मेट्रो, सार्वजनिक परिवहन और बसों को शामिल करना शुरू कर दें, तो यह हम सभी के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। हम 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं; अगर हर व्यक्ति इस कोशिश में थोड़ा सा भी योगदान दे, तो दिल्ली शहर के लिए इसके सचमुच शानदार नतीजे सामने आएंगे।'वहीं, मुख्यमंत्री के आह्वान पर आज दिल्ली सरकार के मंत्री, अधिकारियों ने मेट्रो एवं सार्वजनिक परिवहन का उपयोग किया और अपने अपने कार्यालय पहुंचे। हम सभी को मिलकर लड़ाई लड़नी हैः मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसादिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा नेसार्वजनिक परिवहन और ईंधन संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद मेरा भारत, मेरा योगदान औ मेट्रो मंडेअभियान पर कहा, ₹मैं राजौरी गार्डन से यहां मेट्रो से आया हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने जनता से आह्वान और मुख्यमंत्री ने सभी से मेट्रो मंडे के नाम का आग्रह किया था। हम सभी को मिलकर लड़ाई लड़नी है। हम सभी को मिलकर इस पहल पर काम करना चाहिए।'मैं दो दिन वर्क फ्रॉम होम करूंगाः मंत्री आशीष सूददिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने देश की ऊर्जा संरक्षण का आह्वान किया है। इसे सफल बनाना हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। दिल्ली सरकार ने आज के दिन दिल्ली के लोगों से सार्वजनिक वाहन इस्तेमाल करने की अपील की है।

अवैध स्विमिंग पूल बने मौत का कुआं: 100 से 300 रुपये प्रति घंटा शुल्क, सुरक्षा जीरो

नई दिल्ली (एजेंसी) ध स्विमिंग पूल बने मौत का कुआं: 100 से 300 रुपये प्रति घंटा शुल्क, सुरक्षा जीरो; मासूम की मौत ने उठाए सवाल संस्कार के पिता नीरज वर्मा का कहना है कि यदि पूल पर सुरक्षा गार्ड या प्रशिक्षित कर्मचारी मौजूद होते तो शायद उनका बेटा आज जीवित होता। उन्होंने सवाल उठाया कि उनका बेटा गहरे पानी में कब पहुंचा, इसकी जानकारी किसी को क्यों नहीं हुई? वजीराबाद के जगतपुर गांव में अवैध रूप से संचालित स्विमिंग पूलों की लापरवाही एक बार फिर सवालों के घेरे में है। यहां 100 से 300 रुपये प्रति घंटा शुल्क लेकर कई स्विमिंग पूल चलाए जा रहे हैं। पर, इनमें न प्रशिक्षित इंस्ट्रक्टर हैं, न लाइफगार्ड है, न लाइफ जैकेट और न ही पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम हैं। 10 वर्षीय संस्कार वर्मा की मौत के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों ने प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। संस्कार के पिता नीरज वर्मा का कहना है कि यदि पूल पर सुरक्षा गार्ड या प्रशिक्षित कर्मचारी मौजूद होते तो शायद उनका बेटा आज जीवित होता। उन्होंने सवाल उठाया कि उनका बेटा गहरे पानी में कब पहुंचा, इसकी जानकारी किसी को क्यों नहीं हुई? हादसे की सूचना मिलने के बाद जब संस्कार के परिजन और स्थानीय लोग मिलन विहार स्थित पूल पहुंचे, तो कथित तौर पर वहां मौजूद प्रभावशाली लोगों ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। परिवार ने कहा-जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो संस्कार के पिता नीरज वर्मा ने बताया कि वह दोस्तों के बच्चों के साथ स्विमिंग के लिए गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना सुरक्षा मानकों के अवैध तरीके से स्विमिंग पूल संचालित किए जा रहे हैं, जिससे बच्चों की जान खतरे में पड़ रही है। परिवार ने निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

लू की तपिश से दो दिन झुलसेगी दिल्ली, सहना पड़ेगा 45 डिग्री टॉर्चर,

नई दिल्ली (एजेंसी) मौसम विभाग के एक वैज्ञानिक ने बताया कि इस अवधि में लगातार तेज और गर्म हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति सामान्य तौर पर 10 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। राजधानी में गर्मी की तपिश के बीच अब लू का सितम भी राजधानीवासियों को झेलना पड़ेगा। मौसम विभाग ने 18 से 23 मई के बीच मौसम गर्म और शुष्क रहने के आसार जताने के साथ ही अधिकतम तापमान के 42 से 45 डिग्री सेल्सियस पहुंचने का अनुमान जताया है। 19 और 20 मई के लिए लू का यलो अलर्ट भी जारी कर दिया है। आज दिन में सूरज की तपिश करेगी बेहाल, दोपहर बाद गिर सकती हैं राहत की बूंदें; फिर बढ़ेगा पाराकैसे रहेगा आज का मौसम?: दिल्ली में सुबह गरज-चमक के साथ बारिश के आसार, चलेंगी 50 डट प्रति घंटे की गति से वाएंदिल्ली-एनसीआर इंतजार के बाद भी नहीं बरसे बदरा, वीकेंड तक सहना होगा 42 डिग्री का टॉर्चर मौसम विभाग के एक वैज्ञानिक ने बताया कि इस अवधि में लगातार तेज और गर्म हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति सामान्य तौर पर 10 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। मौसम शुष्क बने रहने के चलते लगातार तापमान में इजाफा होगा और लोगों को सूरज की तेज तपिश महसूस होगी। लू के रूप में चलने वाली गर्म हवाएं सड़क पर चलने वाले राहगीरों की परेशानी बढ़ाएंगी। रविवार को अधिकतम तापमान 41.9 और न्यूनतम तापमान 25.9 डिग्री दर्ज हुआ। बीते दो दिन से पारा 40 के ऊपर बना हुआ है।

भारत मंडपम में आज से सम्मेलन का आगाज, देशभर के 150 व्यापारी नेता लेंगे भाग

नई दिल्ली (एजेंसी) सम्मेलन में घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने, रसद लागत कम करने और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा।
देशभर के प्रमुख व्यापारिक नेता दो दिवसीय राष्ट्रीय व्यापारिक सम्मेलन के लिए सोमवार से भारत मंडपम में एकत्र होंगे। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में घोषित सात रणनीतिक आर्थिक कदमों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इस सम्मेलन का आयोजन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की तरफ से किया जा रहा है। इसमें लगभग 150 प्रमुख व्यापारी नेता भाग लेंगे, जो विभिन्न राज्यों और व्यापारिक संगठनों का प्रतिनिधित्व करेंगे। सम्मेलन में घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने, रसद लागत कम करने और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा। सात ही, निर्यात वृद्धि, डिजिटल व्यापार प्रणाली को प्रोत्साहन देने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। चांदनी चौक से सांसद और कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य व्यापार, उद्योग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करना है, जिससे आत्मनिर्भर और मजबूत भारतीय अर्थव्यवस्था का निर्माण हो सके। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा भारतीय व्यापार महोत्सव की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ होगा। यह पहल स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और उन्हें वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। सम्मेलन में यह भी विचार किया जाएगा कि भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और व्यापार केंद्र के रूप में कैसे और मजबूत बनाया जाए, ताकि अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बीच देश की आर्थिक स्थिति और सुदृढ़ हो सके।

राजधानी की आबोहवा और सेहत पर 10 नए डिजिटल पहरेदार रखेंगे नजर, मौसम का मिजाज भी चलेगा पता

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति राजधानी में 10 नए वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन (सीएएक्यूएमएस) स्थापित करने जा रही है। हाईटेक स्टेशन दिल्ली के उन इलाकों में लगाए जाएंगे, जहां प्रदूषण का स्तर अकसर खतरनाक रहता है। राजधानी के लोगों को अपने क्षेत्र की हवा का हाल जानने के लिए मोबाइल एप पर निर्भर नहीं रहना होगा। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति राजधानी में 10 नए वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन (सीएएक्यूएमएस) स्थापित करने जा रही है।
हाईटेक स्टेशन दिल्ली के उन इलाकों में लगाए जाएंगे, जहां प्रदूषण का स्तर अकसर खतरनाक रहता है। डीपीसीसी ने प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। जून के पहले हफ्ते से इसकी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नए स्टेशन में कोई साधारण मशीनें नहीं होंगी। यह हवा में मौजूद धूल के बारीक कणों (पीएम2.5 और पीएम10) के साथ-साथ सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, अमोनिया, कार्बन मोनोऑक्साइड और ओजोन जैसी खतरनाक गैसों की भी निगरानी करेंगे। इतना ही नहीं, कैंसर कारक माने जाने वाले बेंजीन, टोल्यूनि और जाइलीन जैसे रसायनों पर भी ये स्टेशन नजर रखेंगे। प्रदूषण के साथ-साथ ये डिजिटल पहरेदार मौसम का मिजाज भी बताएंगे। हवा किस दिशा में बह रही है, उसकी रफ्तार क्या है, तापमान, नमी और बारिश की स्थिति क्या है, इन सबका डाटा हर 15 मिनट में अपडेट होगा। यह डाटा सीधे केंद्रीय सर्वर को भेजा जाएगा, जिससे प्रदूषण के स्रोतों का सटीक पता लगाया जा सकेगा। प्रोजेक्ट की शर्तों के मुताबिक जो कंपनी यह स्टेशन लगाएगी, उसे ही अगले 10 वर्षों तक इनका संचालन और रखरखाव करना होगा।
इससे ये सुनिश्चित होगा कि करोड़ों रुपये की ये मशीनें सरकारी लापरवाही की भेंट चढ़कर कबाड़ नहीं बनेंगी। आम लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए हर एक स्टेशन के पास बड़े डे एंड नाइट विजिबल डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। इससे दिल्ली के आम नागरिक को पता होगा कि उसे कब बाहर निकलना सुरक्षित है और कब सावधानी बरतनी है। सरकार ने इस प्रोजेक्ट में केवल उन्हीं कंपनियों को मौका देने का फैसला किया है, जिन्हें कम से कम 5 ऐसे स्टेशन चलाने का अनुभव हो।

वार्ड समितियों के चुनाव अब 3 जून को होंगे, नगर निगम सचिव कार्यालय ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली (एजेंसी) नगर निगम सचिव कार्यालय की संशोधित अधिसूचना के अनुसार वार्ड समितियों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और स्थायी समिति सदस्य के चुनाव के लिए बैठकें 3 जून को आयोजित की जाएंगी।एमसीडी की वार्ड समितियों के चुनाव अब 23 मई के बजाय 3 जून को होंगे। नगर निगम सचिव कार्यालय की संशोधित अधिसूचना के अनुसार वार्ड समितियों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और स्थायी समिति सदस्य के चुनाव के लिए बैठकें 3 जून को आयोजित की जाएंगी।नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि भी 19 मई से बढ़ाकर 29 मई कर दी गई है। बैठकें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर स्थित हंसराज गुप्ता सभागार और सत्यनारायण सभागार में होंगी। इससे पहले 12 मई को जारी अधिसूचना में चुनाव कार्यक्रम घोषित किया गया था, जिसमें अब बदलाव किया गया है।सियासी हलचल बढ़ीचुनाव कार्यक्रम में बदलाव के बाद भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। वार्ड समितियों और स्थायी समिति में प्रतिनिधित्व को लेकर बैठकों और रणनीति बनाने का दौर शुरू हो गया है। भाजपा पार्षदों के नाम तय करने में जुटी है, जबकि आप चुनाव में भाजपा को चुनौती देने की तैयारी कर रही है। पांच वार्ड समितियों में आप को बहुमत प्राप्त है और वह पिछले वर्ष की तरह भाजपा के प्रभाव वाले सात समितियों में भी मुकाबले की रणनीति बना रही है।

फिल्मी स्टाइल में चकमा देकर पुलिस हिरासत से बंदी फरार

नई दिल्ली (एजेंसी) पुलिसकर्मी उसे अदालत में पेश करने के बाद वापस ले जा रहे थे। बस में चढ़ने के दौरान आरोपी ने पुलिस कर्मियों को धक्का दिया और हथकड़ी समेत सड़क की दूसरी ओर खड़ी बोनो कार में बैठ गया। हिमाचल प्रदेश से बहादुरगढ़ की अदालत में पेशी के लिए लाया गया एक बदमाश टिकरी बॉर्डर के पास पुलिसकर्मियों को चकमा देकर कार से भाग गया। उसकी पहचान अजय के रूप में हुई है। पुलिसकर्मी उसे अदालत में पेश करने के बाद वापस ले जा रहे थे। बस में चढ़ने के दौरान आरोपी ने पुलिस कर्मियों को धक्का दिया और हथकड़ी समेत सड़क की दूसरी ओर खड़ी बलेनो कार में बैठ गया।पुलिसकर्मियों ने टिकरी बॉर्डर से बहादुरगढ़ तक पीछा कर कार की तलाश की, लेकिन कुछ ही देर में कार आंख से ओझल हो गई। पुलिसकर्मियों की शिकायत पर मुंडका थाना पुलिस ने हिरासत से भागने का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक हेमराज हिमाचल प्रदेश पुलिस में बतौर हवलदार कार्यरत हैं। उनकी तैनाती बिलासपुर पुलिस लाइन में है। अजय फिलहाल सदर बिलासपुर में हत्या के प्रयास के मामले में न्यायिक हिरासत में था। पेशी खत्म होने के बाद दोनों आरोपी को लेकर लौट रहे थे। शाम 5.15 बजे वह टिकरी बॉर्डर मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली जाने वाली बस का इंतजार करने लगे। उन्होंने आरोपी के हाथ में हथकड़ी लगा रखी थी। इसी दौरान दिल्ली जाने वाली एक बस आकर रुकी।

अप्रैल की बरसात भी कम न कर सकी प्रदूषण, दिल्ली में और मैली हुई यमुना; मल-मूत्र से फैली गंदगी

नई दिल्ली (एजेंसी)अप्रैल की बरसात भी कम न कर सकी प्रदूषण, दिल्ली में और मैली हुई यमुना; मल-मूत्र से फैली गंदगी अप्रैल में रिकॉर्ड बारिश के बावजूद यमुना में प्रदूषण कम नहींहुआ। यह खुलासा दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। 7 अप्रैल को लिए गए नमूनों में अधिकांश हिस्सों में पानी अत्यंत प्रदूषित पाया गया है। तमाम दावों के बावजूद दिल्ली में यमुना स्वच्छ होने के बजाय और मैली हुई है। अप्रैल में रिकॉर्ड बारिश के बावजूद प्रदूषण कम नहीं हुआ। यह खुलासा दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। 7 अप्रैल को लिए गए नमूनों में अधिकांश हिस्सों में पानी अत्यंत प्रदूषित पाया गया है। कई स्थानों पर जलीय जीवन के लिए स्थिति अनुकूल तक नहीं पाई गई है। हाल के वर्षों में दिल्ली में अप्रैल का महीना सबसे अधिक बारिश वाला रहा है, लेकिन इस ज्यादा बारिश से यमुना को साफ करने में ज्यादा मदद नहीं मिली है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की ताजा रिपोर्ट से पता चलता है कि यमुना और मैली हुई है। 7 अप्रैल को लिए गए जल नमूनों के आधार पर जारी रिपोर्ट में नदी के अधिकांश हिस्सों में पानी अत्यंत प्रदूषित पाया गया है। कई स्थानों पर जलीय जीवन के लिए स्थिति अनुकूल तक नहीं पायी गई है। प्रत्येक माह यमुना की जल गुणवत्ता की रिपोर्ट डीपीसीसी जारी करता है। इसके लिए पल्ला, वजीराबाद, आईएसबीटी ब्रिज, आईटीओ ब्रिज, निजामुद्दीन ब्रिज, हिंडन कट, ओखला बैराज और असगरपुर आठ स्थानों से नदी के जल के नमूने लेकर जांच की जाती है। बीओडी, घुलित आक्सीजन (डीओ), रासायनिक आक्सीजन मांग (सीओडी), पीएच और फीकल कोलीफॉर्म जैसे मानकों की जांच कर प्रदूषण स्तर का आकलन किया जाता है। अप्रैल की रिपोर्ट में इनमें से पांच स्थानों पर फीकल कोलीफॉर्म के स्तर में मामूली सुधार दर्ज किया गया लेकिन सभी स्थानों पर यह स्तर निर्धारित सीमा से अधिक है। पानी में फीकल कोलीफार्म का स्तर प्रति 100 मिलीलीटर अधिकतम 500 सर्वाधिक संभावित संख्या (एमपीएन) होना चाहिए। इसका स्तर 2,500 एमपीएन से अधिक होने पर पानी उपयोग योग्य नहीं रह जाता। रिपोर्ट के अनुसार, पल्ला और वजीराबाद क्षेत्रों को छोड़कर यमुना के लगभग सभी प्रमुख स्थानों पर घुलित ऑक्सीजन (डीओ) का स्तर शून्य पाया गया है। इसका मतलब है कि इन इलाकों में मछलियों और अन्य जलीय जीवों के जीवित रहने की संभावना नहीं है।
वहीं, जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) और रासायनिक ऑक्सीजन मांग (सीओडी) भी मानकों से कई गुना अधिक दर्ज की गई है, जो अत्यधिक प्रदूषण की पुष्टि करता है। असगरपुर क्षेत्र में प्रदूषण का स्तर सबसे अधिक आईटीओ ब्रिज, आईएसबीटी ब्रिज, निजामुद्दीन ब्रिज, ओखला बैराज और अन्य डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा बेहद अधिक पाई गई, जो सीधे तौर पर सीवेज के बिना उपचारित पानी के नदी में मिलने को दशार्ता है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

155 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने दिल्ली-गोवा में मारे छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने 155 करोड़ रुपए के बैंक धोखाधड़ी मामले में सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। एजेंसी ने इस मामले को लेकर दिल्ली और गोवा में सात अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। इस मामले में ईडी ने आप नेता दीपक सिंगला के ठिकानों पर भी रेड मारी। ये पूरा मामला महेश टिम्बर प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दर्ज वित्तीय गड़बड़ी से जुड़ा है। जांच एजेंसी के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक ये छापेमारी मुख्य रूप से दीपक सिंगला, महेश सिंगला, अमरीक गिल और कुछ अन्य संदिग्धों से जुड़े परिसरों और ठिकानों पर की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी की टीमें सुबह-सुबह ही सभी संदिग्धों के घरों और व्यावसायिक ठिकानों पर पहुंच गईं। जांच में कई अहम दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड्स को खंगाला जा रहा है, ताकि 155 करोड़ रुपए के इस बैंक घोटाले की कड़ियों को आपस में जोड़ा जा सके। दीपक सिंगला का नाम आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं में शुमार है। बताया जा रहा है कि इन संदिग्धों के तार पंजाब सरकार के गिरफ्तार मंत्री संजीव अरोड़ा से भी जुड़े हुए हैं। संजीव अरोड़ा को पहले ही भ्रष्टाचार और वित्तीय गड़बड़ियों के एक मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। अब इस नए बैंक धोखाधड़ी मामले में भी संजीव अरोड़ा, उनके करीबियों और पार्टी सहयोगियों का नाम आने से आम आदमी पार्टी की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

वडोदरा-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट में 25 मिनट तक नहीं बिजली गुल, उमस और अंधेरे से यात्री परेशान, कई की तबीयत बिगडने लगी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा शहर से दिल्ली जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6ई-657 में रविवार रात अचानक बिजली गुल हो जाने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विमान में करीब 25 मिनट तक अंधेरा और उमस भरा माहौल बना रहा, जिससे यात्री बेहाल हो गए। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे एक यात्री ने अपने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड किया था। जानकारी के अनुसार, फ्लाइट रविवार रात वडोदरा एयरपोर्ट से दिल्ली रवाना होने की तैयारी में थी। इसी दौरान रात करीब 8:50 बजे विमान की बिजली अचानक बंद हो गई। एयर कंडीशनिंग और केबिन लाइट्स बंद होते ही विमान के भीतर गर्मी और घुटन बढ़ने लगी। अंधेरे के कारण यात्रियों में घबराहट फैल गई और कुछ लोगों की तबीयत भी बिगड़ने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कई यात्री सीटों से उठकर क्रू मेंबर्स से जानकारी लेने लगे। हालांकि एयरलाइन स्टाफ ने यात्रियों को शांत रखने की कोशिश की। करीब 25 मिनट बाद बिजली आपूर्ति दोबारा बहाल हुई, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो सकी। एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना था, कि विमान के ग्राउंड पावर यूनिट (जीपीयू) में तकनीकी खराबी आने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई। तकनीकी टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर खराबी को दूर किया और आवश्यक जांच के बाद बिजली आपूर्ति पुनः शुरू की गई। इस घटना के बाद यात्रियों ने एयरलाइन प्रबंधन की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

सीएम शुभेंदु अधिकारी के निजी सचिव की हत्या का आरोपी गिरफ्तार, मुजफ्फरनगर से पकड़ा

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी सफलता हासिल की है। सीबीआई ने हरिद्वार से लौटते समय बलिया के शार्प शूटर राजकुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। छपार क्षेत्र में टोल प्लाजा के निकट से उसे पकड़ा गया। ट्रांजिट रिमांड के लिए सीबीआई सीजेएम कोर्ट पहुंच गई है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में हमलावरों ने गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी थी। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। सीबीआई की जांच में बलिया के रातोपुर निवासी राजकुमार सिंह का नाम सामने आया था। राजकुमार अपने परिवार के साथ सोमवार तड़के हरिद्वार से वापस लौट रहा था। सीबीआई की टीम ने पहले से ही मुजफ्फरनगर स्थित टोल प्लाजा पर डेरा डाल रखा था। इसके बाद छपार पुलिस के सहयोग से आरोपी राजकुमार को दबोच लिया गया। काफी देर तक आरोपी से पूछताछ की गई, जिससे घटना के तार जुड़ते हुए नजर आ रहे हैं। सीबीआई के सीओ राजेश कुमार आरोपी के रिमांड के लिए कोर्ट पहुंचे है। पश्चिम बंगाल में हुए इस चर्चित हत्याकांड ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। जांच एजेंसी इस हत्याकांड से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित साजिशकर्ताओं का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस गिरफ्तारी से मामले में नए खुलासे होने की उम्मीद है।

पीएम मोदी के सम्मानों पर राउत का तंज: जनता को बेरोजगारी और महंगाई ही मिल रही

मुंबई (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने देश में ईंधन की किल्लत, नीट पेपर लीक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों को लेकर केंद्र सरकार पर हमलावार है। उद्धव सेना के नेता ने सीधे प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष कर कहा कि पीएम जहां भी जाते हैं, वहां का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त कर अवॉर्ड लेने की सेंचुरी पूरी कर रहे हैं। नीदरलैंड या नॉर्वे जैसे किसी भी देश में उन्हें सम्मान मिल जाता है। लेकिन देशवासियों को क्या मिल रहा है? राउत के अनुसार, जनता को बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और बदहाल कानून-व्यवस्था का अवॉर्ड मिल रहा है।

भाजपा पर तंज कसते हुए शिवसेना यूबीटी के नेता राउत ने पूछा कि इन सम्मानों का आखिर जनता के लिए क्या औचित्य है। उन्होंने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी जगत भ्रमण कर रहे हैं और कई देशों की यात्रा पर निकले हैं, वहीं दूसरी तरफ जनता से घर से बैठकर काम करने को कहा जा रहा है। राउत ने सवाल किया कि आखिर प्रधानमंत्री मोदी कितनी बार जगत भ्रमण करना चाहते हैं।

राउत ने नीट पेपर लीक मामले में भी भाजपा सरकार की घेराबंदी कर कहा कि एनटीए या आईआईटी जैसी सभी संस्थाएं भाजपा के कब्जे में हैं, इसके बाद पेपर लीक की जिम्मेदारी कौन लेगा? उन्होंने सीधे तौर पर शिक्षा मंत्री को इसकी जिम्मेदारी लेने की मांग की, क्योंकि उनके अनुसार, सभी लोग भाजपा से ही जुड़े हैं।

वहीं ईंधन संकट को लेकर राउत ने आरोप लगाया कि चुनाव तक देश में कोई समस्या नहीं थी, लेकिन जैसे ही चुनाव खत्म हुए, ईंधन की किल्लत सामने आ गई है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी और उन्होंने पहले ही ऐसी स्थिति की भविष्यवाणी कर दी थी। पीएम मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाकर राउत ने कहा, मोदी कहां हैं? वह 7 देशों की यात्रा पर हैं और भाजपा उनके नीदरलैंड में हुए स्वागत का जश्न मना रही है, जबकि उन्हें देश के भीतर की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए।

मोदी सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाकर राउत ने पूछा कि प्रधानमंत्री ईरान युद्ध पर बात क्यों नहीं कर रहे हैं और रूस से तेल खरीदने में क्या दिक्कत है? उन्होंने कटाक्ष कर पूछा कि क्या भारत ट्रंप-निर्भर हो गया है और क्या ट्रंप ने भारत को इसके लिए मना किया है? राउत ने कहा कि यह सरकार अचानक संकट में होने का दावा कर रही है, जिसकी भविष्यवाणी विपक्ष ने पहले ही कर दी थी।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश मे तेल, गैस की कोई कमी नहीं : हरदीप पुरी

वाराणसी (एजेंसी)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश में

पीएनजी, एलपीजी और पेट्रोल डीजल की कमी नही होने दी गयी है। केन्द्रीय मंत्री पुरी ने यहां सर्किट हाउस में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, आधारभूत सुविधाओं तथा ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित कार्यों पर विशेष चर्चा हुई। पुरी ने बताया कि विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के लिए 120 पृष्ठों की एक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट तैयार की गई है। उन्होंने पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि लगभग 80 दिनों से यह स्थिति बनी हुई है। इससे पहले रूस-यूक्रेन युद्ध भी हुआ। इन वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत में कच्चे तेल, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और एलपीजी की कोई कमी नहीं होने दी गई है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने कहा कि पिछले चार वर्षों में सरकार ने कीमतें बढ़ाने के बजाय घटाने का प्रयास किया है। तेल विपणन कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन उपभोक्ताओं पर इसका बोझ नहीं डाला गया। उन्होंने बताया कि यहां एलपीजी कनेक्शनों को तेजी से पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शनों में बदला जा रहा है। देशभर में प्रतिदिन 50 हजार पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि एक ऐसा देश है जहां हम दाम कम करते रहे और फिर भी एलपीजी की कोई कमी नहीं होने दी। जहां कहीं भी थोड़ी सी भी ब्लैक मार्केटिंग की कोशिश हुई, वहां हमने डिस्ट्रीब्यूटरशिप रद्द कर दी।

शराब घोटाला मामले की सुनवाई अब जज स्वर्ण कांता नहीं जस्टिस मनोज जैन करेंगे

-मंगलवार को सुनवाई शुरू होगी, अवमानना मामले की भी शुरुआत होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित शराब घोटाले मामला जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के बाद अब नई बेंच को ट्रांसफर किया जा चुका है। इस मामले की सुनवाई अब जस्टिस मनोज जैन करेंगे। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत छह आप नेताओं के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के बाद जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने खुद को इस मामले से अलग कर लिया था। वहीं, अवमानना केस की सुनवाई जस्टिस नवीन चावला और रविंद्र जस्टिस रविंदर दुडेजा की खंडपीठ करेगी। दोनों ही मामलों की सुनवाई मंगलवार को होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के अलावा दुर्गेश पाठक और विनय मिश्रा के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया था। इसके साथ ही उन्होंने नियमों का हवाला देते हुए मामले को किसी और बेंच को ट्रांसफर किए जाने का ऐलान किया था। अब इस मामले को जस्टिस मनोज जैन की कोर्ट में ट्रांसफर किया गया है।

एक तरफ जहां मंगलवार को शराब घोटाले मामले की सुनवाई शुरू होगी तो दूसरी तरफ अवमानना मामले की भी शुरुआत होगी। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रविंदर दुडेजा की बेंच के सामने इस मामले को सूचीबद्ध किया गया है। कोर्ट केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के छह नेताओं के खिलाफ इस मामले की सुनवाई करेगी। इसके अलावा वे लोग भी दायरे में आ सकते हैं जिन्होंने यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो अपलोड किए थे जिनमें जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा पर अपमानजनक टिप्पणियां की गईं थीं।

इस मामले को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत में सूचीबद्ध किया गया तो केजरीवाल ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर इस मामले को दूसरी बेंच के सामने ट्रांसफर करने की मांग की थी, लेकिन जब उन्होंने इससे इनकार कर दिया तो केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के सामने रिक्यूजल याचिका दायर करके मांग की कि वह खुद को इस मामले से अलग कर लें। केजरीवाल ने आशंका जाहिर की थी कि उन्हें जस्टिस शर्मा की अदालत में न्याय नहीं मिल सकता है। केजरीवाल ने उन पर हितों के टकराव और आरएसएस से जुड़े संगठन के कार्यक्रम में शामिल होने का आरोप लगाया था।

6 माह में गिर जाएगी थलापति की सरकार, स्टालिन के हाथों में ही राज्य की कमान

डीएमके की विधायक ने किया चौंकाने वाला दावा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में सियासी माहौल गर्माया हुआ है। तिरुचेंदुर से विधायक अनीता राधाकृष्णन ने एक बड़ा दावा कर कहा है कि मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की अगुवाई वाली टीवीके (तामिलागा वेत्री कझगम) सरकार आगामी छह महीनों में गिर जाएगी। डीएमके विधायक के अनुसार, राज्य में द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) के नेता एमके स्टालिन मुख्यमंत्री पद पर वापसी करने वाले है। राधाकृष्णन ने कहा, थलाईवर (नेता) अगले मुख्यमंत्री हैं। चार या छह महीने बाद हमारे नेता मुख्यमंत्री बनने वाले है। इस दावे पर टीवीके की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, जिसने हाल ही में दक्षिणी राज्य की सत्ता संभाली है।

डीएमके विधायक राधाकृष्णन ने केवल भविष्यवाणी ही नहीं की, बल्कि टीवीके के विधायक आधव अर्जुन को खुली चुनौती भी दी है। उन्होंने अर्जुन से कहा, यह टीवीके सरकार सिर्फ चार और महीने टिक पाएगी। अगर आप में हिम्मत है, तब अपने विधायक पद से इस्तीफा दें। मैं भी ऐसा ही करूंगा। फिर तिरुचेंदुर में मुकाबला करते हैं। यह हमारा शहर है, हम किसी को भी हरा सकते हैं। गौरतलब है कि तिरुचेंदुर पिछले 25 सालों से राधाकृष्णन का गढ़ रहा है, जहां उन्होंने पहली बार 2001 में जीत हासिल की थी।

एक ओर जहां राज्य में सत्ता को लेकर दावे-प्रतिदावे चल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मुख्य विपक्षी दल डीएमके अपनी हालिया विधानसभा चुनाव की करारी हार के कारणों का विश्लेषण करने में जुटा गई है। डीएमके पार्टी ने इस अप्रत्याशित हार के बाद 36 सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसे हार के कारणों का आत्मनिरीक्षण और निष्पक्ष विश्लेषण करने का काम सौंपा गया है। पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने समिति से हार की वजहों पर एक स्पष्ट और विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

स्टालिन ने समिति के सदस्यों को संबोधित कर स्पष्ट किया कि यह कवायद केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पार्टी की चुनावी गिरावट के मूल कारणों को समझने का एक गंभीर प्रयास है। उन्होंने इस प्रक्रिया की तुलना मेडिकल डायग्नोसिस से करते हुए कहा कि जैसे प्रभावी इलाज के लिए डॉक्टर को मरीज की बीमारी की सटीक जानकारी चाहिए, वैसे ही पार्टी नेतृत्व को सुधारात्मक कदम उठाने के लिए जमीनी हकीकत की पूरी जानकारी चाहिए। पैनल को तमिलनाडु के सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक जमीनी अध्ययन करने और कार्यकर्ताओं व लोकल पदाधिकारियों से सीधा फीडबैक लेने का निर्देश दिया गया है। समिति को 5 जून तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने की समय सीमा दी गई है। खुद अपनी पारंपरिक सीट कोलाथुर से हार का सामना करने वाले स्टालिन ने कहा कि यह समीक्षा आंतरिक राजनीति, पक्षपात या दोषारोपण से मुक्त होनी चाहिए। उन्होंने सदस्यों से कहा, आपका कर्तव्य न तो किसी को बचाना है और न ही किसी को निशाना बनाना है।

केरल के नए सीएम शपथ ग्रहण में शशि थरूर क्यों नहीं पहुंचे, सामने आई असली वजह

नई दिल्ली। केरल में कांग्रेसी मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने अपने 20 मंत्रियों के साथ पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस महत्वपूर्ण मौके पर जहां राहुल गांधी सहित कांग्रेस के कई दिग्गज नेता मौजूद थे, वहीं तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर अनुपस्थित रहे। उनकी अनुपस्थिति ने हालांकि कांग्रेस के भीतर अंदरूनी अनबन की चर्चाओं को हवा दी थी, क्योंकि संगठन में असहमति को लेकर उनका नाम पहले भी सामने आता रहा है। हालांकि, शशि थरूर ने अपनी अनुपस्थिति की वजह खुद बता दी थी। उन्होंने 15 मई को ही जानकारी दी थी कि बॉस्टन में टफ्स यूनिवर्सिटी के फ्लेचर स्कूल ऑफ लॉ ऐंड डिप्लोमैसी में मुख्य वक्ता के तौर पर आमंत्रित करने और अपने ग्रेजुएशन के 50वें रीयूनियन कार्यक्रम में शामिल होने के कारण वह शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित नहीं हो पाएंगे। थरूर ने बताया था कि उन्हें अमेरिका में पुराने साथियों के साथ जश्न मनाने का मौका मिला है और वे केरल के भविष्य को लेकर भी काफी उत्साहित हैं। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने सतीशन को राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। श्री सतीशन के अलावा 20 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इस समारोह में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित थीं।

विपक्षी एकजुटता की कमी ने बिगाड़ा ममता का खेल

वोट बंटवारे से टीएमसी को भारी नुकसान

कोलकाता (एजेंसी)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों ने यह साबित कर दिया है कि विपक्षी एकजुटता के बिना चुनाव जीतना आसान नहीं है। पश्चिम बंगाल में भाजपा विरोधी वोटों के बंटवारे की वजह से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को करीब तीन दर्जन सीटों का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। चुनाव परिणामों के आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि सूबे की 294 विधानसभा सीटों में से भाजपा 207 सीटें जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है, जबकि टीएमसी के खाते में महज 80 सीटें ही आई हैं। इस चुनाव में कांग्रेस को 2 और लेफ्ट को 1 सीट पर संतोष करना पड़ा है।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, अगर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव से पहले कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया होता, तो राज्य की सियासी तस्वीर पूरी तरह अलग हो सकती थी। प्रदेश की एक दर्जन से अधिक सीटों पर कांग्रेस ने टीएमसी के खेल को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। साल 2021 के चुनाव में इनमें से 10 सीटें टीएमसी के पास थीं, लेकिन इस बार इन सीटों पर कांग्रेस को टीएमसी और भाजपा के बीच जीत-हार के अंतर से भी अधिक वोट मिले हैं। इसके अलावा, छह सीटों पर टीएमसी को नोटा की वजह से नुकसान हुआ, जहां कांग्रेस को नोटा से ज्यादा वोट प्राप्त हुए थे।

वोटों के इस बिखराव का सीधा फायदा भाजपा को मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में भी मिला। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर दिनाजपुर की कुल 43 सीटों में से 20 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। इसका मुख्य कारण यह रहा कि मुस्लिम मतदाता कांग्रेस, लेफ्ट, इंडियन सेकुलर फ्रंट और अन्य क्षेत्रीय दलों के बीच बंट गए, जबकि पिछले चुनाव में यह वोट बैंक पूरी तरह टीएमसी के पक्ष में एकजुट था। 2021 में टीएमसी ने इन 43 में से 35 सीटें जीती थीं और भाजपा को सिर्फ आठ सीटें मिली थीं।

पश्चिम बंगाल में वामदलों (लेफ्ट) के पास आज भी करीब सात फीसदी का मजबूत वोट बैंक मौजूद है। विश्लेषकों का मानना है कि कई दर्जन सीटें ऐसी हैं, जहां लेफ्ट और कांग्रेस को मिले संयुक्त वोट टीएमसी की हार के अंतर से कहीं अधिक हैं। विपक्षी नेताओं का कहना है कि अब वक्त आ गया है जब सभी क्षेत्रीय पार्टियों को जमीनी स्थिति को समझना होगा और भाजपा को हराने के लिए लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनावों में भी बेहतर तालमेल और साझेदारी के साथ उतरना होगा। मतों का यह विभाजन इससे पहले गुजरात और दिल्ली के चुनावों में भी विपक्षी दलों को भारी नुकसान पहुंचा चुका है।

240 चैंबरों पर चला बुलडोजर, वकीलों ने 'लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन' बताया

-घटना के बाद बार एसोसिएशन और वकीलों में भारी आक्रोश, आंदोलन की दी चेतावनी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रविवार को वकीलों के अवैध चैंबरों पर चला बुलडोजर बड़ा विवाद बन गया। प्रशासन की कार्रवाई में भारी पुलिस बल तैनात रहा और विरोध कर रहे वकीलों पर लाठीचार्ज किया गया। इस घटना के बाद बार एसोसिएशन और वकीलों में भारी आक्रोश देखने को मिला। वकीलों ने इसे ÷लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन÷ बताते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकोर्ट ने कुछ अवैध चैंबरों को हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद नगर निगम की टीम के

साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंचा और चैंबर तोड़ने की कार्रवाई शुरू हुई। हालांकि इस दौरान वकीलों ने विरोध भी किया, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। वकीलों का आरोप है कि हाईकोर्ट ने केवल 72 चैंबर हटाने का आदेश दिया था, लेकिन प्रशासन ने आदेश की आड़ में करीब 240 चैंबरों पर कार्रवाई कर दी। उनका कहना है कि जिन चैंबरों को चिन्हित किया गया था, उनमें कई वकीलों के चैंबर शामिल ही नहीं थे, बावजूद इसके उन्हें भी तोड़ दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक बुलडोजर कार्रवाई के दौरान कई वकीलों की तबीयत भी बिगड़ गई। कुछ वकील जमीन पर बैठकर विरोध जताते रहे तो कुछ ने कार्रवाई रोकने की मांग को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों से बहस की। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। वकीलों का कहना है कि वे पिछले करीब 30 सालों से वहीं बैठकर वकालत कर रहे हैं और अचानक इस तरह की कार्रवाई उनके रोजगार पर सीधा हमला है। वकीलों ने प्रशासन पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर उन्हें वहां से हटाया जा रहा है तो पहले उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए थी। वहीं प्रदर्शन कर रहे वकीलों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने कार्रवाई नहीं रोकी और उचित समाधान नहीं निकाला तो प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

पीएम मोदी के नाम पर ठगी मामले में सुप्रीम कोर्ट से आरोपी को जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य केंद्रीय मंत्रियों का करीबी बताकर लोगों से ठगी करने के आरोपी कासिफ को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द किया, जिसमें कासिफ की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। कासिफ मनी लॉन्ड्रिंग, धोखाधड़ी और जालसाजी जैसे गंभीर आरोपों का सामना कर रहा है। कासिफ पर आरोप है कि उसने खुद को प्रधानमंत्री मोदी और अन्य सरकारी अधिकारियों का करीबी सहयोगी बताकर लोगों से पैसे ऐंठ लिए। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने का मुख्य कारण यह बताया कि कासिफ पिछले करीब तीन सालों से जेल में है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार, कासिफ सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी और कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ अपनी मॉर्फ की गई तस्वीरें अपलोड करता था। इनका इस्तेमाल वह सरकारी विभागों में नौकरी, ठेके या अन्य सहायता दिलाने का वादा करके लोगों से पैसे ठगने के लिए करता था। ईडी ने उसके ठिकानों से 1.10 करोड़ रुपये से अधिक की रकम भी जब्त की थी, जिसे अपराध की कमाई बताया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कासिफ को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी है। अदालत ने उससे यह वादा लिया है कि वह भविष्य में किसी भी संवैधानिक या सरकारी अधिकारी के नाम का दुरुपयोग नहीं करेगा। साथ ही, चल रही कानूनी कार्यवाही में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया गया है।

सूखा, बाढ़, तबाही... क्या अल-नीनो लेकर आएगा 149 साल पहले की प्रलय?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया फिर जलवायु संकट के इसतरह के मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है, जहां इतिहास खुद को दोहरा सकता है। इस संकट पर वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि 2026 में बनने वाला संभावित ÷सुपर अल-नीनो÷ 149 साल पहले आई उस भीषण तबाही जैसी स्थिति पैदा कर सकता है, जिस तबाही ने 1877-78 में पूरी दुनिया को अकाल, सूखा, बाढ़ और महामारी की आग में झोंक दिया था। फर्क सिर्फ इतना है कि उस समय धरती अपेक्षाकृत ठंडी थी, जबकि आज दुनिया पहले से ही रिकॉर्ड गर्मी झेल रही है। इसके बाद इस बार खतरा कहीं ज्यादा बड़ा माना जा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार प्रशांत महासागर का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। समुद्र की सतह ही नहीं, बल्कि गहराई में भी गर्मी असामान्य स्तर तक पहुंच चुकी है। कई क्लाइमेट मॉडल संकेत दे रहे हैं कि 2026 का अल-नीनो 1877 वाले रिकॉर्ड को भी पार कर सकता है। इसकारण दुनियाभर की मौसम एजेंसियां लगातार निगरानी कर रही हैं।

1876 से 1878 के बीच आया सुपर अल-नीनो

इतिहास गवाह है कि 1876 से 1878 के बीच आया सुपर अल-नीनो मानव सभ्यता की सबसे भयावह प्राकृतिक आपदाओं में शुमार है। भारत, चीन, ब्राजील और अफ्रीका के बड़े हिस्सों में सूखा पड़ा। मानसून फेल हो गया, फसलें नष्ट हुई और जल संकट ने करोड़ों लोगों को भूख व बीमारी की तरफ धकेल दिया। अनुमान है कि उस दौर में दुनिया की आबादी का करीब 2 से 3 प्रतिशत खत्म हो गया था। कई अध्ययनों में मौतों का आंकड़ा 5 करोड़ तक बताया गया है।

भारत में हुई थी 3 करोड़ लोगों की मौत

भारत इस तबाही का सबसे बड़ा शिकार बना था। इतिहासकारों के अनुसार उस समय 1.2 करोड़ से लेकर करीब 3 करोड़ लोगों तक की मौत हुई थी। खेत सूख गए, पशुधन खत्म हुआ और गांवों में भुखमरी फैल गई। उत्तरी चीन में भीषण सूखा पड़ा, जबकि ब्राजील के उत्तर-पूर्वी इलाके जल संकट से तबाह हो गए। अफ्रीका में भी खाद्यान्न संकट गहराया। उस समय वैज्ञानिक यह नहीं समझ पाए थे कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में हो रही ये घटनाएं दरअसल प्रशांत महासागर में बने शक्तिशाली अल-नीनो से जुड़ी थीं।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता और उनकी टीम के मुताबिक, 1877 से पहले कई वर्षों तक प्रशांत महासागर का उष्णकटिबंधीय क्षेत्र असामान्य रूप से ठंडा रहा। इससे पश्चिमी प्रशांत में भारी मात्रा में गर्मी जमा हो गई। जब मौसम प्रणाली बदली, तब विशाल अल-नीनो विकसित हुआ। भारतीय महासागर और उत्तर अटलांटिक में तापमान का असंतुलन भी इस संकट को और घातक बनाने वाला कारक बना। अब 2026 में चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि आज की दुनिया पहले से ही ग्लोबल वार्मिंग के असर झेल रही है। ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर है और समुद्र लगातार गर्म हो रहे हैं। इसके बाद अगर सुपर अल-नीनो बनता है, तब उसके प्रभाव कई गुना ज्यादा विनाशकारी हो सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 2026 और 2027 के दौरान दुनिया को भीषण हीटवेव, सूखा, जंगलों में आग, फसलों की बर्बादी और कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी दोहरी मार झेलनी पड़ सकती है। गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों पर असर पड़ने से वैश्विक खाद्य संकट भी गहरा सकता है।

भारत कृषि प्रधान, खेती बारिश पर निर्भर

भारत के लिए खतरा सबसे ज्यादा मानसून को लेकर है। अल-नीनो के दौरान अक्सर मानसून कमजोर पड़ जाता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्यों में सूखे की आशंका बढ़ सकती है। इससे किसानों की आय, खाद्यान्न उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ेगा। महंगाई बढ़ सकती है और पानी का संकट गंभीर हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारों को अभी से जल संरक्षण, सूखा-प्रतिरोधी फसलों, बेहतर सिंचाई, बीमा कवर और आपदा प्रबंधन योजनाओं पर तेजी से काम करना होगा। 1877-78 की त्रासदी केवल इतिहास नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

लखनदेई नदी में उपलाता मिला अधेड़ का शव, शौच के दौरान पैर फिसलने से हुआ हादसा

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर के औराई में लखनदेई नदी किनारे शौच करने गए धनेश्वर राय की पैर फिसलने से डूबकर मौत हो गई सोमवार सुबह बभनगावां गांव में उनका शव नदी में उपलाता मिला पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पढें.पूरी खबर मुजफ्फरपुर जिला के औराई थाना क्षेत्र से गुजरने वाली लखनदेई नदी में सोमवार की सुबह एक अधेड़ का उपलाता हुआ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई नदी में शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर स्थानीय ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई. लोगों ने इसकी सूचना तुरंत स्थानीय थाना पुलिस को दी शौच के दौरान पैर फिसलने से नदी में डूबा शख्सशव की पहचान औराई के बभनगावां पूर्वी गांव निवासी 44 वर्षीय धनेश्वर राय के रूप में की गई है वह स्वर्गीय विलट राय का पुत्र था स्थानीय ग्रामीणों ने घटना के संबंध में बताया कि धनेश्वर राय नशे का आदी था सोमवार की सुबह वह घर से लखनदेई नदी के किनारे शौच करने के लिए निकला था इसी दौरान नदी किनारे अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया नशा और पानी गहरा होने के कारण वह खुद को संभाल नहीं सका और नदी में डूबने से उसकी मौत हो गई परिजनों में मचा कोहराम, पोस्टमार्टम के लिए भेजाइस हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे परिवार में कोहराम मच गया है वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही औराई थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला और कागजी प्रक्रिया पूरी की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच(SKMCH) भेज दिया है पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है

मजदूरी मांगने पर मजदूर की हत्या, ठेकेदार गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) गया के चाकन्द थाना क्षेत्र के पीर बिगहा गांव में मजदूर इरफान शाह की हत्या मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी सह ठेकेदार मुन्ना साह को गिरफ्तार कर लिया है आरोप है कि बकाया मजदूरी मांगने पर इरफान शाह के साथ लाठी-डंडे से मारपीट की गई थी, जिससे उसकी मौत हो गई पुलिस मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही ह(अजीत कुमार) गया जिले के चाकन्द थाना क्षेत्र के पीर बिगहा गांव में मजदूरी का बकाया पैसा मांगने गए मजदूर इरफान शाह की हत्या मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सह ठेकेदार मुन्ना साह को गिरफ्तार कर लिया है. इस गिरफ्तारी के बाद इलाके में मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है.पुलिस की लगातार छापेमारी, आरोपी गिरफ्तारसोमवार को चाकन्द एसएचओ शिवम कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी मुन्ना साह के खिलाफ चाकन्द थाना कांड संख्या 100/26 दर्ज किया गया है. पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी, जिसके बाद मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली मजदूरी मांगने पर लाठी-डंडे से वारबताया जाता है कि 12 मई को मजदूर इरफान शाह अपने बकाया मजदूरी की रकम मांगने ठेकेदार के पास गया था इसी दौरान विवाद बढ़ गया और आरोप है कि इरफान शाह के साथ लाठी-डंडे से बेरहमी से मारपीट की गइ गंभीर रूप से घायल इरफान शाह की बाद में मौत हो गई थी घटना के बाद मृतक के परिजनों में आक्रोश फैल गया था और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की जा रही थी.पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है वहीं गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

डोभी में 37 लीटर अवैध शराब बरामद, मां-बेटे गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) डोभी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अमारुत और मटन मोड़ इलाके में छापेमारी कर 37.375 लीटर अवैध शराब बरामद की है। इस दौरान मां-बेटे को गिरफ्तार किया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। (ओमकार सिन्हा) गुप्त सूचना के आधार पर डोभी पुलिस ने थाना क्षेत्र के अमारुत और मटन मोड़ इलाके में छापेमारी कर 37.375 लीटर विभिन्न ब्रांड की अवैध शराब जब्त की मौके से शराब तस्कर मां-बेटे को गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार तस्करों की पहचान थाना क्षेत्र के अमारुत निवासी शंकर कुमार और मुकीया देवी के रूप में हुई है अलग-अलग स्थानों पर रखी हुई थी शराबडोभी एसएचओ मुकेश कुमार ने बताया कि छापेमारी के दौरान उनके घर और मिल में अलग-अलग स्थानों पर रखी शराब बरामद हुई. उन्होंने यह भी कहा कि हिरासत में लिए गए दोनों आरोपियों का स्थानीय स्तर पर अवैध कारोबार में संलिप्त होना संदिग्ध था बरामद शराब में रॉयल गोल्ड व्हिस्की, किंगफिशर बीयर, गॉड फादर बीयर सहित सात कंपनियों के विभिन्न ब्रांड शामिल हैं कुल मात्रा 37.375 लीटर बताई जा रही है।

आपदा के समय घबराएं नहीं, सूझबूझ से लें फैसले : एसडीआरएफ

पटना (एजेंसी) बाढ़, आग, भूकंप या सड़क हादसा संकट कभी भी आ सकता है ऐसे हालात में क्या करना चाहिए और कैसे खुद को सुरक्षित रखना है, इसकी ट्रेनिंग भागलपुर में स्कूली बच्चों को दी गइ टीम ने मॉक ड्रिल के जरिए बच्चों को आपदा से बचाव के तरीके सिखाए भागलपुर से ऋषव मिश्रा कृष्णा की रिपोर्ट भागलपुर में सोमवार को एसडीआरएफ टीम द्वारा एक पब्लिक स्कूल में आपदा न्यूनीकरण एवं बचाव प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया इस दौरान छात्र-छात्राओं को बाढ़, आग, भूकंप, सड़क दुर्घटना और नदी में डूबने जैसी आपदाओं के समय सुरक्षित रहने और दूसरों की मदद करने के तरीके बताये गये.आपदा के समय घबराहट साबित हो सकती है बड़ी गलतीप्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एसडीआरएफ जवानों ने बच्चों को बताया कि किसी भी आपदा के समय घबराहट सबसे बड़ी गलती साबित हो सकती है टीम ने कहा कि संकट की स्थिति में सतर्कता, धैर्य और सही निर्णय बेहद जरूरी होता है बच्चों को समझाया गया कि आपदा के दौरान सबसे पहले अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए प्राथमिक उपचार और लाइफ जैट का दिया प्रशिक्षणएसडीआरएफ टीम ने छात्र-छात्राओं को प्राथमिक उपचार यानी फर्स्ट एड की जानकारी दी इसके अलावा लाइफ जैकेट पहनने का सही तरीका, पानी में डूब रहे व्यक्ति को सुरक्षित तरीके से बचाने और आपात स्थिति में प्रशासन को सूचना देने की प्रक्रिया भी समझाई गई' से समझाया रेस्क्यू ऑपरेशन प्रशिक्षण के दौरान टीम ने मॉक ड्रिल कर आपदा के समय किए जाने वाले बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया बच्चों को दिखाया गया कि कैसे लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया जाता है और रेस्क्यू ऑपरेशन में किन उपकरणों का उपयोग होता है एसडीआरएफ जवानों ने यह भी बताया कि अफवाहों से बचते हुए केवल प्रशासन और बचाव दल के निदेर्शों का पालन करना चाहिए।

पुलिस को हमने पूरी छूट दे रखी है', सीएम सम्राट ने कहा- अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को हाईटेक 80 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को हरी झंडी दिखाई इस दौरान फायर फाइटर्स ने दमखम भी दिखाया सीएम सम्राट चौधरी ने अपने भाषण के दौरान कहा, हमने पुलिस को छूट दे रखी है अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इन दिनों एक्शन मोड में हैं इसके साथ ही राज्य के अफसरों को पूरी तरह से टाइट कर रहे हैं

सोमवार को उन्होंने हाईटेक 80 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को हरी झंडी दिखाने के बाद भाषण दिया इस दौरान उन्होंने मंच से स्पष्ट कहा कि पुलिस को हमने पूरी छूट दे रखी है अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी सीवान से पटना तक एनकाउंटरबिहार में अपराधियों के खिलाफ एक्शन को लेकर इससे पहले भी सीएम सम्राट चौधरी बयान दे चुके हैं ऐसे में राज्य में ताबड़तोड़ कुख्यात अपराधियों का एनकाउंटर भी किया जा रहा है रविवार की देर रात सीवान में अंकित कुमार सिंह को गोली मारी गई जबकि सोमवार की सुबह पटना में मुठभेड़ हुई इसमें शिक्षक पर गोली चलाने वाले अपराधी संदीप उर्फ बादल को गोली मारी गई इस तरह से एक के बाद एक कार्रवाई जारी हैसीएम बोले- कोई व्यक्ति कानून हाथ में नहीं ले सकतासीएम सम्राट चौधरी ने अपने भाषण में यह भी कहा कि बिहार में सुशासन का राज्य है, इसलिए पुलिस के हाथ मैंने खोल दिए हैं कोई भी व्यक्ति कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकता है और पुलिस अपना काम आगे भी करती ही रहेगी साथ ही मुख्यमंत्री राज्य के अधिकारियों को भी टाइट कर रहे हैं अधिकारियों को भेजा जाएगा नोटिस सीएम ने कहा, अधिकारियों को पहला नोटिस 10 दिन बाद जाएगा दूसरा नोटिस 20 दिन बाद और तीसरा नोटिस 25 दिन बाद जाएगा इसके बाद भी अगर काम नहीं हुआ तो मुख्यमंत्री कार्यालय से उन्हें निलंबित कर दिया जाएगा पहली बार सम्राट चौधरी ने यह बयान नहीं दिया है इससे पहले भी उन्होंने कहा था, सहयोग पोर्टल पर दर्ज हर शिकायत का निपटारा 30 दिनों के भीतर करना होगा अगर तय समय में शिकायत का समाधान नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी सरकार ने साफ किया है कि लापरवाही मिलने पर पहले निलंबन और जरूरत पड़ने पर सेवा समाप्ति तक की कार्रवाई हो सकती है इस पूरी व्यवस्था की निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) करेगा।

बेगूसराय के बरौनी डेयरी ने पशुपालक किसान के लिए संगोष्ठी और पशु मेला का किया आयोजन

पटना (एजेंसी) बेगूसराय के बरौनी डेयरी प्रबंध निदेशक रविंद्र कुमार के निर्देश पर दुग्ध संघ बरौनी द्वारा सोमवार को मेहसौड़ी -ए, खगड़िया जिला में पशु मेला सह किसान जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें प्रबंधक प्रापण, पशु चिकित्सक, क्षेत्र प्रभारी, पथ पर्यवेक्षक एवं सुधामित्र उपस्थित रहेनीरज कुमार) बेगूसराय के बरौनी डेयरी प्रबंध निदेशक रविंद्र कुमार के निर्देश पर दुग्ध संघ बरौनी द्वारा सोमवार को मेहसौड़ी -ए, खगड़िया जिला में पशु मेला सह किसान जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें प्रबंधक प्रापण, पशु चिकित्सक, क्षेत्र प्रभारी, पथ पर्यवेक्षक वं सुधामित्र उपस्थित रहे कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों के बीचपशुपालन के प्रति जागरूकता फैलाना, उन्हें प्रेरित करना एवं आधुनिक पशु प्रबंधन के प्रति प्रोत्साहित करना रहा इस अवसर पर किसानों को पशु प्रबंधन के अंतर्गत संतुलित आहार, नस्ल सुधार एवं बेहतर चिकित्सा व्यवस्था के महत्व की जानकारी दी गई.संगोष्ठी पर किसानों ने क्या बताया? साथ ही किसानों को बताया गया कि दुग्ध संघ बरौनी द्वारा पशुपालकों के हित में इन सभी क्षेत्रों में लगातार कार्य किया जा रहा है तथा विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है मेले में सभी किसान अपने पशुओं के साथ उत्साह पूर्वक शामिल हुए इस दौरान मिल्किंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले किसानों को प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया. प्रथम पुरस्कार पशुपालक किसान सुबोध चौधरी को 3000 रूपया नगद , द्वितीय पुरस्कार पशुपालक रोहित कुमार को 2000 रूपया नगद एवं तृतीय पुरस्कार किसान चन्दन राय को 1000 रूपया नगद देकर प्रोत्साहित किया गया.सभी पशुपालक एवं किसानों को पुरस्कार दिया गयासाथ ही मेले में भाग लेने वाले सभी पशुपालक एवं किसानों को 500 रूपया का सांत्वना पुरस्कार देकर उत्साह वर्धन किया गया।

स्नातक थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा अचानक स्थगित, सेंटर पर छात्रों का भारी हंगामा

पटना एजेंसी) बिहार विश्वविद्यालय की स्नातक थर्ड सेमेस्टर की दूसरी पाली की परीक्षा अचानक स्थगित होने पर मुजफ्फरपुर के श्याम नंदन सहाय कॉलेज समेत कई केंद्रों पर छात्रों ने भारी हंगामा किया भीषण गर्मी में पहुंचे छात्र परीक्षा रद होने से आक्रोशित दिखे पढपूरी खबर मुजफ्फरपुर से ललितांशु की रिपोटबीआरए बिहार विश्वविद्यालय (बीआरएबीयू) के विभिन्न कॉलेजों में चल रही स्नातक थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा के दौरान सोमवार को बड़ा प्रशासनिक गतिरोध सामने आया दूसरी पाली की परीक्षा शुरू होने से महज एक घंटा पहले विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा इसे अचानक स्थगित कर दिया गया इस फैसले की जानकारी मिलते ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे छात्र-छात्राओं का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने जमकर हंगामा किया बीच रास्ते में मिली सूचनापरीक्षा स्थगित होने की आधिकारिक सूचना तब जारी हुई जब अधिकांश परीक्षार्थी अपने घरों से निकल चुके थे या केंद्रों पर पहुंच रहे थे मुजफ्फरपुर के बेला स्थित श्याम नंदन सहाय कॉलेज केंद्र पर भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप में दूसरे जिलों से पहुंचे छात्रों को जब व्हाट्सएप के माध्यम से परीक्षा रद होने की जानकारी मिली, तो वे उग्र हो गए छात्रों का कहना था कि इतनी दूरी तय करके आने के बाद ऐन वक्त पर परीक्षा टालना उनके साथ अन्याय है विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे सवालअचानक परीक्षा स्थगित किए जाने से दूर-दराज के इलाकों से आए परीक्षार्थियों को भारी मानसिक और आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ा इस अव्यवस्था को लेकर छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की और परीक्षा शिड्यूल को लेकर अपनी नाराजगी जताई परीक्षा स्थगित होने के पुख्ता कारणों को लेकर भी छात्रों के बीच असमंजस की स्थिति बनी रही।

बिहार के नक्सल प्रभावित गांव से निकल कर अमेरिका तक का सफर, सारण के होनहार युवा ने यूपेन में हासिल की

पटना (एजेंसी) के सारण जिलांतर्गत पानापुर प्रखंड स्थित एक छोटे से गांव पकड़ी नारोतम, जो कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाना जाता था लेकिन आज उसी गांव के लाल नीरज कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सफलता का परचम लहराकर पूरे बिहार का मान और सम्मान बढ़ाया है(आदर्श गुप्ता) बिहार के सारण जिलांतर्गत पानापुर प्रखंड स्थित एक छोटे से गांव पकड़ी नारोतम, जो कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाना जाता था. लेकिन आज उसी गांव के लाल नीरज कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सफलता का परचम लहराकर पूरे बिहार का मान और सम्मान बढ़ाया है मीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बीच संघर्ष करते हुए नीरज ने अमेरिका के प्रतिष्ठित पेन्सिल वेनिया विश्व विद्यालय के 270वें दीक्षांत समारोह में पेन्सिल वेनिया विश्वविद्यालय ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन (पेन जीएसई) से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है. सारण जिले के उत्तराखंड कहे जाने वाले पानापुर के दियारा क्षेत्र निवासी प्रमोद सिंह और गीता देवी के पुत्र निरज कुमार सिंह ने अपने गांव के प्रथम पीढ़ी के शिक्षार्थियों में शामिल हैं इंटर नेशनल एजुकेशनल डेवलपमेंट विषय में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल कीउन्होंने इंटरनेशनल एजुकेशनल डेवलपमेंट विषय में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की है. यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे सारण और बिहार के लिए गर्व का विषय बन गई है ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले नीरज ने आर्थिक एवं सामाजिक चुनौतियों के बावजूद अपनी शिक्षा को कभी नहीं छोड़ा उन्होंने सारण जिले में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद लोक नायक जय प्रकाश नारायण के नाम पर स्थापित जय प्रकाश विश्वविद्यालय के अंतर्गत जगदम कॉलेज से विज्ञान स्नातक की पढ़ाई पूरी की हैं इसके बाद उन्होंने राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान से सोशल वर्क में स्नातकोत्तर अध्ययन किया हैं साथ ही टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान तथा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान से भी पेशेवर प्रशिक्षण प्राप्त किया है150 से अधिक सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं के साथ काम कियापने शैक्षणिक और सामाजिक कार्यों के दौरान नीरज ने 150 से अधिक सरकारी एवं गैर- सरकारी संस्थाओं के साथ काम किया है इनमें यूनिसेफ, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, संयुक्त राज्य अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी और वर्ल्ड विजन इंटरनेशनल जैसी वैश्विक संस्थाएं शामिल हैं यूपेन में अध्ययन के दौरान उन्होंने एडमिशन अम्बेसडर के रूप में विभिन्न देशों के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन भी किया हैं, ।

बक्सर में आपातकालीन सेवा का दिखा असर : 102 एम्बुलेंस सेवा बनी जीवनरक्षक, मरीजों के लिए साबित हो रही वरदान

पटना (एजेंसी) बक्सर जिले में 102 एम्बुलेंस सेवा आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ बनकर उभरी है अप्रैल 2026 में इस सेवा के माध्यम से 1980 मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर जीवन बचाने में मदद मिली ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं, सड़क दुर्घटना पीड़ितों और गंभीर मरीजों के लिए यह सेवा लगातार राहत साबित हो रही है आधुनिक सुविधाओं और बेहतर मॉनिटरिंग के कारण एम्बुलेंस सेवा की पहुंच और प्रभावशीलता में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है (मनीष कुमार मिश्रा) बक्सर जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में 102 एम्बुलेंस सेवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है समय पर मरीजों को अस्पताल पहुंचाकर यह सेवा लोगों के लिए जीवनरक्षक साबित हो रही है खासकर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले मरीजों को अब तेजी से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो रही है.जिले में 41 एम्बुलेंस कर रही सेवाजानकारी के अनुसार, जिले में वर्तमान में कुल 41 एम्बुलेंस संचालित हैं इनमें 12 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (ALS), 27 बेसिक लाइफ सपोर्ट (BLS) और 2 शव वाहन शामिल हैं सभी एम्बुलेंस आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों से लैस हैं, जो प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीजों को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने का कार्य कर रही है अप्रैल में 1980 मरीजों को मिला लाभअप्रैल 2026 के आंकड़ों के अनुसार, जिले में कुल 1,980 मरीजों को 102 एम्बुलेंस सेवा का लाभ मिला इनमें 1,323 गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया गया वहीं 50 नवजात शिशुओं को विशेष चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई इसके अलावा 82 सड़क दुर्घटना पीड़ितों और 525 अन्य गंभीर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर इलाज उपलब्ध कराया गया ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से पहुंच रही सेवाग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए यह सेवा विशेष रूप से राहतकारी साबित हो रही है, जहां पहले अस्पताल पहुंचने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था अब समय पर एम्बुलेंस मिलने से आपात स्थिति में मरीजों को त्वरित उपचार मिल पा रहा हैबेहतर मॉनिटरिंग से बढ़ा भरोसाजेन प्लस, बिहार के प्रोजेक्ट हेड दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि एम्बुलेंस सेवा की नियमित मॉनिटरिंग और बेहतर संचालन व्यवस्था के कारण मरीजों तक सहायता पहुंचने में समय की बचत हुई है।

सुलतानगंज घाट पर सुरक्षा के बीच नाव परिचालन शुरू, लाइफ जैकेट के साथ SDRF टीम तैनात

पटना (एजेंसी) विक्रमशिला सेतु पर आवागमन प्रभावित होने के बाद सुलतानगंज-अगुवानी घाट पर नाव यात्रा का दबाव लगातार बढ़ रहा है यात्रियों की सुरक्षा को लेकर अब घाट पर लाइफ जैकेट, लाइफ ब्वाय और एसडीआरएफ टीम की तैनाती कर दी गई है सुलतानगंज, भागलपुर से प्रतिनिधि की रिपोर्ट भागलपुर के सुलतानगंज-अगुवानी गंगा घाट पर इन दिनों नाव परिचालन सुरक्षा व्यवस्था के बीच कराया जा रहा है विक्रमशिला सेतु पर आवागमन प्रभावित होने के कारण बड़ी संख्या में लोग नाव के जरिए गंगा पार कर रहे हैं प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर घाट पर एसडीआरएफ टीम, मेडिकल टीम और सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था की है.सुबह-शाम घाट पर उमड़ रही यात्रियों की भीड़जहाज घाट यानी नमामि गंगा घाट पर सुबह और शाम यात्रियों की भारी भीड़ देखी जा रही है सरकारी और निजी संस्थानों में काम करने वाले कर्मचारी बड़ी संख्या में रोजाना गंगा पार कर ड्यूटी के लिए आजा रहे हैं, जिसके कारण घाट पर दबाव लगातार बढ़ गया है लाइफ जैकेट और लाइफ ब्वाय की व्यवस्थाजिलाधिकारी डॉ नवल किशोर चौधरी के निर्देश के बाद घाट पर नावों में लाइफ जैकेट और लाइफ ब्वाय की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है अधिकारियों के अनुसार किसी भी आपात स्थिति में इन सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि यात्रियों की जान सुरक्षित रखी जा सकेSDRF टीम और मेडिकल स्टाफ तैनातघाट पर प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी की मौजूदगी में नावों का परिचालन कराया जा रहा है वहीं यात्रियों की गिनती भी की जा रही है सुरक्षा के मद्देनजर एसडीआरएफ टीम को घाट पर तैनात किया गया है, जो नावों के साथ भ्रमणशील रहकर निगरानी कर रही है इसके अलावा एंबुलेंस और मेडिकल टीम भी जहाज घाट पर मौजूद है य किराये पर हो रहा नाव परिचालनप्रशासन की ओर से यात्रियों के लिए नाव किराया भी निर्धारित किया गया है बड़े यात्रियों से 35 रुपये, छोटे बच्चों से 15 रुपये और बाइक पार कराने के लिए 40 रुपये लिया जा रहा है फिलहाल घाट पर तीन नावों का परिचालन किया जा रहा है और यात्रियों को जेट्टी के माध्यम से सुरक्षित तरीके से चढ़ाया और उतारा जा रहा हैसुबह 5 बजे से शाम 5 बजे तक सेवानाव परिचालन प्रतिदिन सुबह 5 बजे से शाम 5 बजे तक जारी रहेगा ।

19 से 21 मई तक बिहार के इन जिलों में जारी रहेगा आंधी-तूफान का दौर, IMD ने जारी किया अलर्ट

पटना (एजेंसी) पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने ताजा अपडेट में बताया कि बिहार में 19 से 21 मई तक मौसम तेजी से बदलने वाला कहीं लू चलेगी तो कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और वज्रपात का खतरा रहेगा मौसम विभाग ने अलग-अलग जिलों के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है.बिहार में अगले कुछ दिन में मौसम बदलने वाला है पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 19 मई को सबसे ज्यादा असर पश्चिमी बिहार के कैमूर, रोहतास और बक्सर में दिखेगा यहां गर्मी और लू परेशान कर सकती है सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा और मधेपुरा में तेज हवा, बारिश और बिजली गिरने की संभावना है पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया, भागलपुर, भोजपुर, सीवान, गोपालगंज, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण समेत कई जगह मौसम सामान्य रह सकता है पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया 20 मई को कैसा रहेगा मौसम का हालपटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक 20 मई को बिहार के कई हिस्सों में मौसम ज्यादा खराब हो सकता है इस दिन तेज आंधी, बारिश और वज्रपात का खतरा बढ़ जाएगा शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, समस्तीपुर, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, मधेपुरा, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, जमुई और बांका जिलों में ज्यादा सावधानी की जरूरत है यहां तेज हवा के साथ मौसम अचानक बिगड़ सकता है पटना, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, जहानाबाद, गया और आसपास के जिलों में भी मौसम खराब रह सकता है बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें21 मई को कई जिलों में मौसम सामान्य रहने के आसारपटना मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 21 मई को कई जिलों में राहत मिलने की उम्मीद है उत्तर बिहार और सीमांचल के कई हिस्सों जैसे पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में मौसम पहले से बेहतर रह सकता है पटना, बक्सर, भोजपुर, गया, नवादा, जमुई, बांका, मुंगेर और भागलपुर में मौसम भी बदल सकता है यहां हल्की बारिश, तेज हवा या बिजली गिरने की आशंका बनी।

भुला दीजिए... आदत भूलने की

यह शब्दशः सत्य है कि कुछ लोग कोई भी चीज कहीं भी रखकर भूल जाते हैं। अपनी इस आदत से तंग आकर वे फिर चीजें वापस पाने का हल ढूँढते रहते हैं। ऐसे में कुछ बातों को ध्यान में रखिए, जो आपको याद दिलाने में सहायता करेंगी कि आपने अमुक वस्तु कहाँ रखी है-

स्थान- इसके द्वारा आप किसी वस्तु को खोने की आदत को 50 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं। अगर आप 'वस्तुओं को उनके ठीक स्थान पर रखना सीख लें।' अपने आपसे पूछिए कि मैं यह वस्तु कहाँ इस्तेमाल करती हूँ? अगर आप किसी वस्तु को उस स्थान के आसपास रखेंगे, जहाँ उसको इस्तेमाल किया जाता है तो उसके खोने या इधर-उधर हो जाने की आशंका कम से कम रहेगी।

आदत- कोई भी चीज अपने नियत स्थान पर रखने की आदत होना चाहिए, जैसे गाड़ी की चाबी हमेशा चाबी स्टैंड में लगी रहे, यह जरूरी है। लेकिन जैसे ही फोन की घंटी बज उठी आप चाबी को इधर-उधर रखकर फोन पर बात करने लगे। आकर देखा तो चाबियाँ स्टैंड में नहीं थीं। पूरे 1 घंटे बाद चाबियाँ टेलीफोन के पास मिलीं। इसका अर्थ यह है कि चाबी स्टैंड में चाबी रखने की आदत आपको पूरी तरह पड़ी नहीं थी। इसलिए पक्की आदत डालना अत्यंत आवश्यक है।

संबद्धता- आमतौर पर आपकी गाड़ी गैरेज या पार्किंग पर आराम से खड़ी रहती है, लेकिन जब इसे किसी व्यावसायिक केंद्र के बाहर खड़ा करना हो तो हो सकता है कि सैकड़ों-हजारों गाड़ियों में आपकी गाड़ी भीड़ में खो जाए। ऐसी स्थिति में क्या किया जाए? इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी गाड़ी खड़ी करने से पहले यह देख लें कि वह किस अचल वस्तु या संकेत के आसपास खड़ी है, जैसे बिजली का खंभा, बोर्ड आदि। इससे आपकी गाड़ी का स्थान याद रहेगा और लौटने पर आपकी निगाह झट उस वस्तु को पकड़कर आपकी गाड़ी तक पहुँच जाएगी।

सोचिए- मानसिक रूप से किसी पूरी प्रक्रिया को दोहराने से आपको अपनी खोई हुई वस्तु या उसका स्थान याद आ जाता है। इसके लिए जरूरी है कि व्यक्ति को सोने से पहले विशेष प्रकार का चिंतन करना चाहिए। इस चिंतन के दौरान आपने जो-जो चीज खो दी है, उसके बारे में अपने मन से कहिए कि मुझे सुबह तक उसका अता-पता याद करने का प्रयास करना होगा। सचेतन अवस्था में हो सकता है आपको यह याद न आए, लेकिन अवचेतन मन को इसका अवश्य पता होगा।

दोहरी वस्तुएँ रखिए- कभी-कभी कोई जरूरी वस्तु नहीं मिल पाती है व स्थिति परेशानी वाली बात बन जाती है। अतः बहुत आवश्यक वस्तुएँ जैसे चाबी, चश्मा आदि ये चीजें दो-दो होनी चाहिए। महत्वपूर्ण कागजातों की भी फोटोकॉपी या दूसरी प्रति रखनी चाहिए। लेकिन इस अवस्था में मूल प्रतिलिपि या वस्तु पलंग या किसी अन्य गुप्त स्थान पर छिपाकर नहीं रखना चाहिए। यह पूरी तरह संभव है कि आप यह खुद ही भूल जाएँ कि अमुक वस्तु कहाँ रखी थी। अतः ऐसी वस्तुओं को वकील के कार्यालय, किसी निर्दिष्ट सेफ/ अलमारी या बैंक के लॉकर में रखना चाहिए। आमतौर पर अगर आप लंबे समय तक किसी वस्तु को भुलाए रहें तो एक दिन अचानक अनजाने में यह उभरकर आपके सामने आ जाती है। इस तरह निम्न बातों को ध्यान में रखकर आप अपनी भूलने की आदत से छुटकारा पा सकते हैं।

कैसे पाएं डैंड्रफ से छुटकारा

डैंड्रफ एक प्रकार की निर्जीव त्वचा है, जो बालों की जडों के आसपास जमा हो जाती है। इसलिए अपने बालों को साफ रखें और महीन दांतों वाली कंघी का प्रयोग करें। ताकि सिर की त्वचा से आसानी से रूसी बाहर निकल जाए।

- गर्म ऑलिव ऑयल में कुछ बूंदें अदरक के रस की डालकर इससे सिर पर कुछ देर मालिश करें। आधे घंटे तक बालों में लगाए रहने के बाद शैंपू कर लें।
- नीम की पत्तियों का रस नीबू के रस में मिलाकर सिर में लगभग तीस मिनट तक लगाएं। फिर शैंपू कर लें। या फिर शैंपू करने के बाद सिरके और नीबू का रस बराबर मात्रा में लेकर 5-10 मिनट तक के लिए सिर में लगा रहने दें। उसके बाद बालों को धो लें।
- बालों में प्रतिदिन ब्रश करने और मालिश करने से डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा मिल सकता है, क्योंकि इन उपचारों से रक्तसंचार तीव्र गति से होता है और मृत त्वचा निकल जाती है।
- जोजोबा ऑयल और कोकोनट ऑयल को मिलाकर उंगली के पोरों से धीरे-धीरे सिर की त्वचा पर मालिश करें। इसके बाद गर्म पानी में भीगे तौलिए को निचोडकर थोडी देर तक सिर पर लपेटकर रखें। उसके बाद दूसरे दिन बालों को शैंपू करें।
- बालों में हेयर सीरम का प्रयोग करें। ऐसा हफ्ते में एक बार जरूर करें। इससे न केवल बालों में चमक आएगी, बल्कि वे उलझेंगे भी नहीं। हेयर सीरम का प्रयोग रूखे बालों में हेयर स्टाइल बनाने के बाद उन्हें व्यवस्थित करने में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

सामग्री : 2 केले, वेनिला आइस्क्रीम व चॉकलेट सॉस (दोनों की विधि नीचे दी गई है), भूने हुए नट्स।

विधि : वेनिला आइस्क्रीम की विधि : प्लेन बेस आइस्क्रीम में 100 मिली। फ्रेश क्रीम मिलाकर हैंड बीटर से हल्का और झाग आने तक फेंटें। अब इसमें आधा टीस्पून वेनिला एसेंस डालकर अच्छी तरह बीट करें। प्लास्टिक कंटेनर में डालकर ढककर फ्रिजर में जमने के लिए रखे दें।

चॉकलेट सॉस की विधि : 3 टेबलस्पून गोल्डन सिरप में 2 टेबलस्पून बटर और 3-4 टेबलस्पून कोको पाउडर डालकर आंच पर रखें। लगातार चलाती रहें। इसमें 3 टेबलस्पून आइसिंग शुगर, 1/4 टीस्पून वेनिला एसेंस और आधा कप गर्म दूध बारी-बारी से डालकर गाढ़ा होने तक पकाएं। ठंडा करने के बाद इस्तेमाल करें।

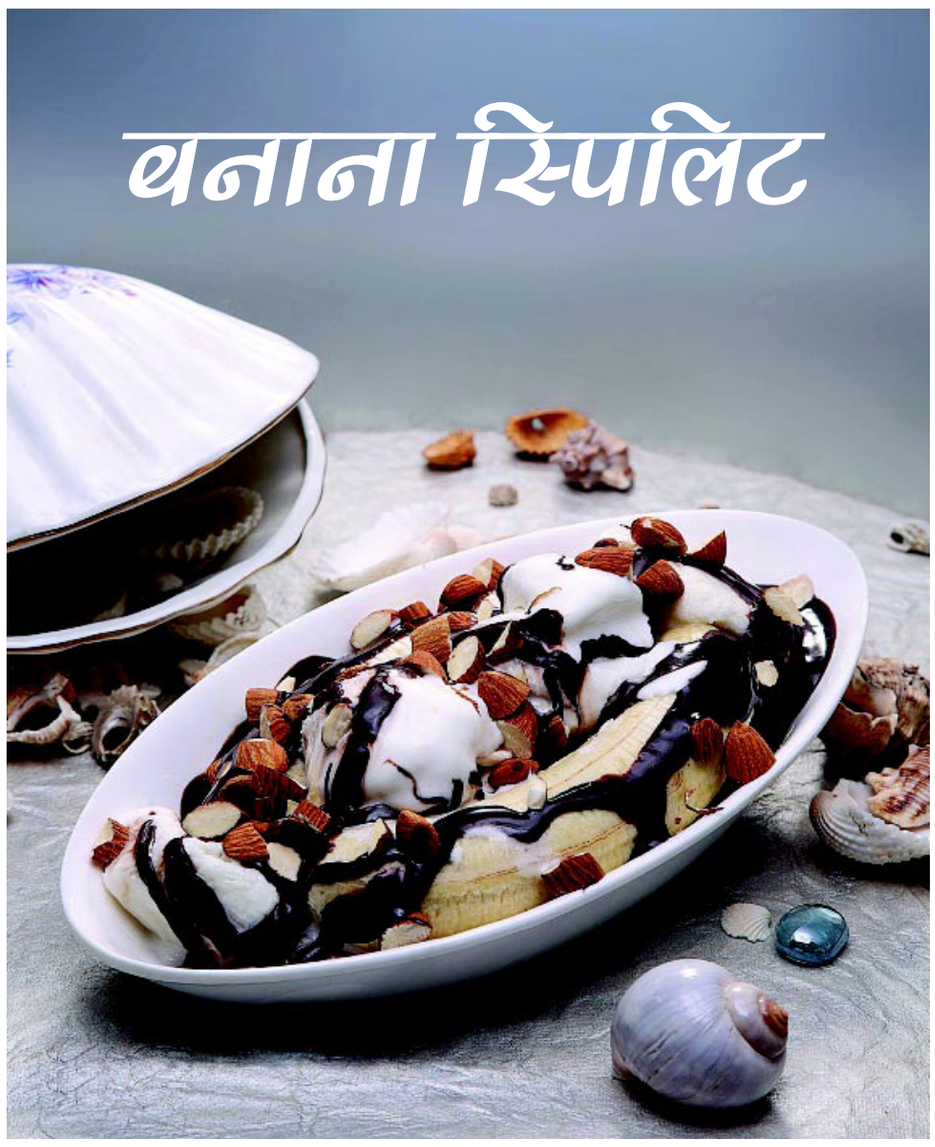

बनाना स्पिलिट के लिए : अब कटोरी में पहले केले के टुकड़े रखें। उस पर वेनिला आइस्क्रीम, चॉकलेट सॉस और नट्स डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 3893

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 3892 का हल

लॉफिंग ज़ोन

मेजर (जवान से) : तुम इतना ज्यादा क्यों पीते हो? तुम्हें खबर है कि अगर तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा होता तो अब तक सूबेदार हो गए होते।

जवान : माफकीजिए सर! आपकी बात तो सोलह आने सच है। मगर बात यह है कि जब दो घूँट मेरे अंदर पहुँच जाते हैं तो मैं अपने आपको कर्नल समझने लगता हूँ।

□ □ □

एक बार रमन जवानों की परेड करवाने में बहुत व्यस्त था, उसने गरज कर कहा- सभी जवान अपना-अपना दायाँ पैर ऊपर उठाएँ।

बस क्या था, एक जवान ने गलती से बायाँ पैर ऊपर उठा दिया।

यह देख कर रमन जोर से चिल्लाया- ये कौन बेवकूफहै, अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर खड़ा है?

□ □ □

चमन (रमन से)- यार! कल तो गजब हो गया। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में मेरी प्रेमिका न जाने कहाँ खो गई थी। मुझे तो लगा जैसे मेरे तो हाथों के तोते उड़ गए।

रमन- उफयार! यह तो बहुत ही बुरा हुआ। वैसे ये तो बता दे कितने तोते थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3893

बायें से दायें:-

१. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कहदूँ तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-३
५. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
८. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
१२. 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-३
१३. संजयदत्त, अनिता राज की 'आते आते तेरी' गीत वाली फिल्म-२,१,२
१४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'परदे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-२
१७. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'पीले पीले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-२,३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयां' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-२,२
२६. गोविंदा, रवीना की 'सासूजी थारे लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल विच तेरा ही' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२
२८. मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
२. राजकपूर, नतून की 'रूक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, सायरा की फिल्म-३
४. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-५
६. सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-२,१,२
९. गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-२,२
११. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-२
१३. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१४. अक्षय, लारा की फिल्म-३
१५. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, राखी की फिल्म-२
१८. कमल सदाना, आयशा, दिव्याकी 'दिल चीर के' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'ले के चली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
२०. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-३
२३. फिल्म 'ज्वैल थीफ' में नायक कौन है-२
२५. टी. वी. धारावाहिक 'सॉस' की नायिका कौन थी?-२
२६. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3892

सूडोकु -3893

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3892 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 3893

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निक द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-
28.सुनील शेट्टी की पह फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2

Disclaimer (अस्वीकरण) :

टाइम्स ऑफ पीडिया में पब्लिश किये गए आलेखों में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं। इसमें दी गई किसी भी सूचना डाटा की सटीकता, संपूर्णता, व्यावहारिकता अथवा सच्चाई के प्रति टाइम्स ऑफ पीडिया उत्तरदायी नहीं है। आलेख में सभी सूचनाएं ज्यों की त्यों प्रस्तुत की गई हैं। इस आलेख में दी गई कोई भी सूचना अथवा तथ्य अथवा व्यक्त किए गए विचार टाइम्स ऑफ पीडिया के नहीं हैं, तथा टाइम्स ऑफ पीडिया उनके लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है। (TOP Legal Cell)

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

तपती धूप में धरना देने को मजबूर सेक्टर दो की महिलाएं, सेक्टर चार में हनुमान चालीसा का पाठ

मेरठ (एजेंसी) । शास्त्रीनगर सेक्टर दो में तिरंगा रोड पर चल रहे महिलाओं के धरने से पुलिस द्वारा टेंट हटवाए जाने के बावजूद सोमवार को तपती धूप में महिलाएं धरना देकर बैठी रहीं। महिलाओं ने साफ कहा कि चाहे धूप हो या आंधी-तूफान, वह हर हालात में धरने को जारी रखेंगी। वहीं, दूसरी तरफ सेक्टर चार में चल रहे धरने में महिलाओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। महिलाओं ने बताया कि शाम को वह कैंट विधायक अमित अग्रवाल से मिलने जाएंगी। बताते चलें कि रविवार को सेक्टर दो में तिरंगा रोड पर चल रहे महिलाओं के धरने में पहुंच कर पुलिस ने धारा 144 का हवाला देते हुए टेंट हटवा दिया था। इसके बाद महिलाओं ने धरना खत्म करने की बात कही थी। इसके बावजूद सोमवार को धरने पर बैठी राधा गुप्ता और शालू शर्मा सहित अन्य महिलाओं ने बताया कि नारी शक्ति की मीटिंग में तय हुआ है कि चाहे आंधी-तूफान हो या कड़ी धूप, वह इंसाफ मिलने तक इस धरने को जारी रखेंगी। वहीं, सोमवार को सेक्टर चार के चौराहे पर धरने पर बैठी शास्त्रीनगर सेक्टर तीन और चार की महिलाओं ने धरना स्थल पर हनुमान चालीसा का पाठ किया। महिलाओं ने बजरंगबली से अपने संकट हरने की प्रार्थना की। बीना भार्गव आदि ने बताया कि सोमवार की शाम भाजपा से कैंट विधायक अमित अग्रवाल से मिलने का समय लिया गया है। कैंट विधायक से मिलकर महिलाएं अपनी समस्या उनके सामने रखते हुए मदद की गुहार लगाएंगी।

पीएसी के सिपाही पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप, अधिकारियों से मिली पीड़िता

मेरठ (एजेंसी) । एक महिला ने पीएसी में तैनात कांस्टेबल पर शादी का झांसा देकर पांच साल तक अपना यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। एसएसपी से मिलकर पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। जिस पर अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए। देहात क्षेत्र की रहने वाली एक महिला सोमवार को एसएसपी ऑफिस पहुंची। महिला ने बताया कि पांच साल पहले 44वीं वाहिनी पीएसी में तैनात कांस्टेबल उसकी दुकान पर आता था। महिला का आरोप है कि कांस्टेबल ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। मामले की जानकारी मिलने पर महिला के परिजनों ने भी उससे किनारा कर लिया। इसके बाद कांस्टेबल महिला को अपने साथ ले गया। कांस्टेबल ने महिला के साथ मंदिर में शादी कर ली। इसी के साथ वादा किया कि जल्द ही वह कोर्ट मैरिज भी कर लेगा। इसके बाद दोनों किराए का कमरा लेकर एक साथ रहने लगे। महिला का आरोप है कि कांस्टेबल पांच साल तक झूठा दिलासा देकर उसकी इज्जत से खिलवाड़ करता रहा। छह महीने पहले आरोपी अपने वादे से मुकर गया और शादी से इनकार कर दिया। महिला के मुताबिक उसने पूरी घटना की शिकायत 44 वीं वाहिनी पीएसी के कमांडर से भी की लेकिन, उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद सोमवार को एसएसपी ऑफिस पहुंची पीड़िता ने शिकायत करते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की। मांग की जिस पर अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए हैं।

एमजीएस में शैक्षिक उन्नयन के लिए संगोष्ठी का हुआ आयोजन

सुल्तानपुर (एजेंसी) । एमजीएस इंटर कॉलेज में शैक्षिक उन्नयन के लिए मालवीय हॉल में शिक्षकों के साथ एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बताते चलें एमजीएस इंटर कॉलेज के प्रबंधक डॉ विनोद कुमार सिंह (सदस्य, शिक्षा सेवा चयन आयोग) की अध्यक्षता में मालवीय हाल में शैक्षिक उन्नयन के लिए विद्यालय के शिक्षकों के साथ एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसमें प्रबंधक ने शिक्षकों से विद्यालय के शैक्षिक उन्नयन के लिए राय मांगी। शिक्षकों ने बताया ग्रीष्म अवकाश में भी हम सब मिलकर विद्यालय के छात्रों के लिए प्रातः कालीन कक्षाएं संचालित करे। जिसमें खेल आधारित शिक्षा दी जाए, जिससे छात्रों में कौशलात्मक विकास हो सके। प्रबंधक ने प्रातःकालीन कक्षाओं के संचालन के लिए सहमति प्रदान की। प्रबंधक ने अपने संबोधन में बताया कि हाई स्कूल और इंटर की परीक्षा में विद्यालय की बालिकाओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। प्रबंधक ने बताया कि प्रबंध समिति ने निर्णय लिया है की जनपद में किसी भी बालिका की शिक्षा धनाभाव के कारण नहीं छूटेगी। आधी आबादी (बालिका) को शिक्षित करने के लिए हम कृत संकल्पित हैं। सभी छात्राओं को विद्यालय की तरफ से पिछले वर्षों की तरह वर्तमान सत्र में निर्धन बालिकाएं बिना शुल्क प्रवेश प्राप्त कर सकती हैं और नवप्रवेशी छात्राओं को विद्यालय निःशुल्क गणवेश प्रदान करेगा। प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में शिक्षकों को पूरी ऊर्जा के साथ अध्यापन कार्य करने पर बल दिया। शैक्षिक संगोष्ठी में उप प्रधानाचार्य विचित्र वीर सिंह, दीपक सिंह, राकेश कुमार सिंह, वैभव रघुवंशी, मधुलिका सिंह, किरन वर्मा, अंजली, प्रज्ञा, लाल रत्नाकर अंजनी श्रीवास्तव, डॉ अम्बरीष, सुमित श्रीवास्तव, पवन कुमार, सुनील कुमार सिंह, तुलसीराम यादव, रमेश वर्मा, उपकार श्रीवास्तव, अशोक, माधवराम यादव, छोटेलाल सरोज, धर्मेंद्र पांडे, राम प्रकाश, राजेश कन्नौजिया, रमेश प्रजापति, राजीव सिंह, हरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या करने वालों ने झूंसी थाने में किया सरेंडर ऑफिस घुसकर मारी थी गोली

प्रयागराज (एजेंसी) । प्रयागराज में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या करने वाले चारों आरोपियों ने सोमवार को झुंसी थाने में सरेंडर कर दिया। हालांकि पुलिस गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। थाने में पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पता चला कि प्रॉपर्टी डीलर और आरोपियों के बीच 17 लाख रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद था। आरोपियों के आफिस पहुंचने और फरार होने का भी वीडियो सामने आया है। प्रॉपर्टी डीलर के भाई की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। 17 मई को प्रापर्टी डीलर अजहरुद्दीन उर्फ अजहर को उसके पार्टनर ने अपने ऑफिस बुलाया। फिर आफिस में बंद कर प्रॉपर्टी डीलर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। प्रॉपर्टी डीलर ने भागने की कोशिश की तो उसकी कनपटी में सटाकर पिस्टल से गोली मार दी। इसके बाद आरोपी पार्टनर वैगनआर कार से अपने तीन साथियों के साथ फरार हो गया। हत्या करने के बाद आरोपी घर पहुंचे। कार चेंज की। फिर अतरसुइया थाने पहुंचे। थाने के सामने खड़े होकर आरोपी बृजेश ने एक वीडियो बनाई। उसने कहा कि मैं बृजेश कुमार अतरसुइया थाने में सरेंडर कर रहा हूं। वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के बाद चारों आरोपी कार से फरार हो गए थे। ज्ञात हो कि नैनी थाना क्षेत्र के महेवा निवासी 35 साल के अजहरुद्दीन प्रॉपर्टी डीलर थे। रविवार दोपहर करीब 3 बजे अजहरुद्दीन को उनके पार्टनर अरविंद और बृजेश निषाद ने फोन कर अपने ऑफिस बुलाया। प्रापॅर्टी डीलर बाइक से आफिस पहुंचे। आफिस के बाहर एक वैगनआर कार खड़ी थी। ऑफिस के अंदर पार्टनर समेत 4 लोग मौजूद थे। यहां पैसों के लेनदेन को लेकर अजहरुद्दीन का विवाद शुरू हो गया।

नेताओं की लगेगी डिजिटल हाजिरी, रात में हुए गायब; तो मानी जाएगी अनुपस्थिति

एटा (एजेंसी) भाजपा ने प्रशिक्षण शिविरों में अनुशासन सख्त करते हुए रात्रि प्रवास अनिवार्य कर दिया है और अनुपस्थित रहने पर हाजिरी दर्ज करने का निर्देश दिया है। अब कार्यकताओं की गतिविधियों पर डिजिटल निगरानी रखी जाएगी और रिपोर्ट सीधे पार्टी के प्रदेश व राष्ट्रीय मुख्यालय भेजी जाएगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने नेताओं और कार्यकताओं की कार्यशैली को अनुशासित बनाने और प्रशिक्षण शिविरों में होने वाली मनमानी पर लगाम लगाने के लिए सख्त व्यवस्था लागू की है। अब प्रशिक्षण स्थल या संगठन की ओर से तय किए गए स्थल पर रात्रि प्रवास की डिजिटल हाजिरी देनी होगी। इसके साथ ही पार्किंग में खड़े नेताओं के वाहनों के आने-जाने की रिपोर्ट तैयार होगी। प्रवास से गायब रहने वाले कार्यकर्ता या नेता को शिविर से गैरहाजिर मानते हुए इसकी

जानकारी पार्टी के प्रदेश व राष्ट्रीय मुख्यालय भेज दी जाएगी। दरअसल, केंद्र, प्रदेश व जिला स्तर पर संगठन में हुए बदलाव के साथ ही बड़े पैमाने पर दूसरे दलों के लोग पार्टी में शामिल हुए हैं। सभी के बीच तालमेल बढ़ाने, पार्टी की कथनी-करनी, नियम व विचारों से रूबरू कराने के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन कराया जा रहा है। पार्टी का मानना है कि दिनभर हुए प्रशिक्षण के बाद रात में जब कार्यकर्ता साथ बैठेंगे या खाना खाएंगे तो उनके बीच समन्वय बढ़ेगा। हालांकि, मंडल स्तर पर आयोजित कराए गए प्रशिक्षण शिविर में रात के समय ज्यादातर कार्यकर्ता अपने घर चले गए। पार्टी को इसकी रिपोर्ट मिली तो बड़े नेताओं ने सख्त निर्देश जारी किए। अब जिला व महानगर स्तर के प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने वाले कार्यकताओं को ऑनलाइन पूर्व में पंजीकरण कराना आवश्यक किया गया है। साथ ही रात में निर्धारित स्थान पर ही रुकने के निर्देश को सख्ती से लागू करने के लिए कहा गया है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए अलग से टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें पार्टी के सरस एप पर हर गतिविधि को अपडेट करेंगे। इस नए नियम ने उन नेताओं की नींद उड़ा दी है जो अब तक प्रशिक्षण को महज एक औपचारिकता मानते थे। निदेशों का पालन कार्यकताओं का है कर्तव्य ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य ने बताया कि पार्टी के प्रशिक्षण वर्ग के दौरान निदेशों का पालन करना हर कार्यकर्ता का कर्तव्य है। प्रशिक्षण वर्ग की हर जानकारी व कार्यकताओं की हाजिरी संबंधी जानकारी मुख्यालय से साझा की जा रही है। उनके निर्देश के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

सुभारती लॉ कॉलेज का विधिक जागरूकता शिविर

मेरठ (एजेंसी) । स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के सरदार पटेल सुभारती इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ द्वारा सेठ बी.के. माहेश्वरी गर्ल्स इंटर कॉलेज, मेरठ में एक प्रभावशाली एवं ज्ञानवर्धक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों, साइबर सुरक्षा, अपराध रोकथाम तथा जिम्मेदार नागरिकता के प्रति जागरूक करना था। यह जागरूकता शिविर सुभारती लॉ कॉलेज के निदेशक राजेश चन्द्रा (पूर्व-न्यायमूर्ति, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश) के निर्देशन एवं प्रो. (डॉ.) रीना बिश्नोई, संकायाध्यक्षा, सुभारती लॉ कॉलेज के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन लॉ क्लब की संयोजिका डॉ. सारिका त्यागी के समन्वय में संपन्न हुआ। डॉ. सारिका त्यागी ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्राओं के बीच विधिक साक्षरता को बढ़ावा देना तथा उन्हें उनके मौलिक अधिकारों, संवैधानिक प्रावधानों एवं समाज में जिम्मेदार नागरिक की भूमिका के प्रति जागरूक करना था। उन्होंने कहा कि आज के समय में विधिक जानकारी केवल कानून के विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी होना आवश्यक है।कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) रीना बिश्नोई ने शिक्षिकाओं एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए उनके विधिक एवं संवैधानिक अधिकारों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने बालिकाओं को महिला अधिकारों, शिक्षा के अधिकार, समानता के अधिकार एवं संवैधानिक सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। उन्होंने विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों जैसे ऑनलाइन फ्रॉड, फेक लिंक, सोशल मीडिया हैकिंग, डिजिटल ठगी एवं साइबर बुलिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को बताया कि यदि कोई व्यक्ति डिजिटल अपराध का शिकार होता है, तो उसे तत्काल 1930 निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए, जिससे समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

अगवा कर छात्रा का कत्ल, चेहरा और हाथ जलाया, आरोपी गिरफ्तार

मेरठ (एजेंसी) । यूपी के मेरठ जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। घर से 15 मई को परीक्षा देने गई टीपीनगर इलाके की अनुसूचित जाति की छात्रा की अगवा कर गला दबाकर हत्या कर दी गई। तीन दिन बाद रविवार दोपहर में छात्रा का शव रोहटा थाना इलाके के उकसिया गांव में ईंख के खेत में मिला। छात्रा का चेहरा और एक हाथ जला था। छात्रा के परिजनों ने अगवा करके सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या करने का आरोप लगाया है। परिजनों ने कल्याणपुर गांव के अंकुश, अंकित और निशांत सहित तीन अज्ञात के नाम तहरीर दी है। परिजनों ने टीपीनगर पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी अंकुश को गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी ने बताया कि पूछताछ में अंकुश ने माना है कि छात्रा उसके साथ गई थी। दूसरे युवक से संबंध होने के शक में उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और शव खेत में फेंक दिया। एसएसपी का कहना है कि दुष्कर्म की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हो पाएगी। तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जाएगा। रविवार को दोपहर में लगभग दो बजे रोहटा क्षेत्र के उकसिया गांव का किसान सिंचाई के लिए पहुंचा तो ईंख के खेत में छात्रा का शव देखा। छात्रा के कपड़ों में उसका आधार कार्ड मिला। पहचान होने पर रोहटा पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। इसके बाद पिता व परिजन मौके पर पहुंचकर शव की पहचान की। फुटेज में अंकुश के साथ बाइक पर जाती दिखी छात्रा एसपी सिटी ने बताया कि टीपीनगर थाना पुलिस की जांच में पता चला था कि छात्रा अंकुश के साथ बाइक पर गई थी। उसका रोहटा अड्डे और भूनी टोल के पास का सीसीटीवी फुटेज मिला। इसमें आरोपी अंकुश बाइक लेकर छात्रा के पास रुकता है और छात्रा बाइक पर बैठ जाती है। गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार सोमवार सुबह करीब आठ बजे छात्रा का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान गांव में गमगीन माहौल रहा और बड़ी संख्या में ग्रामीण व समाज के लोग मौजूद रहे।अंतिम संस्कार के समय परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और पूरे गांव में शोक की स्थिति दिखाई दी।

पुलिस और कुख्यात बाइक चोर के बीच मुठभेड़, पैर में गोली लगने से घायल हुआ बदमाश

जालौन (एजेंसी) कोतवाली पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। बाइक चोरी की कई वारदातों में वांछित चल रहे कुख्यात बदमाश सुनील कुशवाहा निवासी रामपुरा के साथ रविवार की देर रात पुलिस की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान आरोपी ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लग गई, जिससे वह घायल हो गया। घायल बदमाश को पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए जिला अस्पताल उरई में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार मुठभेड़ उरई कोतवाली क्षेत्र के बघौरा बाईपास स्थित मरघट स्थल के पीछे हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि लंबे समय से फरार चल रहा बाइक चोर इलाके में मौजूद है। सूचना मिलते ही उरई

कोतवाली पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम सक्रिय हो गई और पूरे इलाके की घेराबंदी कर सघन चेकिंग अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान पुलिस टीम का सामना आरोपी सुनील कुशवाहा से हो गया। बताया जा रहा है कि खुद को पुलिस से घिरा देख आरोपी ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस की गोली आरोपी के पैर में जा लगी, जिससे वह मौके पर ही घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने तत्काल उसे कब्जे में लेकर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से एक तमंचा, दो खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। साथ ही इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाकर अन्य संभावित गतिविधियों की भी जांच की गई। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी पिछले करीब आठ महीनों से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। उन्होंने बताया कि आरोपी ने पुलिस टीम पर दो राउंड फायर किए थे, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी। पुलिस के अनुसार आरोपी सुनील कुशवाहा के खिलाफ विभिन्न थानों में बाइक चोरी समेत 13 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और वह लंबे समय से पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके अन्य साथियों और चोरी के नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

सुल्तानपुर में एनएचएम संविदा कर्मचारियों का प्रदर्शन दो माह का वेतन न मिलने पर 21 मई से नो पे-नो वर्क की चेतावनी

सुल्तानपुर (एजेंसी) । पूरे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। पिछले दो महीनों (मार्च और अप्रैल 2026) से मानदेय न मिलने से नाराज कर्मचारियों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 20 मई तक उनका बकाया मानदेय नहीं चुकाया गया, तो 21 मई से नो पे-नो वर्क की नीति अपनाते हुए पूर्ण कार्य बहिष्कार करेंगे। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ ने सुल्तानपुर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और प्रशासन को एक पत्र सौंपा। इस पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि 20 मई तक लंबित मानदेय का भुगतान नहीं किया गया, तो जिले के सभी कर्मचारी 21 मई से पूर्ण कार्य बहिष्कार पर चले जाएंगे। कर्मचारियों का कहना है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है, जिससे बच्चों की स्कूल फीस, किताबों और दैनिक

आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उनके पास पैसे नहीं हैं। इस स्थिति ने उनके परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। प्रांतीय संगठन के निर्देशानुसार, 18, 19 और 20 मई को प्रदेश भर के सभी एनएचएम संविदा कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थल पर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन दर्ज करा रहे हैं। संगठन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि 20 मई तक दो महीने का मानदेय नहीं मिला, तो 21 मई से पूरी तरह से कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया जाएगा। हालांकि जनहित को ध्यान में रखते हुए आपातकालीन सेवाएं सुचारू रूप से संचालित रहेंगी। डॉ. आकर्ष शुक्ला ने मीडिया से बातचीत में बताया कि जिले के एनएचएम कर्मचारियों का वेतन लंबित है। समय पर मानदेय न मिलने के कारण सभी कर्मचारी और उनके परिवार गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी पूरी ईमानदारी से ड्यूटी कर रहे हैं, लेकिन उन्हें उनका हक नहीं मिल रहा है, जिससे उन्हें घर का किराया, बिजली का बिल और बच्चों की स्कूल फीस भरने में दिक्कत हो रही है। तीर्थ स्थल धोपाप में निकली भव्य कलश शोभायात्रा,

विट्ठल होटल में लगी भीषण आग, आधी बिल्डिंग खाहा 13 लोगों को सुरक्षित निकाला गया, सीएफओ का हाथ झुलसा

प्रयागराज (एजेंसी) । सिविल लाइंस के एम जी मार्ग स्थित होटल विट्ठल में सोमवार दोपहर में भीषण आग लग गई। घटना के दौरान होटल में कई लोग फंसे थे। आग की सूचना से अफरा- तफरी मच गई। आनन-फानन पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने होटल में फंसे करीब 13 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि ट्रांसफार्मर में ब्लास्ट होने के काण होटल में आग लगी। हालांकि समय रहते आग को बुझा लिया गया है। घटना को सीएम योगी ने भी संज्ञान लिया। सीएम योगी ने अफसरों को तुरंत राहत बचाव कार्य के निर्देश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिविल लाइंस के एम जी मार्ग पर काफी हाउस के बगल में विट्ठल होटल है। सोमवार की दोपहर डेढ़ बजे करीब होटल के पास रखे ट्रांसफॉर्मर में अचानक से ब्लास्ट हो गया। जिसकी लपट होटल की तीसरी मंजिल तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी बिल्डिंग को अपने कब्जे में ले लिया। घटना के समय होटल के अंदर कई लोग फंसे थे। आग देखकर अफरा-तफरी मच गई। कई लोग अपनी-अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकले, लेकिन 13 लोग होटल की बिल्डिंग में ही फंस गए। होटल में मची चीख-पुकार को देखकर वाणी प्रकाशन के योगेंद्र यादव ने तुरंत इसकी सूचना फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने तुरंत राहत बचाव कार्य शुरू किया। अब तक 13 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। आग पर भी काबू पा लिया गया है। आग बुझाने के दौरान चीफ फायर आफिसर सतीश चंद्र का हाथ झुलस गया। इसके बाद मौके पर ही उनका प्राथमिक इलाज किया गया। होटल में लगभग 25 कमरे हैं। घटना में दो बाइकें और आधे से ज्यादा होटल जलकर राख हो गया। बिट्ठल होटल के मालिक आलोक परमार शहर के मम्फोर्डगंज में रहते हैं। गाजियाबाद के अरुण शर्मा होटल के 306 नंबर कमरे में रुके थे। उन्होंने बताया कि पहले ब्लास्ट की आवाज आई। आवाज सुनकर हम नीचे गए तो देखा कि ट्रांसफार्मर में आग लगी हुई थी। फिर आग ने होटल को चपेट में ले लिया। इसके बाद शोर मचाकर सभी को अलर्ट किया। हम लोगों ने भागकर जान बचाई। स्थानीय लोगों ने बताया कि होटल के पास दो ट्रांसफॉर्मर रखे थे। अधिक गर्मी के कारण दूसरे वाले ट्रांसफॉर्मर में अचानक से ब्लास्ट हो गया। ट्रांसफॉर्मर की आग ने होटल की तीसरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते होटल से ऊंची-ऊंची आग की लपटें उठने लगी, जिसे देखकर आसपास के लोगों में भी दहशत फैल गई। उनका कहना है कि आग प्रेम पुष्प प्लाजा की तीसरी मंजिल पर भी लगी थी। हालांकि समय रहते उसे बुझा लिया गया था, लेकिन होटल की आग विकराल रूप ले चुकी थी। आग ने होटल के नीचे खड़ी दो बाइकों को भी अपनी आगोश में ले लिया। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की आठ दमकल टीम को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

वाराणसी में 10 गांवों में सात घंटे में 20 बार गई बिजली, शहर में भी कई बार हुई ट्रिपिंग

वाराणसी (एजेंसी) वाराणसी जिले में शहर से लेकर गांव तक बिजली कटौती खूब हो रही है। ट्रिपिंग की समस्या इतनी बढ़ गई है कि बिजली कब आएगी और चली जाएगी, इसका कोई शेड्यूल नहीं रह गया है। रविवार को कछवा के 10 गांवों में सात घंटे यानी सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक 20 बार बिजली आई और गई। शहर के बीच सुंदरपुर, खोजवा, लंका से लेकर महमूरगंज, चौकाघाट आदि क्षेत्रों में भी यही हाल रहा। दिन की तुलना में रात में फॉल्ट सबसे ज्यादा हो रहा है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा का जोर ट्रिपिंग न होने, फाल्ट और तार टूटने आदि की समस्या के समाधान पर रहता है। इसके बाद भी जिले में बिजली आपूर्ति की स्थिति खराब है। ग्रामीण इलाकों में कछवा रोड स्थित सेवापुरी ब्लॉक के ठटरा विद्युत उपकेंद्र के पूरे फीडर से जुड़े 10 से ज्यादा गांवों में बिजली आपूर्ति रविवार को बाधित रही। सुबह 10 बजे बिजली गुल हो गई। लोगों ने इसकी सूचना उपकेंद्र को दी। इसके बाद किसी तरह बिजली आई लेकिन शाम 5 बजे तक करीब 20 से 25 बार ट्रिपिंग होती रही। इस वजह से समरसिबल न चलने से पीने का पानी सहित अन्य कामकाज प्रभावित रहा। पूरे गांव निवासी शिवाश्रय पटेल ने बताया कि दिन भर में एक घंटे ही बिजली आपूर्ति हुई। कछवा के चश्मा व्यापारी राजेश पटेल ने कहा कि बिजली न रहने से दुकानदारी प्रभावित हो रही है। ठटरा उपकेंद्र के जेई सुबोध कुमार सिंह ने बताया कि केबल फाल्ट होने की वजह से समस्या आई। शाम तक इसे ठीक कराया लिया गया। कर्मचारियों को समय से फाल्ट दूर करने को कहा गया है। बीच सड़क गिरा पेड़, 10 कॉलोनी में 4 घंटे आपूर्ति बाधित रविवार की शाम सुंदरपुर चौराहे पर पेड़ गिरने से दस कॉलोनियों की बिजली गुल हो गई। सरायनंदन, खोजवा, दशमी, बटुआपूरा, शुकुलपुरा, आशुतोषनगर, कृष्णदेव नगर आदि इलाकों में रविवार की शाम पांच बजे से ही बिजली गुल हो गई। 10 कॉलोनियों के करीब 50 से अधिक घरों में अंधेरा छाया रहा। लोगों ने जब उपकेंद्र पर फोन किया तो केबल में फॉल्ट होने की जानकारी मिली। करीब 4 घंटे तक बिजली आपूर्ति बहाल न होने

से पानी का संकट भी गहरा गया। उधर, रविवार को भोर में सेंट जॉन्स कॉलोनी मड़ौली, शिवदासपुर, ककरमत्ता, नाथुपुर के साथ ही रानीपुर, कृष्णानगर कॉलोनी, सूर्यबाग कॉलोनी आदि इलाकों में देर शाम से आधी रात तक बिजली की आवाजाही जारी रही।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

गोंद कतीरा से बनाएं 3 डिफरेंट और टेस्टी

ड्रिंक्स, गर्मियों में भी रहेंगे कूल-कूल

समर सीजन में आप खुद को सेहतमंद रखता चाहते हैं, तो आपको गोंद कतीरे का सेवन करना चाहिए। आप गोंद कतीरा स्मूदी, ड्रिंक्स और अन्य कई डिशेज में मिक्स कर सकती हैं। ऐसे में हम आपको गोंद कतीरा से बनने वाली तीन अलग-अलग टेस्टी ड्रिंक्स की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

गर्मियों के मौसम में गोंद कतीरा का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। तेज और चिलचिलाती धूप और लू से यह हमारा बचाव करती है। इसमें मौजूद नेचुरल कूलिंग प्रॉपर्टीज हमारे शरीर का तापमान बैलेंस में रखता है। इस मौसम में गोंद कतीरा खाने से पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं और शरीर को भी एनर्जी मिलती है। वहीं गर्मियों में यह डिहाइड्रेशन से भी बचाव करता है। इसकी तासीर ठंडी होती है और गर्मियों में इसका सेवन रामबाण माना जाता है। साथ ही यह हड्डियों को मजबूत बनाने में भी सहयता करता है।

ऐसे में समर सीजन में आप खुद को सेहतमंद रखता चाहते हैं, तो आपको गोंद कतीरे का सेवन करना चाहिए। आप गोंद कतीरा स्मूदी, ड्रिंक्स और अन्य कई डिशेज में मिक्स कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोंद कतीरा से बनने वाली तीन अलग-अलग टेस्टी ड्रिंक्स की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। आपको गर्मियों के मौसम में एक बार इस ड्रिंक को जरूर ट्राई करना चाहिए।

पुदीना-नींबू शिकंजी गोंद कतीरा शिकंजी रेसिपी

इस रेसिपी को बनाने के लिए एक बर्तन में गोंद कतीरा को भिगो दें।

अब एक मिक्सर जार में नींबू, पुदीना, काला नमक, जीरा और चीनी डालकर पीस लें।

फिर इस पेस्ट को एक बर्तन में निकाल लें।

एक गिलास में भीगा हुआ गोंद कतीरा डालें और फिर यह पेस्ट डालें।

इसके बाद ऊपर से ठंडा पानी और जलजीरा डालकर मिक्स करें।

बर्फ के टुकड़े ऊपर से डालकर सर्व करें।

गोंद कतीरा तरबूज शर्बत रेसिपी

गोंद कतीरा तरबूज शर्बत बनाने के लिए गोंद कतीरा को भिगो दें।

अब तरबूज को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

फिर मिक्सर जार में इसको पीस लें।

अब एक गिलास में गोंद कतीरा, तरबूज पेस्ट, तरबूज के कटे टुकड़े डालकर मिक्स करें।

इसके ऊपर से ठंडा पानी, काला नमक और बर्फ डालकर मिलाएं और फिर सर्व करें।

गोंद कतीरा मैंगो शेक रेसिपी

सबसे पहले गोंद कतीरा को कुछ देर के लिए पानी में भिगो दें।

फिर आम का छिलका हटाकर उसको टुकड़ों में काट लें।

अब एक जार में आम के टुकड़े, दूध और चीनी डालकर शेक बना लें।

इस शेक को एक बर्तन में निकाल लें और इसमें गोंद कतीरा मिलाएं।

इसमे कुछ आम के टुकड़े डालकर अच्छे से मिक्स करें।

फिर गिलास में कुछ बर्फ के टुकड़े डालें और ऊपर से मैंगो शेक डालें।

इस आसान तरीके से गोंद कतीरा मैंगो शेक बनकर तैयार हो जाएगा।

इस तरह बनाएंगे भरवां करेले तो हफ्तों तक नहीं होंगे खराब

करेले को अगर सही तरीके से न बनाया जाए तो इसका स्वाद बेस्वाद हो सकता है। यहां हम आपके लिए पंजाबी स्टाइल में करेला बनाने की रेसिपी लेकर आए हैं। इसे बनाकर आप करीब 10 दिन तक फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं।

स्वाद में कड़वा करेला सेहत के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। कोई सेहतमंद होने के लिए इसका जूस पीता है तो किसी को करेले की सब्जी बहुत अच्छी लगती है। विटामिन, मिनरल्स और पोषक तत्वों से भरपूर ये सब्जी यूं तो अमूमन हर घर में बनती है। लेकिन क्या कभी आपने पंजाबी स्टाइल में भरवां करेले बनाए हैं। ये न केवल स्वाद में बेहद टेस्टी होते हैं बल्कि इन्हें लंबे समय तक स्टोर भी किया जा सकता है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

भरवां करेला रेसिपी

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत

5-6 करेला
1 बड़ा प्याज बारीक कटा
1 स्पून अमचूर पाउडर
1 स्पून भुना जीरा पाउडर
1 स्पून सौंफ पाउडर
आधा स्पून लाल मिर्च पाउडर
आधा स्पून हल्दी पाउडर
1 स्पून धनिया पाउडर
एक पिंच हींग
नमक स्वादानुसार
तलने के लिए तेल

भरवां करेला बनाने की रेसिपी

पंजाबी स्टाइल में भरवां करेला बनाने के लिए सबसे पहले करेला को हल्का चाकू से छील लें। इसके बाद करेले को धोकर बीच में कट लगा दें। अगर बीज पसंद हैं तो रहने दें। वहीं अगर बीज पके हुए हैं तो इन्हें निकाल दें। इससे करेले में भरावन के लिए जगह बन जाएगी। करेले का कड़वापन दूर करने के लिए नमक लगाकर करीब 2 घंटे के लिए छोड़ दें। करेले के मसाले की तैयारी शुरू करें। इसके लिए सबसे पहले कड़ाही में तेल गर्म करें। फिर इसमें प्याज डालकर भूनें। प्याज के गोल्डन ब्राउन होने तक उसमें हल्दी पाउडर डालें।

फिर धनिया पाउडर, हींग, जीरा पाउडर मिलाएं। इसके बाद सौंफ पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाएं। खट्टेपन के लिए अमचूर पाउडर डालें। गैस बंद कर दें। अब नमक लगे करेला को दबाकर सारा पानी निकाल दें। करेले में जहां कट लगाया था वहां भरावन भरते जाएं। करेला को अच्छी तरह से दबा दें। ताकि मसाला बाहर न निकले।

जब सारे करेले भर जाएं तब कड़ाही में ऑयल डालें। आप चाहें तो इसे धागे से बांध भी सकती हैं। ताकि मसाला बाहर न निकले। अब तेल डालकर इसे फ्राई कर लें। फिर गैस को स्लो करके कम कर दें और ढक दें। बीच-बीच में करेला को पलटते रहें और पूरी तरह फ्राई होने तक पकाएं। दवा कर चेक करें कि ये पका है या नहीं। आप फ्रिज में इसे लंबे समय स्टोर कर सकती हैं।

अदरक को लंबे समय तक कैसे करें स्टोर?

फ्रेश रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स!

अदरक को आप अपने घर पर ही आसानी से लंबे समय तक स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप कुछ घरेलू उपाय को अपना सकते हैं।

भारतीय रसोई में अदरक का उपयोग काफी लंबे समय से होता रहा है। चाय हो या फिर कोई अन्य तरह की सब्जियां, इसके बिना स्वाद फीका पड़ जाता है। कई बार अदरक को लोग काफी मात्रा में खरीद लेते हैं, जो समय के साथ खराब होने लगता है। आप अदरक को घर पर आसानी से लंबे समय के लिए भी स्टोर कर सकते हैं, जिससे यह अधिक समय तक ताजा बना रहेगा। इस लेख में हम आपके लिए अदरक को स्टोर करने के लिए एकदम सस्ता उपाय बताने वाले हैं, जिससे आप न सिर्फ अदरक को फ्रेश रख सकते हैं, बल्कि आपको बार-बार इसको मार्केट से खरीदने की भी जरूरत नहीं होगी।

अदरक का पाउडर बनाएं

आप अदरक को सुखाकर पाउडर भी बना सकते हैं। अगर आपके पास अधिक मात्रा में अदरक है, तो उसे सबसे पहले धूप में सुखा लें और इसका पाउडर बना लें। इस तरह आप ड्राई जिंजर पाउडर को आप कई महीनों तक उपयोग कर सकते हैं।

पेपर में लपेटकर फ्रिज में करें स्टोर

अदरक को स्टोर करने के लिए आप पेपर का उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप अदरक को सही से धोकर सुखा लें। सूखने के बाद इसे पेपर में लपेटें। अब इसको एक एयरटाइट प्लास्टिक बैग में डालकर फ्रिज में रख दें। इस तरह अदरक करीब एक माह तक फ्रेश बनी रहेगी।

छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर करें स्टोर

अदरक को आप छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर भी स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले इसको कद्दूकस या फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इसको एयरटाइट बॉक्स में रखकर फ्रीजर में स्टोर करें। इस तरह यह अदरक लंबे समय तक खराब नहीं होगी।

मिट्टी के बर्तन में करें स्टोर

अदरक को पुराने समय में मिट्टी के बर्तन में स्टोर किया जाता था, जिससे यह लंबे समय तक खराब नहीं होता था। आप भी इस तरह से अदरक को स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप मार्केट से मिट्टी के बर्तन को खरीद लें। आप मटकी का उपयोग कर सकते हैं। इसमें अदरक को सुखाकर रखें। इस तरीके से आप बिना फ्रिज के भी अदरक को कई महीनों तक स्टोर कर सकते हैं।

तेज धूप से हाथों का रंग हो गया है काला तो ट्राई करें ये नुस्खा, तुरंत साफ होगी स्किन

गर्मियों में हम सभी अधिकतर कट स्लीव्स वाले कपड़े अधिक पहनते हैं। जिसकी वजह से हमारे हाथों पर अधिक टैनिंग नजर आती है और टैनिंग रिमूव करने के लिए प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स का असर कुछ ही समय रहता है।

बढ़ती धूप की वजह से हमारी त्वचा पर पसीना निकलता है, जिससे हमारी स्किन पर टैनिंग की समस्या सबसे ज्यादा होती है। क्योंकि गर्मियों में हम सभी अधिकतर कट स्लीव्स वाले कपड़े अधिक पहनते हैं। जिसकी वजह से हमारे हाथों पर अधिक टैनिंग नजर आती है और टैनिंग रिमूव करने के लिए प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स का असर कुछ ही समय रहता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खे ट्राई कर सकते हैं, जिससे आपकी त्वचा इवन नजर आएगी।

चावल के आटे का इस्तेमाल

चेहरे की चमक के लिए हम अक्सर चावल के आटे का इस्तेमाल करते हैं। आप चाहें तो हाथों की टैनिंग के लिए भी चावल के आटे का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसका स्क्रब बनाकर अप्लाई करें। जिससे आपकी स्किन इवन नजर आएगी।

चावल के आटे का स्क्रब

सबसे पहले एक कटोरी में चावल का आटा ले लें।

फिर इसमें थोड़ा सा दही और थोड़ा सा गुलाबजल मिलाएं।

अब इसका पेस्ट बनाकर अपने हाथों पर अप्लाई करें।

इसके बाद 10 मिनट के लिए सूखने के लिए छोड़ दें।

फिर किसी गीले कपड़े से हाथों को साफ कर लें।

इससे आपके हाथों की टैनिंग कम होगी।

आप कम से कम 10-15 दिन तक इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

टमाटर का इस्तेमाल

टैनिंग रिमूव करने के लिए टमाटर को सबसे अच्छा माना जाता है और यह इस मौसम में काफी सस्ता भी मिल रहा है। असल, में टमाटर में नेचुरल ब्लीचिंग गुण पाए जाते हैं, जिससे स्किन आसानी से साफ होती है और आप हाथों पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसे लगाएं टमाटर

एक टमाटर लेकर इसको काट लें।

अब इसमें थोड़ी सी चीनी लगाएं।

वहीं अब अपने हाथों को रब करना है।

इससे आपकी स्किन इवन नजर आने लगेगी।

इन तरीकों से आप टैनिंग वाले हाथों को साफ कर सकती हैं। इससे आपके हाथ साफ-सुथरे लगेंगे और हाथों पर कालापन भी नहीं नजर आएगा। इस तरह से टैनिंग रिमूव कर सकते हैं। हालांकि इसको अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें। इससे आपको अंदाजा हो जाएगा कि स्किन पर किस चीज को लगाना चाहिए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त समाचार

आव्रजन के खिलाफ लंदन की सड़कों पर उतरे 80 हजार लोग

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में शनिवार को दो अलग-अलग बड़ी रैलियां हुईं। एक रैली आव्रजन के खिलाफ थी, जबकि दूसरी रैली फलस्तीन के समर्थन में हुई। पुलिस का अनुमान है कि इन रैलियों में 80 हजार से ज्यादा लोग शामिल थे। पुलिस ने राजधानी के बाहर से बुलाए गए अतिरिक्त बलों सहित 4,000 अधिकारियों को तैनात किया। पुलिस ने रैलियों में 80 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने का अनुमान लगाया। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने यूनाइट द किंगडम मार्च के आयोजकों पर स्पष्ट रूप से नफरत और विभाजन फैलाने का आरोप लगाया। यह मार्च इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता स्टीफन यैक्सली-लेनन, जिन्हें टॉमी रॉबिन्सन के नाम से जाना जाता है द्वारा आयोजित किया गया था।

विश्वविद्यालयों में छात्र संघों पर प्रतिबंध के खिलाफ राजधानी में व्यापक प्रदर्शन

काठमांडो, एजेंसी। विश्वविद्यालयों में छात्र संघ पर प्रतिबंध के खिलाफ बड़ी संख्या में छात्रों ने नेपाल की राजधानी काठामांडो में प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने हाल ही में 100 सूत्री कार्य योजना की घोषणा की है, जिसके तहत विश्वविद्यालयों में छात्र संघों के कामकाज पर रोक लगा दी गई है। सरकार का कहना है कि शिक्षण संस्थानों को राजनीतिक दलों के औजार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने छात्र संघों पर प्रतिबंध का विरोध करें जैसे नारे लगाते हुए सरकार के इस कदम की आलोचना की। नेपाली छात्रों के 62वें छात्र दिवस के अवसर पर आयोजित यह प्रदर्शन त्रिचंद्र कैंपस से शुरू होकर काठमांडो के आरआर कैंपस में समाप्त हुआ। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय की स्वायत्तता की रक्षा, छात्रों के अधिकारों की गारंटी और संगठन बनाने की स्वतंत्रता के संरक्षण की मांग करते हुए नारे भी लगाए। नेपाल छात्र संघ, अखिल नेपाल स्वतंत्र छात्र संघ और अन्य समूहों ने इसमें हिस्सा लिया।

रवांडा नरसंहार के संदिग्ध फेलिसियन काबुगा की हिरासत में मौत

हेग , एजेंसी। रवांडा नरसंहार के संदिग्ध फेलिसियन काबुगा की 91 साल की आयु में मौत हो गई। काबुगा की मृत्यु नीदरलैंड के हेग में अस्पताल में हिरासत के दौरान हुई। संयुक्त राष्ट्र की एक अदालत ने शनिवार को बताया कि 91 वर्षीय काबुगा पर 1994 के नरसंहार में तुत्सी अल्पसंख्यक के सामूहिक नरसंहार को बढ़ावा देने और आर्थिक मदद मुहैया कराने का आरोप था। एक अनुमान के मुताबिक इस नरसंहार में आठ लाख लोग मारे गए थे। काबुगा पर मुकदमा 2022 में शुरू हुआ था। 2023 में, न्यायाधीशों ने उसे डिमेंशिया के कारण मुकदमा चलाने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। दोषी पाए जाने पर काबुगा को आजीवन कारावास की सजा हो सकती थी। कोर्ट ने अस्पताल में हुई मौत के बाद परिस्थितियों की जांच का आदेश दिया है।

इतालवी शहर में चालक ने पैदल यात्रियों को रौंदा, आठ घायल, चार गंभीर

मोडेना , एजेंसी। उत्तरी इतालवी शहर मोडेना में शनिवार को एक चालक ने पैदल यात्रियों को रौंद दिया। इस घटना में आठ लोग घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में कोई मौत नहीं हुई। महापौर मास्सिमो मेजेटी के अनुसार, एक महिला दुकान की खिड़की से दब गई, जिसके दोनों पैर काटने पड़े। 31 वर्षीय चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अधिकारी जांच कर रहे हैं कि उसने नशे में या जानबूझकर यह कृत्य किया। चालक ने भागने का प्रयास किया लेकिन नागरिकों और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उसके पास चाकू था, पर उसने किसी को नहीं मारा। इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने घटना को 'बेहद गंभीर' बताया।

मादुरो के करीबी सहयोगी एलेक्स साब वेनेजुएला से अमेरिका निर्वासित

वेनेजुएला , एजेंसी। वेनेजुएला सरकार ने निकोलस मादुरो के करीबी सहयोगी एलेक्स साब को अमेरिका निर्वासित किया है, जहां उसे न्यायिक कार्रवाई का सामना करना होगा। यह कैदी अदला-बदली में राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा माफी दिए जाने के तीन साल बाद हुआ। सरकार ने निर्वासन का स्थान नहीं बताया, पर यह अमेरिकी आपराधिक जांचों पर आधारित है। एसोसिएटेड प्रेस ने फरवरी में बताया कि अभियोजक साब की भूमिका की जांच कर रहे हैं। यह जांच वेनेजुएला के खाद्य आयात ठेकों से जुड़ी रिश्वतखोरी की साजिश से संबंधित है। साब ने सरकारी ठेकों से संपत्ति अर्जित की थी, जिसे अमेरिकी अधिकारी मादुरो का 'बैग मैन' बताते थे। नए वेनेजुएला नेतृत्व के सत्ता में आने के बाद साब का प्रभाव कम हो गया। उससे अपने पूर्व संरक्षक के खिलाफ गवाही देने के लिए कहा जा सकता है।

बालेंद्र सरकार को सुप्रीम झटका, भारतीय उत्पादों पर नहीं लगेगा सीमा शुल्क

काठमांडु, एजेंसी। झनेपाल में प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की नव निर्वाचित सरकार को देश के सर्वोच्च न्यायालय से एक बहुत बड़ा और करारा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत से नेपाल में लाए जाने वाले आम इस्तेमाल के भारतीय उत्पादों पर सीमा शुल्क लगाने के सरकार के एक विवादास्पद फैसले पर फिलहाल पूरी तरह से रोक लगा दी है। अदालत के इस अहम आदेश के बाद अब सीमा पार से 100 नेपाली रुपये से अधिक का सामान लाने पर आम जनता को सीमा शुल्क नहीं देना पड़ेगा।

दरअसल, हाल ही में नेपाल के वित्त मंत्रालय ने एक नया नियम लागू किया था। इस नियम के तहत यह अनिवार्य कर दिया गया था कि भारत से अगर कोई 100 नेपाली रुपये से ज्यादा का सामान लाता है, तो उसे सीमा शुल्क यानी टैक्स चुकाना ही होगा। जनता इस फैसले से बहुत परेशान थी और इसकी कड़ी आलोचना हो रही थी। अब नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को एक अंतरिम आदेश जारी करके सरकार के इस कठोर फैसले को लागू करने से रोक दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में क्या कहा है : सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस हरि प्रसाद फुयाल और जस्टिस टेक प्रसाद ढुंगाना की पीठ ने इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई की। अदालत ने प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिपरिषद, वित्त मंत्रालय और अन्य सभी संबंधित अधिकारियों को

स्पष्ट निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जब तक इस मामले में अदालत का कोई अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक इस विवादित सीमा शुल्क प्रावधान को बिल्कुल भी लागू न किया जाए।

अदालत में यह मामला किसने और क्यों उठाया : सरकार के इस फैसले के खिलाफ कुछ जागरूक वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अधिवक्ता अमितेश पंडित, आकाश महतो, सुयोगी सिंह और प्रशांत बिक्रम शाह ने वित्त मंत्रालय के इस फैसले को चुनौती देते हुए एक रिट याचिका दायर की थी। इन याचिकाकर्ताओं ने अदालत में तर्क दिया कि 100 नेपाली रुपये से ज्यादा के सामान पर टैक्स लगाने की नीति नेपाल के सीमा शुल्क अधिनियम-2081 के सख्त खिलाफ है। वकीलों ने बताया कि यह फैसला अधिनियम में दी गई छूट के प्रावधानों का सीधा-सीधा उल्लंघन करता है।

तराई-मधेस क्षेत्र में लोगों का गुस्सा क्यों भड़क रहा था : इस नए नियम के लागू होने के बाद नेपाल-भारत सीमा पर तराई-मधेस क्षेत्र की चौकियों पर बहुत कड़ी जांच शुरू हो गई थी। सीमा शुल्क वसूलने के इस अनिवार्य नियम के कारण सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने आम लोगों की सघन तलाशी लेनी शुरू कर दी थी। पहले आम नागरिकों को छोटी-मोटी रोजमर्रा की खरीदारी और घरेलू सामानों पर अनौपचारिक रूप से सीमा शुल्क में छूट मिल जाती थी। लेकिन छूट खत्म होने से लोगों में भारी आक्रोश फैलने लगा था।

सरकार ने यह कदम सीमा शुल्क की चोरी को रोकने के नाम पर उठाया था। लेकिन इसके आड़ में चौकियों पर बड़े पैमाने पर आम लोगों के खिलाफ ही सख्त कार्रवाई की जाने लगी थी। इस एकतरफा और कठोर नीति ने मधेस के सीमावर्ती जिलों में रहने वाले लोगों का जीवन बहुत ही मुश्किल कर दिया था। आम आदमी छोटी-सी खरीदारी के लिए भी परेशान हो रहा था। सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश अब तराई-मधेस और सीमावर्ती इलाकों की आम जनता के लिए एक बहुत बड़ी राहत बनकर आया है। लोगों ने इस फैसले का स्वागत किया है। फिलहाल, अदालत के इस कड़े रुख के बाद बालेंद्र शाह सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े हैं और सीमा पर एपीएफ की अनावश्यक सख्ती पर भी लगाम लग गई है।

पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी: बांग्लादेशी अफसर अब लाहौर में प्रशिक्षण लेंगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए भारत के मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी की जगह अब पाकिस्तान के लाहौर को चुना है। इसे भारत-बांग्लादेश संबंधों में आई दूरी और पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच इस तरह का पहला मामला बांग्लादेश के 12 वरिष्ठ अधिकारी इन दिनों लाहौर स्थित सिविल सर्विसेज एकेडमी में चार से 21 मई तक प्रशिक्षण ले रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच इस तरह का यह पहला व्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रम है। कार्यक्रम का पूरा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है बताया गया है कि प्रशिक्षण लेने वालों में एक अतिरिक्त सचिव और 11 संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इस कार्यक्रम का पूरा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है और इसमें बांग्लादेश सरकार की कोई आर्थिक भागीदारी नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के हटने के बाद बांग्लादेश-पाकिस्तान संबंध तेजी से मजबूत हुए हैं व कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है।

ईरान के लिए बहुत बुरा समय आने वाला है, डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दी धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर शांति समझौता जल्द नहीं हुआ तो तेहरान के लिए बहुत बुरा समय आने वाला है। फ्रांसीसी ब्रॉडकास्टर को दिए गए टेलीफोनिक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि ईरान को समझौते में दिलचस्पी रखनी चाहिए। उनका बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में बातचीत चल रही है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने नई दिल्ली में कहा कि ट्रंप प्रशासन से संदेश आए हैं जिसमें बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई गई है, लेकिन अमेरिका पर गहरे अविश्वास की वजह से प्रक्रिया धीमी हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बावजूद ईरान ने अमेरिका पर दो बार हमला करने का आरोप लगाया है, खासकर परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी पुरानी वार्ताओं के दौरान। अराघची ने वाशिंगटन के विरोधाभासी संकेतों को बातचीत में बाधा बताया। उन्होंने चीन जैसे देशों के कूटनीतिक समर्थन का स्वागत किया और क्षेत्रीय शांति के लिए भारत की बड़ी भूमिका की मांग की। वहीं, ईरान के संसद स्पीकर और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बागेर घालिबाफ ने कहा कि अमेरिका को ईरान के 14 सूत्री प्रस्ताव को स्वीकार करना चाहिए, नहीं तो उसे असफलता का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ईरानी प्रस्ताव को खारिज करते हुए युद्धविराम को जीवन रक्ष' पर

बताया था। इस बीच, मध्य पूर्व में तनाव जारी है। इजरायल ने हाल ही में विस्तारित युद्धविराम के बावजूद दक्षिणी लेबनान में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए हैं। लेबनानी मीडिया के अनुसार, 50 किलोमीटर से ज्यादा दूर के दो दर्जन से अधिक गांवों पर हमले हुए। इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बताया और कई गांवों के लिए निकासी चेतावनी जारी की। इन हमलों से सैकड़ों नागरिक बेघर हो गए और सिदोन व बेरूत की ओर पलायन शुरू हो गया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने युद्धविराम के विस्तार का स्वागत किया और सभी पक्षों से इसे पूरी तरह मानने की अपील की। युद्धविराम 17 अप्रैल को शुरू हुआ था और शुक्रवार को 45 दिनों के लिए बढ़ाया गया, लेकिन इसका उल्लंघन बार-बार हो रहा है। लेबनान के अनुसार, युद्ध शुरू होने से अब तक 2900 से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें युद्धविराम के बाद 400 से अधिक शामिल हैं। हिजबुल्लाह ने इजरायल पर हमले जारी रखे हैं। ईरान-अमेरिका वार्ता की सफलता न केवल क्षेत्रीय स्थिरता बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी अहम है।

राष्ट्रपति चुनाव से पहले कोलंबिया में हिंसा, पूर्व मेयर और उनके सहयोगी की गोली मारकर हत्या

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के मध्य इलाके में एक पूर्व मेयर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को इस घटना की जानकारी दी। इस हमले में पूर्व मेयर रोजर्स डेविया के साथ उनके एक सहायक एडर कार्डोना की भी मौत हो गई। डेविया राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला के करीबी सहयोगी थे। एस्प्रिएला नेशनल साल्वेशन मूवमेंट पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। यह हमला कुबरल के ग्रामीण क्षेत्र में हुआ। रोजर्स डेविया ने साल 2020 से 2023 के बीच इस शहर के मेयर के रूप में शासन किया था। कुबरल शहर राजधानी बोगोटा से लगभग 170 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। मेटा विभाग के लोकपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस हमले की जानकारी साझा की।

यह क्षेत्र वर्तमान में तीन सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। इनमें से दो समूहों को अमेरिकी सरकार ने आतंकवादी संगठन माना है। तीसरा समूह पूर्व विद्रोही संगठन 'फार्क' से अलग होकर बना एक गुट है। लोकपाल कार्यालय का कहना है कि इस तरह की हिंसा से 31 मई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में लोगों के राजनीतिक अधिकारों और लोकतांत्रिक भागीदारी पर बुरा असर पड़ सकता है।

आगामी राष्ट्रपति चुनाव में कम से कम छह उम्मीदवार हिस्सा ले रहे हैं। इनमें दो सदस्य छोटी वामपंथी पार्टियों से हैं। चुनाव के नियमों के अनुसार, यदि किसी भी उम्मीदवार को कुल वोटों का 50 प्रतिशत हिस्सा नहीं मिलता है, तो जून में शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच दोबारा मतदान कराया जाएगा।

कोलंबिया के गृह मंत्री अरमांडो बेनेडेटी ने सोशल मीडिया पर कहा कि जांच अधिकारी अभी तक यह नहीं जान पाए हैं कि डेविया पर हमला क्यों किया गया। मंत्री ने यह भी बताया कि पुलिस ने हाल ही में इसी शहर में एक अन्य राष्ट्रपति उम्मीदवार पालोमा वालेंसिया के एक कर्मचारी पर होने वाले हमले को नाकाम किया था। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

एपस्टीन फाइल्स की वजह से ब्रिटेन में उथल-पुथल, जल्द इस्तीफा पदे सकते हैं पीएम कीर स्टारमर

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन में बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल की वजह से प्रधानंत्री कीर स्टारमर अपना पद छोड़ने को तैयार हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने करीबियों से कहा है कि वह इस्तीफा देने को तैयार हैं। डेली मेलकी रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री कीर स्टारमर अपने हिसाब से आगे का कदम उठाएंगे। उन्हें इस्तीफा कब देना है, इसका विचार भी वह खुद ही करेंगे।

क्यों खतरे में है कीर स्टारमर की सरकार : जानकारी के मुताबिक यूके की लेबर सरकार संकटों से जूझ रही है। लोगों की इस सरकार में विश्वास कम हो गया है। लेबर पार्टी के पीटर मैंडलसन का नाम एपस्टीन फाइल्स में आने केबाद लोगों ने लेबर पार्टी पर अविश्वास जताया और स्थानीय चुनावों में इसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इसी वजह से कीर

स्टारमर पर भी इस्तीफा देने का दबाव बढ़ गया है।

गुरुवार को ब्रिटेन में क्षेत्रीय चुनाव हुए। यह चुनाव 136 क्षेत्रों में आयोजित किए गए। अंतिम नतीजों के अनुसार लेबर पार्टी ने परिषद की उन 2,200 से ज्यादा सीटों में से लगभग 1,200 सीटें गंवा दीं, जिन पर पहले उसका कब्ज़ा था। दक्षिणपंथी 'रिफॉर्म यूके ' पार्टी स्पष्ट विजेता के तौर पर उभरी और उसने लगभग 1,400 सीटें जीतीं।

बता दें कि लेबर पार्टी के ही 80 से ज्यादा सांसदों ने उनसे पद छोड़ने की अपील की है। बीते दिनों सरकार के तीन सदस्यों के इस्तीफा देने की बात भी सामने आई थी।

निगेल फराज के नेतृत्व वाली रिफॉर्म यूके को चुनावों का सबसे बड़ा विजेता माना जा रहा है। स्काई न्यूज के अनुसार, इसने अब तक 1,422 सीटें जीती हैं। लेबर पार्टी 980 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि लिबरल डेमोक्रेट्स और कंजरवेटिव पार्टी क्रमशः 834 और 754 सीटों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।प्लाइड सिमरु, जो वेल्स की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध एक मध्य-वामपंथी पार्टी है, 43 सीटों के साथ वेल्स सेनेड में सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। रिफॉर्म यूके 34 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि लेबर पार्टी नौ सीटों के साथ बहुत पीछे तीसरे स्थान पर है। वेल्स में 27 साल सत्ता में रहने के बाद लेबर पार्टी ने पहले ही हार स्वीकार कर ली थी।

स्टारमर ने इस्तीफा देने से कर दिया था इनकार : वहीं स्कॉटलैंड में, स्कॉटिश नेशनल पार्टी ने सबसे अधिक 58 सीटें जीतीं लेकिन बहुमत के लिए आवश्यक 65 सीटों से पीछे रह गई। लेबर और रिफॉर्म यूके 17-17 सीटों पर बराबरी पर हैं जबकि कंजर्वेटिव पार्टी की सीटें घटकर 12 रह गईं। अपनी पार्टी के लिए निराशाजनक नतीजों के बावजूद, स्टारमर ने इस्तीफा देने से मना करते हुए कहा था कि वह पीछे नहीं हटेंगे और देश को अराजकता में नहीं धकेलेंगे।

चीन की नई चाल, एशियाई समुद्र में बढ़ा रहा अपना दबदबा: बड़े बेड़ों की तैनाती

बीजिंग, एजेंसी। नई चाल के तह चीन एशिया के विवादित समुद्री इलाकों में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। इसके लिए वह मछली पकड़ने वाली नावों, कोस्ट गार्ड जहाजों और समुद्री मिलिशिया यूनिट्स के बड़े बेड़े तैनात कर रहा है। यह एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद बिना किसी सीधी सैन्य टकराव के अपना नियंत्रण मजबूत करना है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट और ताइवान न्यूज के हवाले से यह जानकारी दी गई है। हाल ही में चीन की लगभग 200 मछली पकड़ने वाली नावें येलो सी में और अंदर तक चली गईं। ये नावें उन समुद्री इलाकों के और करीब पहुंच गईं, जिन पर चीन और दक्षिण कोरिया दोनों अपना दावा करते हैं। जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस कंपनी Ingenispace द्वारा जुटाए गए डेटा से पता चला है कि अहम शिपिंग मार्गों और विवादित समुद्री क्षेत्रों में जहाजों की आवाजाही असामान्य रूप से बहुत ज्यादा बढ़ गई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बीजिंग अपनी 'ग्रे-जोन' रणनीति के तहत अब ज्यादा से ज्यादा नागरिक मछली पकड़ने वाले बेड़ों पर निर्भर हो रहा है। ये बेड़े दोहरे इस्तेमाल वाले ऑपरेशन्स के लिए तैयार किए गए हैं। इस रणनीति का मकसद धीरे-धीरे अपना प्रभाव बढ़ाना है, लेकिन साथ ही खुले युद्ध की स्थिति से भी बचना है।

चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर जेसन वांग ने कहा कि इन जहाजों की तैनाती से यह जाहिर होता है कि चीन अनियमित समुद्री ऑपरेशन्स के जरिए क्षेत्रीय समुद्री इलाकों पर अपना नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जहाजों की यह बढ़ती संख्या चीन की उस संभावित क्षमता को भी दर्शाती है, जिसके तहत वह तनाव बढ़ने की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक शिपिंग मार्गों को बाधित कर सकता है। पूर्वी चीन सागर में भी चीन की समुद्री गतिविधियां तेज हो गई हैं। 3 अप्रैल को 600 से ज्यादा चीनी मछली पकड़ने वाली नावें लगभग 18 घंटों तक एक लंबी कतार बनाकर खड़ी देखी गईं।

कोस्ट गार्ड की गश्त भी बढ़ी : इसके साथ ही, बीजिंग ने विवादित डियाओयुताई द्वीपों के आसपास कोस्ट गार्ड की गश्त भी बढ़ा दी। साउथ चाइना सी में, चीन ने पिछले एक साल में स्कारबोरो शोल के पास अपने कोस्ट गार्ड ऑपरेशन्स को कथित तौर पर दोगुना कर दिया है और इस इलाके को 'नेशनल नेचर रिजर्व' घोषित करने के बाद ज्यादा सख्त प्रशासनिक उपाय लागू किए हैं। वियतनाम के पास पैरासेल आइलैंड्स में नई कंस्ट्रक्शन एक्टिविटी देखी गई है।

क्या कह रहे एक्सपर्ट्स : सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के 'सीलाइट प्रोजेक्ट' के रिसर्चर्स ने बताया कि चीन ने पिछले साल समुद्री मिलिशिया और कोस्ट गार्ड जहाजों की सुरक्षा में 'एंटेलोप रीफ' का विस्तार करना शुरू कर दिया था। एक्सपर्ट्स ने कहा कि चीन का लंबे समय का मकसद विवादित पानी में अपने दबदबे को धीरे-धीरे सामान्य बनाना है, और साथ ही सीधे टकराव से बचना है। सीएसआईएस में जियोपॉलिटिक्स और विदेश नीति विभाग के प्रेसिडेंट विक्टर चा ने कहा कि चीन की कार्रवाइयां बहुत सोच-समझकर की गई हैं, ताकि बिना युद्ध छेड़े क्षेत्रीय नियंत्रण को मजबूत किया जा सके।

इराक के नए प्रधानमंत्री बने अली फलिह काजिम अल-जैदी, पीएम मोदी ने दी बधाई

बगदाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इराक के नए प्रधानमंत्री अली फलिह काजिम अल-जैदी को पद संभालने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इराक के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना संबंध रहे हैं और भारत इन रिश्तों को हर क्षेत्र में और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों की साझा तरक्की और समृद्धि के लिए नए इराकी प्रधानमंत्री के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा संदेश : प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अली फालिह काजिम अल-जैदी को इराक का प्रधानमंत्री बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं। भारत इराक के साथ अपने पुराने और मजबूत संबंधों को बहुत महत्व देता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, निवेश और कूटनीतिक सहयोग आने वाले समय में और मजबूत होगा।

अमेरिकी राजदूत ने भी दी अल-जैदी को बधाई : वहीं, तुर्किये में अमेरिका के राजदूत और सीरिया के लिए विशेष दूत टॉम बैरक ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका इराक में नए नेतृत्व का स्वागत करता है और दोनों देशों के साझा हितों पर मिलकर काम करना चाहता है। अमेरिका चाहता है कि इराक एक मजबूत, स्थिर और समृद्ध देश बने, जो अपने पड़ोसी देशों के साथ शांति बनाए रखे और अपने नागरिकों को बेहतर अवसर दे। टॉम बैरक ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और

अमेरिका की सरकार इराक के साथ आतंकवाद खत्म करने और आर्थिक विकास बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने को तैयार हैं। इराकी संसद ने 14 मई को अली अल-जैदी की सरकार को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि देश में हथियारों पर सिर्फ सरकार का अधिकार होना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका लगातार इराक पर दबाव बना रहा है कि वह ईरान समर्थित हथियारबंद गुटों को कमजोर करे और उन्हें निरस्त्र करे।

इराक की नई सरकार को यूएन ने भी दी बधाई : संयुक्त राष्ट्र ने भी नई सरकार के गठन का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि यूएन इराक के लोगों के आर्थिक और सामाजिक विकास में सहयोग जारी रखेगा। यूरोपीय संघ ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए देश की एकता, संप्रभुता और स्थिरता के समर्थन की बात दोहराई। वहीं जापान ने इराक में सुरक्षा स्थिति बेहतर होने पर खुशी जताई और कहा कि वह इराक में निवेश तथा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान रक्षा बजट में करने जा रहा 100 अरब की बढ़ोतरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार अगले वित्त वर्ष में रक्षा बजट में करीब 100 अरब पाकिस्तानी रुपये की बढ़ोतरी कर सकती है। सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समर्थित सुधार कार्यक्रम के तहत अपना बजट तैयार कर रही है, जिसमें राजस्व में भारी वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मालूम हो कि पाकिस्तान ने पिछले साल भारत के खिलाफ बड़ा युद्ध हारा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तानी सेना को बुरी तरह से पराजित करते हुए कई ठिकानों पर मिसाइलों से हमले किए थे। संघर्ष के दौरान पाकिस्तान भारत से बुरी तरह से 'पिटा' था। ऐसे में अब अगले साल से रक्षा बजट के इतना बढ़ाए जाने से आशंका जताई जा रही है कि क्या पाकिस्तानी सेना कोई बड़ी तैयारी तो नहीं कर रही है और भारत के लिए बड़ा खतरा तो नहीं पैदा होने जा रहा? माना जा रहा है कि इसके जरिए वह अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाएगा और हथियारों की खरीद भी बढ़ा सकता है, जिससे मुनीर की सेना की ताकत में इजाफा होगा। अखबार 'डॉन' ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि 2026-27 के लिए रक्षा खर्च 2.66 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये रहने का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष में 2.56 लाख करोड़ रुपये है। रिपोर्ट के अनुसार, आईएमएफ ने 2026-27 में पाकिस्तान की कुल संघीय आय 17.14 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये रहने का अनुमान लगाया है। यह मौजूदा वित्त वर्ष की तुलना में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक और करीब 13.5 प्रतिशत ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान ने केंद्र और प्रांतीय सरकारों के कुल खर्च को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.2 प्रतिशत तक बढ़ाकर 4.23 लाख करोड़ रुपये करने का वादा किया है। साथ ही जून 2027 तक केंद्र और प्रांतीय सरकारों के सभी भुगतानों को डिजिटल माध्यम से करने

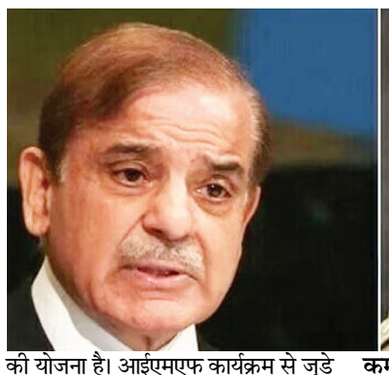

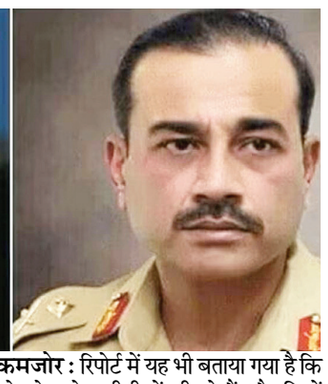

की योजना है। आईएमएफ कार्यक्रम से जुड़े व्यापक सुधारों के तहत सरकार इस वर्ष के अंत तक सबसे अधिक भ्रष्टाचार प्रभावित 10 संस्थानों की पहचान कर उनका विस्तृत अध्ययन और लेखा जांच करेगी। प्रांतीय भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियों को भी मजबूत किया जाएगा।

40 फीसदी आबादी आर्थिक रूप से कमजोर : रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जो लोग घोर गरीबी में जी रहे हैं और जिन्हें सामाजिक सहायता मिल रही है, उनके अलावा भी लगभग 40 फीसदी आबादी आर्थिक रूप से कमजोर बनी हुई है। आईएमएफ का एक मिशन इस समय पाकिस्तान में है, जो 2026-27 के बजट से पहले बजट पर होने वाली चर्चाओं को अंतिम रूप देने के लिए आया है। उम्मीद है कि यह बजट अगले महीने की शुरुआत में कैबिनेट और संसद के सामने पेश किया जाएगा।

कांगो के इटुरी प्रांत में इबोला से अब तक 80 मौतें, स्वास्थ्यकर्मी सक्रिय : ब्राज़ाविल, एजेंसी। कांगो के पूर्वी इटुरी प्रांत में इबोला बीमारी के नए प्रकोप से कम से कम 80 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मी बीमारी को रोकने के लिए स्क्रीनिंग और संपर्क ट्रेसिंग तेज कर रहे हैं। शुक्रवार को इस प्रकोप की घोषणा की गई थी, तब 65 मौतें और 246 संदिग्ध मामले थे। कांगो के स्वास्थ्य मंत्री सैमुअल-रोजर काम्बा ने आठ प्रयोगशाला-पुष्टि मामलों की जानकारी दी, जिनमें चार मौतें शामिल हैं। परीक्षणों में बंडिबुग्यो वायरस की पुष्टि हुई है। यह कांगो में इबोला का 17वां प्रकोप है। इबोला अत्यधिक संक्रामक और अक्सर घातक होता है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

परमाणु संयंत्र पर हमले से तेल बाजार में भूचाल, अंतरराष्ट्रीय तनाव चरम पर

भू-राजनीतिक तनाव से कच्चे तेल में भारी तेजी, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर के पार

नई दिल्ली।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए ड्रोन हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें दो सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के ठप पड़ने से निवेशक घबराए हुए हैं। हमले की खबर आते ही कच्चे तेल के दोनों बेंचमार्क में जोरदार उछाल आया। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 1.32 फीसदी बढ़कर 110.70 डॉलर प्रति बैरल पर, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.75 फीसदी की तेजी के साथ 107.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह 5 मई के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। अमीराती अधिकारियों ने बराकाह परमाणु संयंत्र पर हमले की पुष्टि करते हुए इसे आतंकी हमला करार दिया और करारा जवाब देने की बात कही। इसी बीच सऊदी अरब ने भी इराकी हवाई क्षेत्र से आए तीन लड़ाकू ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य विकल्पों पर चर्चा ने तनाव को और बढ़ा दिया है। आईजी मार्केट के विश्लेषकों के अनुसार ये ड्रोन हमले वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक गंभीर चेतावनी हैं। यदि अमेरिका या इज़राइल की ओर से ईरान पर कोई जवाबी कार्रवाई होती है, तो खाड़ी क्षेत्र के महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले और तेज हो सकते हैं। शांति समझौते की उम्मीदें खत्म होने से तेल की कीमतों में यह तेजी जारी रहने की आशंका है।

मिड-स्मॉलकैप फंडों में मजबूत वापसी, पर विशेषज्ञ दे रहे फूंक-फूंक कर कदम चलने की सलाह

अप्रैल में मिडकैप ने 11 फीसदी और स्मॉलकैप ने 13.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली ।

अप्रैल महीने में मिडकैप और स्मॉलकैप फंडों ने शानदार प्रदर्शन किया, जहां मिडकैप ने औसतन 11 फीसदी और स्मॉलकैप ने 13.5 फीसदी का इजाफा दर्ज किया। यह वृद्धि निवेशकों के लिए राहत लेकर आई है, लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस श्रेणी में अभी भी कुछ चिंताएं बरकरार हैं। इसलिए, निवेशकों को इस चमकती वापसी के बावजूद अपने कदमों को सावधानी से आगे बढ़ाना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार यह मौजूदा उछाल 2024 के आखिरी महीनों के दौरान इन श्रेणियों में आई भारी गिरावट के बाद की तेजी है, जब मिडकैप और स्मॉलकैप में कुछ जगह 25 से 35 फीसदी की गिरावट देखी गई थी। निप्पॉन इंडिया म्युचुअल फंड के एक अे धिकारी बताते हैं`` कि इस गिरावट की वजह अत्यधिक महंगे शेयर और राजकोषीय व मौद्रिक नीतियों में सख्ती के बाद वृद्धि के कमजोर आसार थे। इस गिरावट ने शेयरों को कम कीमत पर लुभावना बना दिया, जिससे निवेशकों को दोबारा निवेश करने का अवसर मिला। एडलवाइस म्युचुअल फंड के एक अे धिकारी के अनुसार मार्च में बाजार का 10 फीसदी से ज्यादा लुढ़कना अनुमान से कहीं अधिक था। मौजूदा तेजी भू-राजनीतिक समस्याओं के जल्द सुलझने और कमाई में इजाफे की रफ्तार कम न होने की उम्मीदों पर आधारित है। साथ ही, घरेलू खपत में भी पूरी तरह गिरावट नहीं आई है। जीएसटी संग्रह, ऋण उठान में वृद्धि और कुछ क्षेत्रों में कंपनियों का मुनाफा बताता है कि देश के भीतर खपत बरकरार है। मंदी के बावजूद खुदरा निवेशकों ने एसआईपी के माध्यम से शेयरों में निवेश जारी रखा है। आगे की तेजी भू-राजनीतिक तनाव में कमी और कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर करेगी। प्लान अहेड वेल्थ एडवाइजर्स के विशाल धवन के मुताबिक, तेल की कीमत लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल और रुपये में ठहराव महंगाई को थामने और आय तथा विदेशी निवेश को बल देगा। शेयरों की कीमत के हिसाब से अर्निंग में इजाफा भी महत्वपूर्ण है।

शेयर बाजार में बढ़ा म्यूचुअल फंड्स का दबदबा, कमजोर पड़ी एलआईसी की पकड़

पांच साल में तेजी से घटा एलआईसी का हिस्सा

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की शेयर बाजार पर पकड़ लगातार कमजोर हो रही है। दूसरी ओर म्यूचुअल फंड उद्योग का दबदबा तेजी से बढ़ा है, जो पिछले 14 वर्षों में प्रमुख बदलाव का संकेत है। हाल ही में जारी` किए गए आंकड़ों के अनुसार यह अंतर लगातार पांचवें साल बढ़ा है। मार्च 2012 में, एलआईसी के पास सार्वजनिक कारोबार के लिए उपलब्ध सूचीबद्ध शेयरों के मूल्य का 10.67 फीसदी हिस्सा था, जो मार्च 2026 तक घटकर 7.42 फीसदी रह गया। इसी अवधि में, म्यूचुअल फंड उद्योग का हिस्सा 7.06 फीसदी से बढ़कर 22.92 फीसदी हो गया है। एक अे धिकारी ने बताया कि म्यूचुअल फंडों का बढ़ता दबदबा खुदरा निवेशकों के निरंतर निवेश का परिणाम है। यह रुझान फिलहाल धीमा होता नहीं दिख रहा। उन्होंने कहा कि बाजार हिस्सेदारी घटने के बावजूद, एलआईसी अभी भी सबसे बड़ी अकेली परिसंपत्ति प्रबंधक बनी हुई है, जिसकी इक्विटी परिसंपत्तियां

सबसे बड़े म्यूचुअल फंड से कम से कम दोगुनी हैं। उनके अनुसार म्यूचुअल फंडों के विपरीत, एलआईसी पर मोचन (रिडम्पशन) का वैसा दबाव या मासिक खुलासे की बाध्यता नहीं होती। एलआईसी की कुल इक्विटी होल्डिंग्स का मूल्य 15.11 लाख करोड़ रुपये है। रिलायंस इंडस्ट्रीज (1.2 लाख करोड़ रुपये) में उसकी सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। इसके अतिरिक्त, एसबीआई, एलएंडटी, आईटीसी और इन्फोसिस में भी उसकी 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की हिस्सेदारी है।

प्रूडेंशियल भारती लाइफ में 75 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगा

चेसिस निर्यात में भारत की बड़ी छलांग

मुंबई ।

ब्रिटिश बीमा दिग्गज प्रूडेंशियल ने भारती लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में 75 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने पर सहमति जताई है, जो भारत में उसके परिचालन को बेहतर बनाने की नई रणनीति का हिस्सा है। रॉयटर्स के अनुसार, इस सौदे में 35 अरब रुपए का प्रारंभिक नकद भुगतान शामिल है, साथ ही शर्तों के आधार पर 7 अरब डॉलर अतिरिक्त देय हो सकते हैं। इस अधिग्रहण के बाद भारती लाइफ इंश्योरेंस का बहुमत स्वामित्व प्रूडेंशियल के पास होगा। हालांकि, नियामक मंजूरी के लिए कंपनी को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ में अपनी हिस्सेदारी 10 फीसदी से कम करनी होगी। यह कदम भारत के जीवन बीमा कारोबार में बहुमत स्वामित्व हासिल करने की प्रूडेंशियल की रणनीति का हिस्सा है। भारती लाइफ, भारती एयरटेल और 360 वन के साथ रणनीतिक वितरण समझौतों पर भी विचार करेगी। इसी बीच, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के इंजन लगे चेसिस का निर्यात 302.3 मिलियन डॉलर (28.98 अरब डॉलर) तक पहुंच गया, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात (144.3 मिलियन) सबसे बड़ा आयातक रहा। यह वृद्धि वैश्विक मांग और देश की बढ़ती ऑटोमोबाइल विनिर्माण क्षमता को दर्शाती है। फिलीपीन, बांग्लादेश और अमेरिका भी प्रमुख आयातक रहे।

रुपए में ऐतिहासिक गिरावट डॉलर के आगे बेबस, क्या 100 की ओर जा सकता है?

कच्चे तेल की कीमतें, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी बिकवाली ने बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली ।

भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार दबाव में है और हाल ही में रिकॉर्ड निचले स्तर 96.14 प्रति डॉलर तक पहुंच गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और भू-राजनीतिक तनाव जैसे कई कारकों ने रुपये पर चौतरफा दबाव बढ़ाया है, जिससे इसकी स्थिति और नाजुक हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर मौजूदा हालात नहीं सुधरे तो रुपया डॉलर के मुकाबले 100 के मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब जा सकता है। रुपये की इस कमजोरी के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी और अमेरिका में ऊंची ब्याज दरों के चलते विदेशी निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों से पूंजी निकालकर अमेरिकी बाजारों की ओर बढ़ रहे हैं। जब ये निवेशक रुपये बेचकर डॉलर खरीदते हैं, तो डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसके अलावा, दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता या युद्ध जैसे हालात होने पर निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर अमेरिकी डॉलर की ओर रुख करते हैं, जिससे उसकी मांग और बढ़ जाती है। भारत अपनी 90 फीसदी से अधिक तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। कच्चे तेल की मौजूदा ऊंची कीमतें (लगभग 111 डॉलर प्रति बैरल) देश के आयात बिल को बढ़ा रही हैं, जो रुपये पर और दबाव डालता है। मिडिल ईस्ट में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव भी निवेशकों की चिंता बढ़ा रहा है, जिससे डॉलर को सुरक्षित आश्रय के रूप में देखा जा रहा है। कमजोर रुपये का सबसे बड़ा असर आयात पर

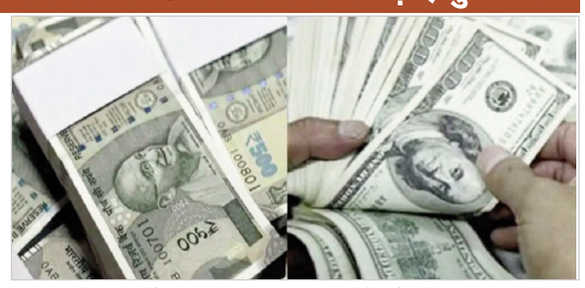

निर्भर सेक्टरों जैसे एविएशन, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और एफएमसीजी पर पड़ेगा, क्योंकि उनकी लागत बढ़ जाएगी। इससे स्मार्टफोन, लैपटॉप, लग्जरी कार और कई दवाइयां महंगी हो सकती हैं, जिससे आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ेगा। हालांकि, कुछ सेक्टरों को फायदा भी मिल सकता है। आईटी सर्विसेज, फार्मा, टेक्सटाइल और स्पेशलिटी केमिकल्स जैसी निर्यात आधारित कंपनियों की कमाई बढ़ सकती है, क्योंकि उन्हें डॉलर में भुगतान मिलता है और रुपये में बदलने पर उन्हें अधिक राशि मिलती है। इससे भारतीय उत्पादों का निर्यात भी विदेशों में सस्ता हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर कच्चा तेल 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचता है और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ता है, तो रुपया 100 के स्तर के करीब जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये को स्थिर रखने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग और मौद्रिक नीति में बदलाव जैसे कदम उठा सकता है।

पश्चिम बंगाल में बड़े टेक निवेश की तैयारी, केंद्र कर रहा वैश्विक दिग्गजों से बात

कोलकाता । केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल को एक प्रमुख तकनीकी केंद्र बनाने की दिशा में सक्रिय हो गई है। राज्य में डेटा सेंटर, हाइपरस्केलर और रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) हब में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए गूगल, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ-साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज और अदाणी समूह जैसे भारतीय समूहों से बातचीत की जा रही है। सेमीकंडक्टर कंपनियों और अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) को भी राज्य में लाने का प्रयास जारी है। यह पहल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य चुनावों में जीत के बाद तेज हुई है, जिसने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 साल पुराने शासन का अंत किया। पश्चिम बंगाल में औद्योगिक और आर्थिक विकास को फिर से गति देना भाजपा के चुनावी अभियान का प्रमुख मुद्दा था। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि बातचीत सकारात्मक रही है। फिलहाल, राज्य सॉफ्टवेयर निर्यात में केवल 2.1 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सातवें स्थान पर है, जो इसे कर्नाटक जैसे अग्रणी राज्यों से काफी पीछे रखता है। जून तक कुछ निवेशों को अंतिम रूप देकर घोषित किए जाने की उम्मीद है।

अदाणी ग्रुप बिहार के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर करेगा 60,000 करोड़ तक निवेश अदाणी

चेयरमैन गौतम अदाणी ने सारण में अखण्ड ज्योति आई हॉस्पिटल के उद्घाटन पर की घोषणा

पटना ।

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बिहार के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए अगले तीन से चार वर्षों में 50,000 करोड़ से 60,000 करोड़ रुपये तक के विशाल निवेश का ऐलान किया है। उन्होंने यह महत्वपूर्ण घोषणा सारण के मस्तीचक में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल- अदाणी सेंटर फॉर आई डिजीज के उद्घाटन समारोह के दौरान की।

गौतम अदाणी ने कहा कि अदाणी ग्रुप का लक्ष्य बिहार की प्रगति और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से काम करना है। उन्होंने बताया कि भागलपुर जिले के पीरपैंती में 2,400 मेगावाट पावर प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास हो चुका है और उस पर काम चल रहा है। इसके साथ ही, राज्य में कई रोड प्रोजेक्ट्स पर भी अदाणी ग्रुप सक्रिय है। अदाणी ने बिहार के विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा` कि बिहार की ग्रोथ का समय आ गया है। यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिकीकरण की काफी जरूरत है, जिसका लाभ राज्य की जनता को उठाना

चाहिए। उनकी पत्नी और अदाणी फाउंडेशन की चेयरपर्सन प्रीति अदाणी के साथ बिहार पहुंचे गौतम अदाणी ने इस पावन भूमि, विशेषकर मस्तीचक में आकर खुशी और गौरव व्यक्त किया। उन्होंने गायत्री शक्तिपीठ के दर्शन से असीम शांति मिलने और समाज के लिए कुछ बेहतर करने की प्रेरणा मिलने की बात कही।

गोल्डलाइन फार्मा आईपीओ ने रचा इतिहास, निवेशकों को बंपर मुनाफे की उम्मीद

840 गुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ आईपीओ, 19 मई को लिस्टिंग

मुंबई ।

गोल्डलाइन फार्मास्युटिकल के आईपीओ ने निवेशकों के बीच अभूतपूर्व उत्साह जगाया है। इसकी जबरदस्त प्रतिक्रिया और ग्रे मार्केट में 46 फीसदी से अधिक प्रीमियम पर कारोबार इसकी मजबूत लिस्टिंग की प्रबल संभावना दर्शाते हैं। गोल्डलाइन फार्मास्युटिकल का आईपीओ 12 मई को खुला था और 14 मई तक निवेश के लिए उपलब्ध रहा।

इस दौरान कंपनी के 43 रुपए प्रति शेयर के इश्यू प्राइस वाले आईपीओ को कुल 840.74 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जो एक रिकॉर्ड है। लगभग 12 करोड़ रुपए के इस आईपीओ के शेयरों की लिस्टिंग मंगलवार, 19 मई को होनी है। ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम 20 रुपए तक पहुंच गया है, जिससे यह करीब 63 रुपए पर लिस्ट हो सकता है। यह आईपीओ पाने वाले निवेशकों को लिस्टिंग के दिन ही 46 फीसदी से ज्यादा के बंपर मुनाफे का संकेत देता है। गोल्डलाइन फार्मास्युटिकल गोल्डलाइन ब्रांड से फार्मा उत्पादों की मार्केटिंग करती है। कंपनी थर्ड पार्टी मैन्युफैक्चरर्स से उत्पाद तैयार करवाकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश सहित 7 राज्यों में वितरित करती है।

मारुति सुजुकी ने खरखौदा में दूसरा संयंत्र शुरू किया, उत्पादन क्षमता दोगुनी हुई

कंपनी की कुल क्षमता बढ़कर 26.5 लाख इकाई पर पहुंची

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने सोमवार को हरियाणा के खरखौदा स्थित अपनी विनिर्माण इकाई के दूसरे संयंत्र में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने की घोषणा की है। इस कदम से कंपनी की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो बाजार में बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायक होगी। मारुति सुजुकी के इस नए संयंत्र के शुरू होने से खरखौदा इकाई की वार्षिक उत्पादन क्षमता में 2.5 लाख इकाई का इजाफा हुआ है। इसके साथ ही खरखौदा संयंत्र की कुल क्षमता अब 5 लाख इकाई प्रति वर्ष हो गई है। इस विस्तार के परिणामस्वरूप कंपनी के गुरुग्राम, मानेसर, खरखौदा (हरियाणा) और हंसलपुर (गुजरात) स्थित सभी संयंत्रों की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़कर 26.5 लाख इकाइयों पर पहुंच गई है। कंपनी ने बताया कि पूरी तरह से संचालित होने पर खरखौदा संयंत्र मूल कंपनी सुजुकी के सबसे बड़े चार पहिया वाहन विनिर्माण स्थलों में से एक होगा, जिसकी क्षमता प्रति वर्ष 10 लाख वाहन बनाने

की होगी। मारुति सुजुकी ने पहले ही वित्त वर्ष 2026-27 तक पांच लाख इकाइयों की अतिरिक्त क्षमता जोड़ने की योजना की घोषणा की थी। वर्तमान में इस इकाई में कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा और मिड-एसयूवी मॉडलों का उत्पादन किया जा रहा है। यह विस्तार भविष्य की विकास योजनाओं के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पटसन संकट गहराया मिलें बंद, हजारों श्रमिक बेरोजगार, सरकार से हस्तक्षेप की अपील

हुगली में 14 मिलें बंदी की कगार पर, 75,000 श्रमिक प्रभावित

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल का पटसन उद्योग कच्चे पटसन की भारी कमी और कीमतों में बेतहाशा उछाल के कारण गहरे संकट में है। इस स्थिति ने बड़े पैमाने पर मिल बंद होने और हजारों श्रमिकों के बेरोजगार होने की आशंका पैदा कर दी है, जिसके चलते उद्योग ने राज्य में नवगठित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन (आईजेएमए) के अनुसार हुगली औद्योगिक क्षेत्र में कम से कम 14 मिलें या तो बंद हो गई हैं या कच्चे पटसन की कमी और अव्यवहार्य लागत के कारण गंभीर उत्पादन बाधा का सामना कर रही हैं। इससे उत्तर 24 परगना और हुगली जिलों सहित आसपास के क्षेत्रों में अनुमानित 75,000 श्रमिक पहले ही अनैच्छिक बेरोजगारी का शिकार हो चुके हैं। जूट बेलर्स एसोसिएशन (जेबीए) की 17,100 रुपये प्रति क्विंटल की उच्च दरें और व्यापार पर प्रतिबंध ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। उद्योग प्रतिनिधियों का आरोप है कि यह संकट केवल मौसमी कमी नहीं, बल्कि लंबे समय से जारी सट्टा भंडारण, विकृत बाजार परिस्थितियों एवं प्रशासनिक निष्क्रियता का परिणाम है। शून्य-भंडार आदेश को भी एक दोधारी तलवार बताया गया है, जो मिलों और आपूर्तिकर्ताओं दोनों को प्रभावित कर रहा है। मिल मालिकों ने नई सरकार से शेष भंडार जारी करने, आपातकालीन आयात की अनुमति देने और उद्योग के लिए व्यवहार्य मूल्य दायरा बहाल करने का आग्रह किया है। उन्होंने शून्य-भंडार आदेश को वापस लेने या उसकी समयसीमा बढ़ाने की भी मांग की है ताकि उपलब्ध कच्चा पटसन बाजार में आ सके। पटसन क्षेत्र में लगभग दो लाख श्रमिक कार्यरत हैं, और उद्योग को डबल इंजन सरकार से स्थिरता और सहयोग की उम्मीद है।

जीई एयरोस्पेस का पुणे संयंत्र में 100 करोड़ का नया निवेश

उत्पादन क्षमता बढ़ाने और वैश्विक आपूर्ति को मजबूत करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी जीई एयरोस्पेस ने भारत में अपनी विनिर्माण क्षमता और उपस्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से पुणे स्थित अपने संयंत्र में 100 करोड़ रुपये के नए निवेश की घोषणा की है।

इस ताजा निवेश के साथ, पिछले तीन वर्षों में वाणिज्यिक विमान इंजनों के महत्वपूर्ण घटक बनाने वाले इस संयंत्र में कंपनी का कुल निवेश 510 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा, जो देश में मेक इन इंडिया पहल के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि यह 100 करोड़ रुपये नई वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों, उन्नत निरीक्षण उपकरणों, सटीक औजारों, गेज, फिक्स्चर और अतिरिक्त अवसंरचना उन्नयन पर खर्च किए जाएंगे।

इसका प्राथमिक उद्देश्य उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना, प्रक्रियाओं की सटीकता में सुधार लाना और वैश्विक ग्राहकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले घटकों की निर्बाध आपूर्ति को सुनिश्चित करना है। जीई एयरोस्पेस के अनुसार यह नवीनतम निवेश पिछले दो वर्षों में घोषित 410 करोड़ रुपये के निवेश का पूरक है, जिससे पुणे संयंत्र में तीन साल का कुल निवेश 510 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा। पुणे विनिर्माण संयंत्र के एक अे धिकारी ने इस कदम को भारत में विनिर्माण के प्रति कंपनी की मजबूत प्रतिबद्धता बताया।

उन्होंने कहा कि हम कौशल विकास पर भी काम कर रहे हैं, जो भारत में वैमानिकी उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बनेगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कंपनी आपूर्तिकर्ताओं और कौशल विकास के माध्यम से भारत में वैमानिकी उद्योग के लिए सरकार के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। पुणे संयंत्र के पास स्थानीय स्तर पर 300 से अधिक आपूर्तिकर्ता हैं।

जबकि भारत में जीई एयरोस्पेस के कुल आपूर्तिकर्ताओं का नेटवर्क 2,200 से अधिक है। 2015 से अब तक, इस संयंत्र ने 5,000 से अधिक उत्पादन सहयोगियों को प्रशिक्षित किया है, जिससे देश में वैमानिकी विनिर्माण प्रतिभा का एक मजबूत आधार तैयार हुआ है। बेंगलुरु में जीई एयरोस्पेस का एक प्रौद्योगिकी केंद्र भी कार्यरत है।

चीन करेगा 17 अरब डॉलर सालाना अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा के बाद व्हाइट हाउस ने घोषणा की है कि चीन 2026 से सालाना 17 अरब अमेरिकी डॉलर के कृषि उत्पादों की खरीद करेगा। यह कदम व्यापार युद्ध से प्रभावित अमेरिकी किसानों को बड़ी राहत देगा और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में सुधार का संकेत है। यह समझौता 2026 से 2028 तक प्रति वर्ष 17 अरब डॉलर के स्तर पर रहेगा। इसमें अमेरिकी कृषि विभाग द्वारा बर्ड फ्लू से मुक्त घोषित किए गए राज्यों से पोल्ट्री आयात फिर से शुरू करना शामिल है। यह पिछली सोयाबीन खरीद प्रतिबद्धताओं के अतिरिक्त होगा। समझौते के तहत दोनों पक्ष एक-दूसरे की कृषि आयात संबंधी गैर-शुल्क बाधाओं और बाजार पहुंच की चिंताओं को दूर करने पर सहमत हुए हैं, जिसमें

चीनी डेयरी व समुद्री उत्पाद और अमेरिकी गोमांस प्रसंस्करण इकाइयां शामिल हैं। कुछ उत्पादों पर जवाबी शुल्क कटौती पर भी सहमति बनी है। हालांकि, चीन ने अभी तक इस समझौते की तत्काल पुष्टि नहीं की है और खाद्य सुरक्षा के मद्देनजर अपने कृषि आयात स्रोतों में विविधता लाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी रॉयल्स

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स टीम मंगलवार को यहां होने वाले आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी बनाये रखने उतरेगी। रायल्स ने अब तक इस सत्र में 6 मैच जीते हैं और उसके 12 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं दूसरी और सुपरजायंट्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसके ऊपर कोई दबाव नहीं है और वह इस मैच में निडर होकर खेलते हुए रॉयल्स का खेल बिगाड़ने का प्रयास करेगी। उसके चार मैचों में केवल 8 अंक हैं और वह अंतिम स्थान पर है। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स टीम पिछले मैच की गलतियों को इस मैच में नहीं दौहराना चाहेगी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में टीम की फील्डिंग बेहद खराब रही थी ओर उसने कई कैच छोड़े थे। इसी कारण उसे मैच में हार का सामना करना पड़ा था। सुपरजायंटस ने अपने पिछले तीन मैचों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) तक को हराया है। ऐसे में इस मैच में रॉयल्स को सतर्क रहना है।

वहीं अगर आंकड़ों की बात करें तो दोनो के बीच अब तक 7 मैच हुए हैं। जिसमें से राजस्थान रॉयल्स ने 5 जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2 जीते हैं। ऐसे में मुकाबला तकरीबन बराबरी का रहा है। जयपुर के मैदान में बल्लेबाजों को सहायता मिलती है ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। अब तक यहां हुए मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 200 से अधिक रन बनाये हैं। राजस्थान की बल्लेबाजी यशस्वी जायसवाल के अलावा वैभव सूर्यवंशी पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जोफ्रा आर्चर, रवींद्र जड़ेजा संभालेंगे। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाइंट्स की बल्लेबाज मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, के अलावा कप्तान ऋषभ पंत पर अधारित रहेगी। गेंदबाजी

की जिम्मेदारी प्रिंस यादव, के अलवा मोहम्मदश शमी के पास रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। इस मैच में रॉयल्स पर जीत के लिए दबाव रहेगा जिसका लाभ भी सुपरजायंट्स उठाना चाहेगी।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, यशराज पुंजा

इम्पैक्ट प्लेयर- शुभम दुबे

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, एडेन मार्कराम, मुकुल चौधरी, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, मोहम्मद शमी, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयर- जोश इंगलिस

द्रविड़ का करियर बचाने उन्हें विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी थी : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि साल 2003 एकदिवसीय विश्वकप से पहले राहुल द्रविड़ को टीम में रखने पर सवाल उठने लगे थे पर उस समय उन्होंने चयनकर्ताओं के खिलाफ जाकर उन्हें टीम में बनाये रखा था। इसके लिए उन्हें टीम का ढ़ांच तक बदलना पड़ा था। इसी के तहत ही द्रविड़ को विकेटकीपर की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गयी। गांगुली के अनुसार, 2000 के दशक की शुरुआत में, विशेष रूप से 2003 विश्व कप से पहले द्रविड़ की एकदिवसीय टीम में जगह को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे थे। चयनकर्ता और विशेषज्ञ उनके स्ट्राइक रेट से संतुष्ट नहीं थे। ऐसे में कहा जा रहा था कि द्रविड की जगह किसी और खिलाड़ी को मौका दिया जाना चाहिए पर मैंने उन्हें नहीं छोड़ा, क्योंकि अगर मैंने उन्हें छोड़ दिया होता, तो उनका करियर समाप्त हो सकता था।

इस हालात में गांगुली ने एक साहसिक फैसला लेकर न केवल द्रविड़ का करियर बचाया बल्कि भारतीय टीम को एक नई दिशा भी दी। उस समय टीम को एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज की सख्त जरूरत थी जो मध्य क्रम में बल्लेबाजी कर सके। गांगुली ने इस समस्या को समझाते हुए कहा कि द्रविड़ को विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी। तब के समय में श्रीलंका के पास कुमार संगकारा, दक्षिण अफ्रीका के पास मार्क बाउचर और ऑस्ट्रेलिया के पास एडम गिलक्रिस्ट जैसे बेहतरीन विकेटकीपर-बल्लेबाज थे, जबकि भारत की बल्लेबाजी छठे नंबर पर समाप्त हो जाती थी। इस कमी को पूरा करने के लिए, गांगुली ने द्रविड़ को मध्य क्रम में बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी सौंपी। यह फैसला भारतीय क्रिकेट के लिए सफल रहा। इस कदम से न केवल टीम को मजबूती मिली और बल्लेबाजी का क्रम निचले पायदान तक बढ़ गया, जिससे सातवें नंबर पर मोहम्मद कैफ जैसे बल्लेबाज को मौका देना संभव हो सका। गांगुली ने यह भी बताया कि उस समय भारतीय टीम में ऑलराउंडरों की भी कमी थी। उन्होंने कहा, हमारे पास उस तरह का ऑलराउंडर नहीं था। इसलिए वीरेन्द्र सहवाग से लेकर सचिन तेंदुकर और युवराज सिंह के अलावा मैंने भी गेंदबाजी की। यह दर्शाता है कि उस दौर में टीम को संतुलन प्रदान करने के लिए कितने प्रकार के प्रयासों की जरुरत थी। द्रविड़ ने कई सालों तक इस दोहरी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और अपनी शानदार बल्लेबाजी और भरोसेमंद विकेटकीपिंग से टीम के लिए अमूल्य योगदान दिया।

वरुण को चोटिल होने के बाद भी गेंदबाजी कराना केकेआर को पड़ सकता है भारी

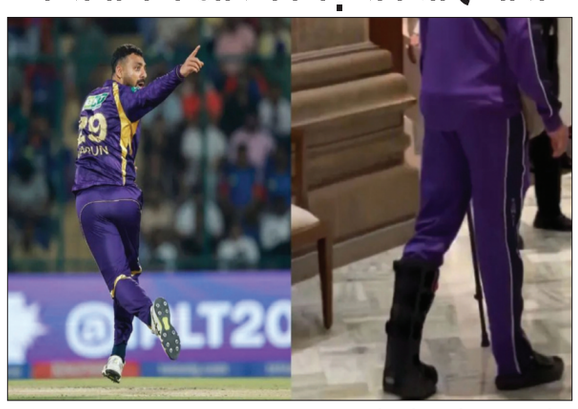

-बीसीसीआई लेगा एक्शन

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के चोटिल होने के बाद भी उनसे 4 ओवर फिंकवाये। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) केकेआर पर कार्रवाई कर सकता है। केकेआर पर आरोप है कि उसने स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पैर में हेयरलाइन फ्रैक्चर होने के बावजूद उस मैच में उतारा। बीसीसीआई इसे गंभीरता से ले रहा है। इसका कारण है कि वरुण भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के प्रमुख गेंदबाज हैं। वह बीसीसीआई की सेन्ट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट के अहम खिलाड़ी हैं। आईपीएल में चोट के बावजूद उनके इस्तेमाल से उनकी फिटनेस का संकट गहरा सकता है जिससे इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी उपलब्धता साफ तौर पर प्रभावित होगी।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'मुझे पता है कि केकेआर के फीजियो टीम इंडिया के फीजियो के संपर्क में हैं। एक पिछले मैच में केकेआर की तरफ से बीसीसीआई को बताया गया था कि बाउंड्री पर फील्डिंग करते वक्त वरुण के बाएं पैर में चोट लगी है। समझा जा रहा कि उन्हें हेयरलाइन फ्रैक्चर हुआ है। मुझे लगता है कि बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी फिटनेस सबसे महत्वपूर्ण है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम इस मामले में दखल दे सकती है।

सूर्यकुमार को लेकर फैसला करेगा बीसीसीसीआई, गंभीर की सलाह रहेगी अहम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है जिससे उनकी कप्तानी खतरे में पड़ गया है। ऐसे में अनुमान है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही उनके मामले में कोई फैसला ले सकता है। हाल ही में सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीता था पर माना जा रहा है कि बोर्ड अब भविष्य को देखते हुए नये कप्तान पर विचार कर सकता है। ऐसे में बोर्ड की बैठक में चयन समिति और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया सूर्यकुमार के भविष्य पर अनौपचारिक रुप से बात कर सकते हैं। इस दौरान भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की सलाह काफी अहम मानी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर की सलाह से ही तय होगा कि सूर्यकुमार को कप्तान बनाये रखा जाये

या किसी और को अवसर दिया जाये।

यदि सूर्यकुमार यादव को कप्तानी से हटाया जाता है, तो एक बल्लेबाज के तौर पर भी उनकी राष्ट्रीय टीम में जगह खतरे में पड़ सकती है। ऐसे में एक विकल्प यह भी सुझाया जा रहा है कि उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में कप्तान के तौर पर ही अवसर दिया जाये। इन सीरीज में उनके बल्लेबाजी प्रदर्शन के आधार पर ही उनके भविष्य पर कोई अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

सूर्यकुमार के प्रदर्शन में निरंतरत की कमी है। पिछले साल उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वह 21 मैचों में केवल 218 रन ही बना पाये। इस दौरान वह पूरे साल एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 का रहा है। साल 2026 में उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब जीता पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। आईपीएल 2026 में भी वह रन नहीं बना पा रहे हैं। उन्होंने अब तक 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 4 अर्धशतकों के साथ 484 रन बनाए हैं, औसत 44 और स्ट्राइक रेट 161.33 रहा है।

उनकी कप्तानी का रिकॉर्ड हालांकि प्रभावशाली है। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें से 40 में जीत हासिल की है, जबकि 8 में हार का सामना करना पड़ा और 2 मैच टाई रहे है।

लखनऊ के खिलाफ मैच से पहले पंजाब किंग्स को बड़ी राहत, अर्शदीप सिंह पूरी तरह फिट हुए

नई दिल्ली । पंजाब किंग्स ने सोमवार को अपने मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की फिटनेस को लेकर एक मजबूत स्पष्टीकरण जारी किया। टीम ने जोर देकर कहा कि यह बाएं हाथ का तेज गेंदबाज पूरी तरह से फिट है और IPL 2026 के एक अहम दौर से पहले टीम के साथ जोरदार ट्रेनिंग कर रहा है। हाल की उन रिपोर्टों के विपरीत जिनमें अर्शदीप की उपलब्धता को लेकर चिंता जताई गई थी, फ्रेंचाइजी ने पुष्टि की कि अर्शदीप (जो इस सीजन में 13 मैचों में 14 विकेट लेकर टीम के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं) उनकी योजनाओं का एक अहम हिस्सा बने हुए हैं। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को अपने बयान में कहा, 'रिपोर्ट्स के उलट हम यह कन्फर्म करना चाहेंगे कि हमारे लीडिंग फास्ट बॉलर और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी अर्शदीप सिंह पूरी तरह से फिट हैं और टीम के साथ एक्टिवली ट्रेनिंग कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट उनकी प्रोग्रेस से पूरी तरह खुश है और जैसे ही हम टूर्नामेंट के एक अहम मुकाबले की ओर बढ़ रहे हैं, वह खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नेट्स में उनकी एनर्जी, रिदम और कमिटमेंट बहुत ही उत्साहजनक रही है और हमें पूरा भरोसा है कि वह आगे भी पंजाब किंग्स के लिए एक अहम भूमिका निभाते रहेंगे।' लगातार दो पुरुष टी20 वर्ल्ड कप जीत के साथ कामयाबी की ऊंचाइयों को छूने के ठीक दो महीने बाद अर्शदीप अपने बेस्ट फॉर्म में नहीं रहे हैं और उनका असामान्य रूप से महंगा साबित होना PBKS के फॉर्म में अचानक आई गिरावट की एक वजह रहा है। इसने उस मोमेंटम को खत्म कर दिया है जो उन्होंने टूर्नामेंट के बीच में बनाया था। PBKS की बात करें तो पिछले तीन हफ्तों में उनका कैंपेन तेजी से नीचे गिरा है और धर्मशाला में डिफेंडिंग चैंपियंस रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों 23 रन की हार के साथ उनकी प्लेऑफ की उम्मीदों को एक और झटका लगा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सिर्फ एक मैच बाकी होने के साथ वह ज्यादा से ज्यादा 15 पॉइंट्स के साथ अपना अभियान खत्म कर सकती है। लेकिन दस टीमों वाले इस टूर्नामेंट के आखिरी चार स्टेज में पहुंचने के लिए वे अभी भी दूसरे मैचों के नतीजों पर निर्भर हैं।

जडेजा की अनुपस्थिति को लेकर कोच और कप्तान के बचानों से संशय गहराया

नई दिल्ली । आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के लिए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को यहां हुए मुकाबले में जस्थान रॉयल्स के प्रमुख ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा उपलब्ध नहीं थे। जिसको लेकर कोच और कप्तान के अलग-अलग बयान आये हैं जिससे लगता है कि रॉयल्स में सब कुछ ठीक नहीं है। टॉस के समय राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर रहे रियान पराग ने रविंद्र जडेजा की गैरमौजूदगी के पीछे वर्कलोड मैनेजमेंट को वजह बताया था। पराग ने कहा, जडेजा अपने वर्कलोड मैनेजमेंट और उस सब की वजह से इस मैच का हिस्सा नहीं बन पाए हैं। जडेजा की जगह इस मैच में रवि सिंह को आईपीएल डेब्यू करने का मौका मिला, जिससे यह लगा कि टीम एक स्थापित खिलाड़ी को आराम देकर युवा प्रतिभा को आज़मा रही है। हालांकि, मैच में हार के बाद बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने जडेजा के बाहर होने का कारण घुटने में थोड़ी तकलीफ बताया। उन्होंने कहा, उसके घुटने में बस थोड़ी सी तकलीफ थी। वे बस उसे मैनेज करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें लगा कि अगर हम उसे एक और गेम ब्रेक दें, तो यह उसके लिए अच्छा होगा। इसी वजह से उसे आज आराम दिया गया। कप्तान और कोच के इन विरोधाभासी बयानों से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि जडेजा की गैरमौजूदगी का असली कारण क्या था वर्कलोड मैनेजमेंट या चोट।

वैभव को टी20 टीम में शामिल करें : रवि शास्त्री

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। शास्त्री ने कहा है कि वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार है। ऐसे में उसे भारतीय टी20 टीम में जगह दी जानी चाहिये। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में लगातार दूसरे साल वैभव ने अपनी बल्लेबाजी से धूम मचाई हुई है। ऐसे में शास्त्री ने चयनकर्ताओं से अपील की है कि उन्हें शीघ्र ही टीम में जगह दी जानी चाहिये। साथ ही सुझाव दिया कि जून में भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए भी वैभव को शामिल करना सबसे अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा, उन्हें टी20 में मौका देना सही होगा क्योंकि अगर आप किसी युवा खिलाड़ी को जल्दी टीम में शामिल करना चाहते हैं, तो यह प्रारुप सबसे उपयुक्त है। शास्त्री ने वैभव की प्रतिभा को सराहते हुए कहा, वह किसी भी लिहाज से कम नहीं है। यह खिलाड़ी इस समय दुनिया की कई टीमों में खेल सकता है। जब आप उसकी युवा ऊर्जा देखते हैं, तो वह उसके चेहरे पर साफ नजर आती है। 15 साल के इस बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ने पिछले कुछ महीनों में असाधारण प्रदर्शन किया है। इसी साल की शुरुआत में, उन्होंने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में टीम की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके बाद आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से भी उनका आतिशी बल्लेबाजी जारी रही। इस सत्र में वैभव ने केवल 11 पारियों में 236.56 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से कुल 440 रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी की सबसे बड़ी खासियत सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बनाया गया उनका 36 गेंदों में तेज शतक रहा। इस सत्र में उन्होंने सबसे ज्यादा 40 छक्के लगाकर भी अपने को साबित किया है। शास्त्री ने कहा कि जून में भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए वैभव को शामिल किया जाना चाहिये। उन्होंने कम उम्र के सवाल को खारिज करते हुए कहा कि हमें केवल उसका खेल देखन चाहिये। उन्होंने कहा, तो मुझे लगता है कि वह पूरी तरह से दावेदार है। और जब आयरलैंड जैसे दौरे हो रहे हैं, तो मैं उसे तुरंत खेलते देखना चाहूंगा।

चहल से रिश्ता दोस्ती से बढ़कर कुछ और नहीं : आरजे महवश

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से रिश्ते की अटकलों पर आरजे महवश ने विराम लगा दिया है। इससे पहले कहा जा रहा था कि वह चहल के साथ रिलेशनशिप में हैं। गौरतलब हैं कि चहल के उनकी पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा से तलाक के बाद से ही महवश का नाम लगातार सुर्खियों में बना हुआ था। दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दोनों का साथ दिखना हो या आईपीएल मैचों में महवश का चहल को स्टैंड्स से चीयर करना, सोशल मीडिया पर हमेशा इस बात पर बहस छिड़ी रहती थी कि उनका रिश्ता दोस्ती से बढ़कर है या नहीं। हाल ही में दोनों के एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो करने की खबर ने इस चर्चा को और भी हवा दे दी थी। अब, आरजे महवश ने इन सभी अटकलों पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए पूरी स्थिति स्पष्ट की है।

महवश ने बताया, लोग छोटी-छोटी चीजों को बहुत बड़ी बना देते हैं। जब आप उस स्थिति

से गुजरते हैं, तो वह उतनी बड़ी बात होती नहीं है। हम दोनों के बीच कुछ नहीं हुआ है यार। दो दोस्तों के बीच बस एक बहस हुई, एक-दूसरे को फॉलो-अनफॉलो किया और बात वहीं खत्म हो गई। उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि जिन दोस्तों के साथ आपने सबसे बुरे जोक्स पर भी हंसा हो या सबसे गंदी बातों पर चर्चा की हो, उनके लिए दिल में कोई मतभेद नहीं रखना चाहिए।

चहल के प्रति अपनी भावनाओं को लेकर महवश ने साफ किया कि वह हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहेंगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आप किसी से नफरत तब रख सकते हैं जब वो इंसान अस्पताल में हो और आप उससे मुंह फेर पाएं। वरना कोई फायदा नहीं है। ज़िंदगी बहुत छोटी है। लोग जैसे हैं उन्हें वैसे स्वीकार करें और ज़िंदगी में आगे बढ़ें। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी बहसबाजी एक आम दोस्तों की लड़ाई का नतीजा थी और इसमें कोई बड़ी बात नहीं थी।

जब उनसे सीधा पूछा गया कि क्या उनका रिश्ता कभी दोस्ती से ज्यादा था, तो आरजे महवश ने इसे पूरी तरह से नकार दिया। उन्होंने कहा, नहीं। मैं दोस्ती बहुत अच्छे से निभाती हूं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बात का खुलासा किया कि उस समय युजवेंद्र चहल को एक दोस्त की बहुत जरूरत थी। महवश ने बताया कि चहल ने अपने एक पॉडकास्ट में सुसाइडल थॉट्स के बारे में बात की थी, और उस कठिन समय में वे सभी दोस्त मिलकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे थे कि उनका आईपीएल का वह सीजन अच्छे से निकल जाए।

लिएंडर पेस की मां ओलंपियन जेनिफर पेस का निधन, कैंसर से थीं पीड़ित

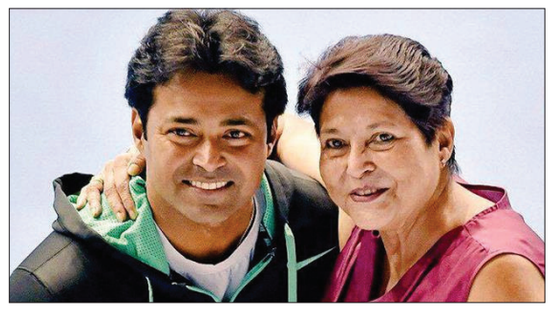

नई दिल्ली। भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम की पूर्व कप्तान और ओलंपियन जेनिफर पेस का रविवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। जेनिफर 72 वर्ष की थीं और वह भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस की मां थीं। परिवार के एक सूत्र ने बताया, 'वह कैंसर से गंभीर रूप से पीड़ित थीं और उन्होंने रविवार को अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार आज कोलकाता के सेंट थॉमस चर्च में हुआ।' उनका जन्म का नाम जेनिफर डटन था और वह प्रसिद्ध बंगाली कवि और नाटककार माइकल मधुसूदन दत्त की वंशज थीं। उन्होंने वर्ष 1972 के म्यूनिख ओलंपिक 1972 में भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व किया और बाद में टीम की कप्तान भी बनीं। भारतीय महिला बास्केटबॉल में उन्हें प्रमुख हस्तियों में गिना जाता है। जेनिफर पेस एक प्रतिष्ठित खेल परिवार से जुड़ी थीं। उनके पति डॉ. वेस पेस भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे, जिसने 1972 म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल किया था। उनका निधन अगस्त 2025 में हुआ था। उनके बेटे लिएंडर पेस ने भारतीय टेनिस को वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पुरुष एकल वर्ग में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। लिएंडर ने अपने करियर में 18 ग्रैंड स्लैम खिताब भी अपने नाम किए।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और एकदिवसीय टीम आज घोषित करेगा बीसीसीआई

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के साथ ही एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम घोषित करेगा। भारतीय टीम अफगानिस्तान से ये मुकाबले जून में खेलेगी। एकमात्र टेस्ट के बाद 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में कुछ युवाओं को अवसर मिल सकता है।

भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। इसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवओं को भ अवसर मिल सकता है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से उपकप्तानी छीनी जा सकती है। उनकी जगह पर यशस्वी

जायसवाल को उपकप्तानी सौंपी जा सकती है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। उनकी जगह पर आकिब नबी डार को अवसर मिल सकता है। संभावित टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, साई सुदर्शन, कुलदीप यादव, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और आकिब नबी डार।

एकदिवसीय सीरीज के लिए संभावित टीम की करें तो 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देकर युवा प्रिंस यादव को अवसर मिल सकता है। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में प्रिंस का प्रदर्शन अच्छा रहा है। यशस्वी जायसवाल की जगह पर ईशान किशन को अवसर मिल सकता है। ऋषभ को शायद ही जगह मिले। उनकी जगह ईशान विकेटकीपर के साथ ही आक्रामक बल्लेबाज की जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

एकदिवसीय सीरीज के लिए संभावित टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रविंद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा और प्रिंस यादव।

ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं बेकहम

लंदन । इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम खेल के साथ ही कमाई के मामले में भी अव्वल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बेकहम अब ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में आ गये हैं उनकी संपत्ति एक अरब पाउंड से ऊपर निकल गयी है। बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है। इससे वह संपत्ति के मामले में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। बेकहम को कई जगह से आय होती है। वह अभी अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के सह-मालिक हैं, जिसे मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी माना जाता है। इस क्लब की अनुमानित कीमत 1.45 अरब डॉलर (लगभग 1.07 अरब पाउंड) है, जो खेल प्रबंधन में बेकहम की दूरदर्शिता और निवेश की सफलता को दर्शाता है। बेकहम एडिडास और ह्यूगो बॉस जैसी वैश्विक कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी भारी कमाई करते हैं। उनकी पत्नी विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके सफल फैशन लेबल से आती है। स्पाइस गर्ल्स की सदस्य के रूप में अपनी शुरुआती प्रसिद्धि के बाद, विक्टोरिया ने एक सफल उद्यमी और फैशन डिजाइनर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वहीं पूर्व फॉर्मूला 1 बॉस बर्नी एक्लेस्टोन को परिवार संपत्ति के मामले में पहले नंबर पर बना हुआ है। उनके परिवार की संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है। एक्लेस्टोन परिवार की संपत्ति खेल प्रबंधन और व्यवसाय से जुड़ी है, जबकि बेकहम ने पहले खिलाड़ी और उसके बाद कारोबारी के तौर पर काम किया है। वहीं बेकहम के अलावा उत्तरी आयरलैंड के गोल्फर रोरी मैक्लरॉय भी 325 मिलियन पाउंड की संपत्ति के साथ शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं। लगातार दो मास्टर्स चैंपियनशिप जीतने के बाद हासिल हुई सफलता और वैश्विक ब्रांड अपील से उनकी आय बढ़ी है। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड के सह-मालिक सर जिम रैटक्लिफ भी सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं।

CSK vs SRH एक वर्चुअल नॉकआउट मैच हो सकता है : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच गया है, जहां बाकी बचे तीन प्लेऑफ स्पॉट तय होने हैं। ऐसे में भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होने वाले मुकाबले को एक 'वर्चुअल नॉकआउट मैच' बताया है। उनका मानना है कि यह मैच प्लेऑफ में जगह बनाने के लिहाज से बहुत अहम साबित हो सकता है।

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने टॉप-4 में अपनी जगह पक्की कर ली है। ऐसे में अगर SRH सोमवार को चिदंबरम स्टेडियम में होने वाला मैच जीत जाती है तो प्लेऑफ में उसकी जगह भी पक्की हो जाएगी। अगर ऐसा होता है तो गुजरात टाइटंस की जगह भी प्लेऑफ में पक्की हो जाएगी और फिर सिर्फ एक ही स्पॉट खाली बचेगा।

चोपड़ा ने जियोस्टार पर कहा, 'यह CSK का इस सीजन का आखिरी घरेलू मैच है। पॉइंट्स टेबल की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह मैच दोनों ही टीमों के लिए, खासकर घरेलू टीम के लिए जीतना बेहद जरूरी है। उन्हें खिलाड़ियों की चोटों से जुड़ी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, लेकिन इसके बावजूद अंशुल कंबोज, उर्विल पटेल और दोनों स्पिनरों जैसे खिलाड़ियों ने टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। अगर उन्हें SRH के बड़े-बड़े हिटर्स को रोकना है, तो इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन एक बार फिर अहम साबित होगा।'

उन्होंने कहा, 'SRH अपनी पिछली हार से जरूर निराश होगी। लेकिन, उनके पास अभी भी 18 पॉइंट्स तक पहुंचने का मौका है, इसलिए वे आखिरी मैच तक इंतजार नहीं करना चाहेंगे। मेरी राय में यह मैच दोनों ही टीमों के लिए एक वर्चुअल नॉकआउट मैच जैसा हो सकता है। जो भी टीम यह मैच जीतेगी, वह प्लेऑफ में जगह बनाने के और भी करीब पहुंच जाएगी। इस मैच में बहुत कुछ दांव पर लगा है और चेपॉक स्टेडियम में दर्शकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिलेगा, इसलिए क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह एक शानदार मुकाबला होने वाला है।'

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

मैंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था

शरवरी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म में वेदांग रैना के साथ नजर आने वाली हैं और फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उन्होंने बताया कि बचपन में उन्हें एक्टिंग वर्कशॉप्स काफी पसंद थीं, लेकिन उन्होंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा।

इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने 11वीं में साइंस स्ट्रीम ली थी क्योंकि उनका सपना सिविल इंजीनियर बनने का था। उनके पिता बिल्डर हैं और मां इंटीरियर डिजाइनर और आर्किटेक्ट, इसलिए उन्हें लगा कि वही रास्ता उनके लिए सही रहेगा। शरवरी ने कहा, 'मैंने कभी अपने पैरेंट्स को एक्टिंग के लिए मनाने की कोशिश नहीं की, क्योंकि वो हमेशा मेरे सपनों के साथ खड़े रहे। कॉलेज के दौरान मैंने एक टैलेंट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और उसे जीतने के बाद मुझे ऑडिशन मिलने शुरू हो गए।'

हालांकि शुरुआत में उन्होंने इसे सिर्फ एक एक्सपेरिमेंट की तरह लिया, लेकिन उनके माता-पिता ने एक्टिंग के लिए उनका जुनून महसूस कर लिया था। शरवरी ने बताया, 'एक दिन मेरे पैरेंट्स ने मुझसे पूछा कि क्या तुम एक्ट्रेस बनना चाहती हो? उस पल सबकुछ बदल गया। मैंने कभी खुद से भी यह बात खुलकर नहीं कही थी, लेकिन जब उन्होंने पहली बार इसे जोर से कहा, तब मुझे हिम्मत मिली। मैं हर रात यह सपना देखती थी, लेकिन खुद से भी स्वीकार नहीं कर पाती थी।' शरवरी ने कहा कि उस सवाल के जवाब में उन्होंने सिर्फ 'हां' कहा और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

करुप्पु के लिए तृषा और सूर्या ने कितनी फीस चार्ज की

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित फिल्म 'करुप्पु' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जानिए कि 'करुप्पु' के लिए तृषा कृष्णन, सूर्या और बाकी पांच अभिनेताओं ने कितनी फीस ली है।

तृषा कृष्णन

'थग लाइफ' में आखिरी बार नजर आईं तृषा कृष्णन की फिल्म 'करुप्पु' रिलीज हो गई है। आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित इस एक्शन ड्रामा फिल्म में तृषा एक वकील की भूमिका में हैं। सूर्या के साथ मुख्य भूमिका निभा रहीं तृषा ने इस फिल्म में अपने रोल के लिए 5 करोड़ रुपये फीस ली है।

सूर्या

फिल्म में सूर्या डबल रोल निभा रहे हैं। इस फिल्म में सबसे ज्यादा फीस फिल्म के मुख्य अभिनाता सूर्या ने ली है। इस एक्शन फिल्म में सूर्या- सरवनन और करप्पुस्वामी की भूमिका निभाते नजर आए। सूर्या ने इस फिल्म के लिए 45 करोड़ रुपये की भारी भरकम फीस ली है।

आरजे बालाजी

आरजे बालाजी ने न सिर्फ 'करुप्पु' का निर्देशन किया है, बल्कि इसमें अभिनय भी किया है। बालाजी अपनी इस फिल्म में एक खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे,

जिसका नाम बेबी कन्नन है। उन्होंने इसके लिए 4 करोड़ रुपये फीस ली है।

योगी बाबू

ज्यादातर साउथ फिल्मों में अपनी दमदार कॉमेडी से सभी को हंसाने वाले योगी बाबू फिल्म 'करुप्पु' में सहायक कलाकार की भूमिका में से एक हैं। 'करुप्पु' के लिए योगी बाबू ने 2 करोड़ रुपये फीस ली है।

बाकी कलाकारों की फीस

'करुप्पु' के लिए नट्टी सुब्रमण्यम, इंद्रन्स और स्वासिका जैसे शानदार कलाकारों ने भी अपनी भूमिकाओं के लिए लाखों-करोड़ों की फीस ली है। मोहनलाल की फिल्म 'पैट्रियट' में आखिरी बार नजर आए इंद्रन्स की अगली फिल्म 'करुप्पु' के लिए 80 लाख रुपये लिए हैं। स्वसिका ने 'थम्मुडु' और 'रेट्रो' जैसी कई फिल्में की हैं। 'करुप्पु' में, अभिनेत्री की सहायक भूमिका है, जिसके लिए उन्होंने 40 लाख रुपये चार्ज किए हैं।

मेरे कई रोल स्टारकिड्स को मिल गए

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अभी सिर्फ फिल्म का एक गाना सामने आया है, जिसे पसंद किया जा रहा है। इस बीच कृति ने अपने ड्रीम रोल के बारे में बात की।

इस दौरान कृति ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर और संघर्षों को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें लंबे समय तक सिर्फ निराशा हाथ लगी और मनचाहे किरदार नहीं मिले। लेकिन बाद में 'मिमी' ने उनके लिए सबकुछ बदल दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि कुछ भूमिकाएं ऐसी थीं जिनके मैं बहुत करीब पहुंच गई थी, लेकिन अंततः वे स्टार किड्स को मिल गईं, जो मेरे बस में नहीं था। जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं, तो आपको बहुत अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ता है। यह चलता रहा, इस दौरान मैंने जोखिम उठाए और अधिक सोच-समझकर फैसले लिए। मैंने हर मौके को अपनी मेहनत से कमाया है। मुझे कुछ भी आसानी से नहीं मिला। एक दौर ऐसा भी था जब कुछ भी काम नहीं कर रहा था और सब कुछ उलझन भरा लग रहा था। हालांकि, मैं उस दौर के लिए आभारी हूं, क्योंकि इसने मुझे यह स्पष्ट कर दिया कि मैं क्या नहीं करना चाहती। असफलताएं आपको सफलता से कहीं अधिक सिखाती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति अब 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रेखा की बायोपिक करना चाहती हैं कृति

बातचीत में जब कृति सेनन से पूछा गया कि वह किसकी बायोपिक का हिस्सा बनना चाहेंगी, तो कृति के मन में सिर्फ एक ही नाम था- रेखा। रेखा के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि उन्होंने जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीया है। इसलिए मुझे वह बेस्ट लगती हैं। मुझे पता है कि मैं उनके जैसी बिल्कुल नहीं दिखती, लेकिन मैं उनसे प्यार करती हूं। उनका दिल, उनका साहस, उनका व्यक्तित्व। वह मिलनसार, बुद्धिमान हैं।

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर कुल प्रीत सिंह का बयान

आज के समय में सोशल मीडिया कलाकारों के लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां लोकप्रियता भी मिलती है और आलोचना भी। एक तरफ जहां फैंस अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ पाते हैं, वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन ट्रोलिंग भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसी मुद्दे पर अब अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने आईएएनएस संग बातचीत में अपनी बेबाक राय रखी। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभाव और उससे दूरी बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। आईएएनएस से बात करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कहा, ''एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सोशल मीडिया पर चल रहे शोर और लगातार आने वाली प्रतिक्रियाओं से खुद को अलग रखना सीखे। अगर कोई कलाकार इंटरनेट पर लिखी हर बात को दिल से लगाने लगे, तो उसका असर उसके काम और मानसिक स्थिति दोनों पर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि उनको अपनी ऊर्जा अपने काम पर लगानी चाहिए।'' रकुल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना व्यापक नहीं था। उस समय कलाकारों को आज की तरह तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिलती थी, जिससे मानसिक दबाव भी कम रहता था। उस दौर में आलोचना और चर्चा का तरीका अलग था, जबकि आज के समय में हर व्यक्ति अपनी राय तुरंत और मुखर होकर सोशल मीडिया पर व्यक्त करता है।''

उन्होंने आगे कहा, ''कोरोना महामारी के बाद सोशल मीडिया का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। पिछले कुछ सालों में लोगों के पास ज्यादा समय था। इसका असर यह हुआ कि अब हर विषय पर लोगों की राय बहुत तेजी से सामने आती है और कलाकारों को लगातार आलोचना और टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है।'' रकुल प्रीत सिंह ने कहा, ''एक अभिनेता को इस शोर से खुद को दूर रखना चाहिए। कलाकार का काम अभिनय करना और अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाना है, न कि हर ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब देना। अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया की हर बात को गंभीरता से लेने लगेगा, तो उसका ध्यान भटक जाएगा और उसका काम भी प्रभावित हो सकता है।''

इंटरनेट वाला ओरी और असली, जिंदगी वाला ओरी अलग नहीं है

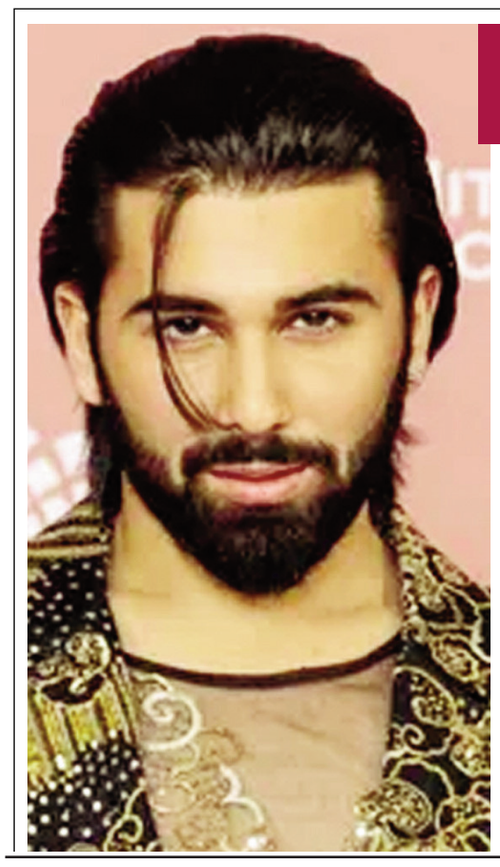

इंटरनेट सेंसेशन, बॉलीवुड पार्टियों के परमानेंट गेस्ट और सोशल मीडिया के सबसे रहस्यमयी चेहरों में शामिल ओरी अब 'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगे। लेकिन शो से पहले उन्होंने बातचीत में साफ कह दिया कि लोग उन्हें जितना पार्टी बॉय समझते हैं, वे उससे कहीं ज्यादा हैं।

ओरी का कहना है कि लोग अक्सर सोचते हैं कि सोशल मीडिया वाला ओरी सिर्फ कैमरों के लिए बनाया गया एक कैरेक्टर है। लेकिन उनके मुताबिक ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ एक ही ओरी है। लोग सोचते हैं कि इंटरनेट वाला ओरी और असली जिंदगी वाला ओरी अलग होंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं नकली रूप बनाकर नहीं जीता। लेकिन हां, यह पहली बार है जब मैं इतने लंबे फॉर्मेट में लोगों के सामने रहूंगा। इसलिए सच कहूं तो मैं खुद भी उत्साहित हूं यह देखने के लिए कि दबाव, डर और मुश्किल हालात में मेरा कौन सा रूप बाहर आता है। शायद लोग पहली बार मुझे ग्लैमर और फिल्टर्स के बिना देखेंगे'।

उम्मीद है कि रोहित को भी मेरी वाइब पसंद आए

अपने कॉन्फिडेंस को लेकर ओरी बिल्कुल भी पीछे नहीं हटे। उनका कहना है कि उनके बारे में हर चीज अपने आप में एंटरटेनमेंट है। 'मुझे सच में लगता है कि मेरे बारे में हर चीज एंटरटेनिंग है। चाहे मेरी एनर्जी हो, मेरी पर्सनैलिटी हो, मेरा बोलने का तरीका हो या मेरे रिएक्शंस... लोग मुझे नजरअंदाज नहीं कर सकते। शायद यही वजह है कि बिना कुछ समझाए भी लोग लगातार मेरे बारे में बात करते रहते हैं। बस उम्मीद है कि रोहित शेट्टी को भी मेरी वाइब पसंद आए।'

लोगों ने मान लिया कि मैं मानसिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता

जब ओरी से पूछा गया कि वह इस शो के जरिए लोगों की कौन सी राय बदलना चाहते हैं। तो उन्होंने कहा, 'लोग सोचते हैं कि मैं कमजोर हूं। सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं ग्लैमरस लाइफ जीता हूं, पार्टियों में दिखता हूं, लक्जरी पसंद करता हूं..., लोगों ने मान लिया कि मैं मानसिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता। लेकिन ताकत सिर्फ मसल्स या गुस्से में नहीं होती। कभी-कभी सबसे मजबूत लोग वही होते हैं जो दबाव में भी खुद को खोते नहीं हैं। और शायद खतरों के खिलाड़ी में लोग पहली बार वो देखेंगे।'

मैं सिर्फ वायरल नहीं हूं... खिलाड़ी भी हूं

शो साइन करने की वजह बताते हुए ओरी ने कहा कि वह सिर्फ एक और कंटेस्टेंट बनने नहीं आए हैं। 'मैंने खतरों के खिलाड़ी सिर्फ एक और कंटेस्टेंट बनने के लिए साइन नहीं किया। मैंने यह शो इसलिए किया क्योंकि मैं दुनिया को दिखाना चाहता हूं कि मैं सिर्फ वायरल नहीं हूं। मैं खिलाड़ी भी हूं।'

लोगों ने मुझे इंटरनेट कैरेक्टर बना दिया

अपनी वायरल इमेज को लेकर ओरी ने बेहद विवादित बयान दिया। उनका कहना है कि लोगों ने उनके बारे में जो धारणा बना ली है। वह उनकी खुद की बनाई हुई नहीं है। 'लोगों ने मेरी यह इमेज बनाई है। लोगों ने मुझे मिस्ट्री बॉय बना दिया, सेलिब्रिटी बेस्ट फ्रेंड बना दिया, इंटरनेट कैरेक्टर बना दिया। लेकिन मैंने कभी खुद को उस तरह पेश नहीं किया। मजेदार बात यह है कि लोग पहले आपको एक कैरेक्टर बनाते हैं...फिर उसी कैरेक्टर को जज भी करने लगते हैं। अगर ऑडियंस अब मेरा कोई दूसरा साइड देखेंगे, तो मुझे उससे कोई दिक्कत नहीं है, क्योंकि वह इमेज उनकी बनाई हुई थी, मेरी नहीं।'

मुझे रेप्टाइल्स से नहीं... हारने से डर लगता है

आखिर में जब ओरी से पूछा गया कि उन्हें सबसे ज्यादा डर किस चीज से लगता है, तो उनका जवाब बेहद सीधा था। 'मुझे रेप्टाइल्स से डर नहीं लगता। मुझे खतरनाक स्टंट्स से डर नहीं लगता। लेकिन हां... मुझे हारना पसंद नहीं है, क्योंकि एक बार अगर लोगों को लगने लगे कि आप हार गए हो, तो वो आपको गंभीरता से लेना बंद कर देते हैं। और मैं कभी वो इंसान नहीं बनना चाहता।'

स्वामी, प्रकाशक, संपादक : अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिन्टिंग प्रेस डी-85, न्यू अशोक नगर, नोएडा, गौतमबुद्धनगर यूपी से मुद्रित कराकर सी-148, साउथमोती बांग, पो0 चान्यक्यपुरी, नई दिल्ली-110021 से प्रकाशित किया।
RNI.No. : DELMUL/2012/47011 Email.timesofpedia@gmail.com